भारतीय रिज़र्व बैंक

बुलेटिन

जून 2018

खंड 72 अंक 6

संपादन समिति
जनक राज
गौतम चैटर्जी
राजीव रंजन

संपादक
शशीधर एम. लोकरे

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन संपादकीय समिति के निर्देशन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है। इसमें व्यक्त व्याख्याओं और विचारों के लिए बैंक का केंद्रीय निदेशक मंडल उत्तरदायी नहीं है। हस्ताक्षरित लेखों में व्यक्त विचारों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी हैं।

© भारतीय रिज़र्व बैंक 2018

सर्वाधिकार सुरक्षित।
सामग्री के पुन: प्रयोग की अनुमति है,
बशर्ते कि स्रोत का उल्लेख किया जाए।

बुलेटिन के सदस्यता शुल्क के लिए कृपया ''भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के महत्वपूर्ण प्रकाशन'' खंड देखें।

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन को इंटरनेट के माध्यम से **http://www.bulletin.rbi.org.in** पर भी देखा जा सकता है।

विषय-वस्तु

मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19

दूसरा द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19 1

भाषण

भुगतान के क्षेत्र में उत्कृष्टता
बी. पी. कानूनगो 11

लेख

निजी कॉर्पोरेट कारोबार क्षेत्र का निष्पादन :
2016-17 से ति3 : 2017-18 15

वर्तमान सांख्यिकी **27**

हाल के प्रकाशन **71**

मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19

दूसरा द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19

दूसरा द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19: मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी), भारतीय रिज़र्व बैंक का संकल्प*

मौद्रिक नीति समिति ने आज की अपनी बैठक में वर्तमान और उभरती समष्टिगत आर्थिक परिस्थिति के आकलन के आधार पर यह निर्णय लिया है कि -

- चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत नीतिगत रिपो दर को 25 आधार अंक बढ़ाकर 6.25 प्रतिशत किया जाए।

परिणामस्वरूप, एलएएफ के तहत प्रतिवर्ती रेपो दर 6.0 प्रतिशत पर और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर तथा बैंक दर 6.50 प्रतिशत पर बरकरार रहेगी।

एमपीसी का निर्णय मौद्रिक नीति के तटस्थ रुझान के अनुरूप है। इसका तारतम्य, वृद्धि को सहारा प्रदान करते हुए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के 4 प्रतिशत के मध्यावधिक लक्ष्य को +2/-2 प्रतिशत के दायरे में रखने के उद्देश्य से भी है। इस निर्णय के समर्थन में प्रमुख विवेचनों का वर्णन नीचे दिए गए विवरण में किया गया है।

आकलन

2. एमपीसी की अप्रैल में अंतिम बैठक के समय से वैश्विक आर्थिक गतिविधि में विस्तार जारी है, हालांकि गति में कुछ सहजता आई है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (एई) में, अमेरिकी अर्थव्यवस्था ने नरम निजी खर्च और कम आवासीय निवेश के चलते वर्ष की शुरुआत कमजोरी के साथ की है, तथापि, दूसरी तिमाही में मजबूत खुदरा बिक्री और उन्नत रोजगार आंकड़ों के साथ सुधार प्रतीत होता है। यूरो क्षेत्र की वृद्धि में पहली तिमाही में गिरावट आई, हाल के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े और कमजोर उपभोक्ता और कारोबारी भावना से गति में कमी की ओर संकेत करते हैं। जापानी अर्थव्यवस्था पहली तिमाही में संकुचित हुई, हालांकि दूसरी तिमाही में इसमें सुधार होने की संभावना है जैसाकि निर्यात और विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) पर हाल के आंकड़ों द्वारा संकेत दिया गया है।

3. प्रमुख उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) में आर्थिक गतिविधि काफी लचीली रही। चीनी अर्थव्यवस्था ने पहली तिमाही में मजबूत गति कायम रखी, औद्योगिक उत्पादन पर हाल ही के आंकड़े और पीएमआई दर्शाता है कि दूसरी तिमाही में वृद्धि के स्थिर रहने की संभावना है। रूसी अर्थव्यवस्था में वर्ष 2017 के अंत में नरमी के बाद हाल के वर्षों में बढ़ोतरी प्रतीत होती है, दोनों विनिर्माण और सेवाओं के पीएमआई में अप्रैल में बढोतरी हुई। दक्षिण अफ्रीका में, राजनीतिक स्थिरता आने से वृद्धि संभावनाओं में सुधार हुआ है जैसाकि उपभोक्ता विश्वास, विनिर्माण पीएमआई और खुदरा बिक्री में प्रतिलक्षित हुआ है। इसके विपरीत, ब्राजील से उच्च बेरोजगारी और नरम औद्योगिक उत्पादन पर कमजोर आंकड़े दर्शाते हैं कि मंदी के प्रभाव बने हुए हैं।

4. वैश्विक व्यापार वृद्धि में मजबूती बनी हुई है, हालांकि भौगोलिक-राजनीतिक तनाव से हाल ही में निर्यात आदेशों और हवाई माल भाड़े में गिरावट आई है। बढ़े हुए भौगोलिक-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें 24 मई तक तेजी से बढ़ी किंतु इसके बाद पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) और रूस द्वारा आपूर्ति को सहज करने की संभावनाओं से कीमतों में नरमी आई। रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण मूल धातु विशेषकर एल्यूमिनियम की कीमतें बढ़ गई। मजबूत डॉलर के कारण स्वर्ण ने बिक्री दबाव देखा है किंतु पिछले सप्ताह में यूरो क्षेत्र में राजनीतिक अनिश्चितता के कारण इस धातु में सुधार हुआ। बढ़ती पण्य-वस्तु कीमतों के आंशिक रूप से कुछ प्रमुख उन्नत और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति दबाव बढ़ गया।

5. वित्तीय बाजारों पर मौद्रिक नीति प्रत्याशाओं और भौगोलिक-राजनीतिक गतिविधियों को प्रमुख रूप से असर पड़ा। इक्विटी बाजार निष्पादन क्षेत्रों में अलग-अलग रहा है, जो उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में पहली तिमाही के मजबूत अर्जन और व्यापार तनाव के कम होने के चलते ठीकठाक अभिलाभ हुआ है, जबकि प्रमुख उभरती बाजार

* 06 जून, 2018 को जारी किया गया।

अर्थव्यवस्थाओं में स्टॉकों को बढ़ते हुए डॉलर और फेडरल रिज़र्व बैंक द्वारा और वृद्धि की प्रत्याशाओं के चलते सेल-ऑफ का सामना करना पड़ा है। अमेरिका में 10 वर्षीय सॉवरेन प्रतिफल मई के मध्य में 3 प्रतिशत को पार कर गया जिसका कारण मजबूत आर्थिक आंकड़े और सख्त मौद्रिक नीति की प्रत्याशाएं रही किंतु बाद में सुरक्षित आश्रय मांग के कारण इसमें नरमी आई, अन्य मुख्य उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (एई) में भी प्रतिफलों में नरमी आई। तथापि, अधिकांश ईएमईज में, वैश्विक बाजार में बढ़ते डॉलर की कमी के कारण उनके ऋण के लिए कम हुई विदेशी भूख के चलते बॉन्ड प्रतिफल बढ़ गए हैं। मुद्रा बाजारों में, अमेरिकी डॉलर ने दिसंबर 2017 से लेकर मई में अपने उच्चतम स्तर को छुआ। डॉलर की तुलना में यूरो में काफी मूल्यह्रास हुआ जो मिश्रित कारक दिखाता है जिसमें यूरो क्षेत्र के लिए नरम वृद्धि आंकड़े शामिल हैं जिन्होंने दर्शाया कि यूरोपीय सेंट्रल बैंक द्वारा मौद्रिक नीति के सामान्यीकरण में विलंब हो सकता है और दूसरा कारक इसके दक्षिणी क्षेत्र में अनिश्चितता भी है। समान्य तौर पर ईएमई मुद्राओं में अमेरिकी डॉलर की तुलना में मूल्यह्रास हुआ है।

6. घरेलू मोर्चे पर केंद्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (सीएसओ) ने 31 मई को वर्ष 2017-18 की चौथी तिमाही के लिए राष्ट्रीय आय लेखों के तिमाही अनुमान और वर्ष 2017-18 के लिए अनंतिम अनुमान जारी किए। वर्ष 2017-18 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.7 प्रतिशत अनुमानित की गई है जो 28 फरवरी को जारी किए गए दूसरे अग्रिम अनुमानों से 0.1 प्रतिशत अंक ज्यादा है। बंपर फसल और ग्रामीण आवास और इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकार के जोर के चलते विशेषकर उन्नत ग्रामीण मांग के कारण निजी अंतिम उपभोग व्यय में काफी अधिक बढ़ोतरी से इस वृद्धि को सहारा मिला है। तिमाही आंकड़े दर्शाते हैं कि वर्ष 2017-18 की चौथी तिमाही में अर्थव्यवस्था 7.7 प्रतिशत से बढ़ी जो पिछली सात तिमाहियों में सबसे तेज गति है। सकल स्थायी पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) वृद्धि चौथी तिमाही तक लगातार तीन तिमाहियों में बढ़ी।

7. आपूर्ति पक्ष पर, कृषि और संबद्ध कार्यकलापों के अनुमानों को भी बढ़ाया गया है जिनमें वर्ष के दौरान खाद्यान्न और बागवानी में अब तक के सबसे अधिक उत्पादन द्वारा सहायता मिली। तिमाही आधार पर, वर्ष 2017-18 की चौथी तिमाही में कृषि वृद्धि तेजी से बढ़ी। 16 अप्रैल को भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने सामान्य दक्षिण-पश्चिमी मानसून वर्षा का पूर्वानुमान लगाया है जिसकी 30 मई को पुनः पुष्टि की गई। यह कृषि क्षेत्र के लिए अच्छा संकेत है।

8. औद्योगिक वृद्धि में भी मजबूती आई जो विनिर्माण के मजबूत निष्पादन को प्रतिलक्षित करती है, यह चौथी तिमाही में निरंतर तीन तिमाहियों में तेज हुई है। विनिर्माण फर्मों द्वारा क्षमता उपयोग वर्ष 2017-18 की चौथी तिमाही में काफी बढ़ा जैसाकि रिज़र्व बैंक के आदेश बही, इन्वेंटरी और क्षमता उपयोग सर्वेक्षण (ओबीआईसीयूएस) के नवीनतम दौर में देखा गया। कोयले के उत्पादन में तेज विस्तार के कारण आठ मुख्य उद्योगों का उत्पादन अप्रैल में तीव्र हुआ जो 42 महीनों के अपने उच्च स्तर पर पहुंच गया। सीमेंट उत्पादन ने भी अप्रैल में लगातार छह महीनों के लिए दुहरी अंकों में वृद्धि दिखाई। तथापि, विद्युत उत्पादन में कमी आई। रिज़र्व बैंक के औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण (आईओएस) के अप्रैल-जून दौर के शुरुआती परिणामों के अनुसार, इनपुट कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि और घरेलू और बाह्य मांग स्थिति की अवधारणों के कारण वर्ष 2018-19 की पहली तिमाही में गतिविधि में कम दर से विस्तार होने की संभावना है। तथापि, नए घरेलू आदेशों और निर्यात के सहारे मई में विनिर्माण पीएमआई लगातार दसवें महीने के लिए विस्तारकारी मोड में रहा।

9. हालांकि, व्यापार, होटल, परिवहन और संचार तथा वित्तीय सेवाओं जैसे कुछ संघटकों में कम वृद्धि के कारण सेवा क्षेत्र की वृद्धि नीचे की ओर संशोधित की गई, फिर भी यह मजबूत रही। निर्माण कार्यकलाप ने नई श्रृंखला (आधार 2011-12) में चौथी तिमाही में उच्चतम वृद्धि दर्ज की। विभिन्न उच्च बारंबारता सूचक भी सेवा क्षेत्र का लचीला निष्पादन दर्शाते हैं। ट्रैक्टरों और दुपहिया वाहनों की बढ़ती बिक्री ग्रामीण मांग की मजबूती दर्शाती है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी अप्रैल में तेज हुई। रेलवे के राजस्व अर्जन मालभाड़ा ट्रैफिक में वृद्धि हुई जिसका कारण कोयले, उर्वरकों और सीमेंट में बढ़ोतरी थी। यात्री वाहनों की बिक्री वृद्धि तेज हुई किंतु अप्रैल में लागतार तीसरे महीने के लिए बंदरगाह ट्रैफिक में गिरावट आई। अप्रैल में घरेलू हवाई

यात्री ट्रैफिक उल्लेखनीय रूप से बढ़ा। निर्माण कार्यकलाप के दो मुख्य सूचक-सीमेंट उत्पादन वृद्धि तेज हुई और इस्पात उपभोग में सुधार हुआ। सेवा पीएमआई मई में थोड़ी कम हुई जो कारोबारी गतिविधि में कमी और नए आदेशों का ठहराव प्रतिलक्षित करती है।

10. सीपीआई में वर्ष-दर-वर्ष बदलाव द्वारा मापित खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में तेजी से बढ़कर 4.6 प्रतिशत हो गई, ऐसा मुख्य रूप से खाद्य और ईंधन को छोड़कर मुद्रास्फीति में काफी वृद्धि के कारण हुआ। केंद्रीय कर्मचारियों के लिए आवास किराया भत्तों (एचआरए) में वृद्धि के अनुमानित प्रभाव को छोड़कर हेडलाइन मुद्रास्फीति मार्च के 3.9 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल में 4.2 प्रतिशत हो गई। खाद्य मुद्रास्फीति लगातार चौथे महीने के लिए नरम रही, ऐसा सब्जियों की कीमतों में साधारण मौसमी वृद्धि की अपेक्षा कम वृद्धि, दलहन और चीनी, जिनमें अवस्फीति बनी हुई है, के कारण हुआ। तथापि, खाद्य समूह के अंदर, अनाज, फलों, तैयार भोजन, माँस और मछली में मुद्रास्फीति बढ़ी।

11. मुख्य रूप से तरल पेट्रोलियम गैस में अंतरराष्ट्रीय कीमतों के अनुरूप गिरावट और विद्युत में गिरावट के कारण अप्रैल में लगातार पांचवे महीने में ईंधन समूह की मुद्रास्फीति में कमी आई। तथापि, अन्य प्रमुख ईंधन मदों जैसे जलाई जाने वाली लकड़ी और चिप्स, उपलों, केरोसिन और कोयले में वृद्धि हुई। परिवहन और संचार उप-समूह में मुद्रास्फीति तेज हुई जिसका कारण कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों का बढ़ना था, हालांकि पेट्रोल और डीज़ल में घरेलू पास-थ्रू अपूर्ण था। कपड़ों, घरेलू सामान और सेवाओं, स्वास्थ्य, मनोरंजन, शिक्षा तथा व्यक्तिगत देखभाल और इसके सामान में भी मुद्रास्फीति बढ़ी।

12. रिज़र्व बैंक के परिवार सर्वेक्षण के मई 2018 के दौर में तीन महीनों और एक वर्ष आगे की अवधि में परिवार मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं में क्रमशः 90 आधार अंक और 130 आधार अंकों की उल्लेखनीय वृद्धि रिपोर्ट की गई। रिज़र्व बैंक के आईओएस में पोल की गई विनिर्माण फर्मों ने वर्ष 2018-19 की पहली तिमाही में इनपुट मूल्य दबावों और बिक्री कीमतों में वृद्धि रिपोर्ट की। मई में विनिर्माण पीएमआई में राय देने वाली फर्मों ने भी इनपुट और आउटपुट कीमतों में तेज वृद्धि दर्शाई। खेती इनपुट और औद्योगिक कच्चे माल की लागत क्रमिक रूप से बढ़ी है। ग्रामीण क्षेत्र में मजदूरी दबावों में नरमी आई, तथापि संगठित क्षेत्र में ये दृढ़ रहे।

13. अप्रैल-मई 2018 के दौरान प्रणाली में चलनिधि सामान्य रूप से अधिशेष में रही। अप्रैल के दौरान रिज़र्व बैंक ने विशेषकर महीने के दूसरे पखवाड़े में बढ़े हुए सरकारी खर्च के कारण दैनिक निवल औसत आधार पर ₹ 496 बिलियन अधिशेष चलनिधि अवशोषित की। सहज चलनिधि स्थिति दर्शाते हुए, भारित औसत कॉल दर (डब्ल्यएसीआर) अप्रैल में कम होकर 5.89 प्रतिशत हो गई (मार्च में 5.96 प्रतिशत)। तथापि, प्रणाली में अधिशेष चलनिधि मई के पहले पखवाड़े में काफी कम हुई था तथा सेवा और वस्तु कर (जीएसटी) के चलते अंतर्वाह के कारण मई के तीसरे सप्ताह में प्रणाली में घाटे की स्थिति आ गई। रिज़र्व बैंक ने प्रणाली में ₹ 100 बिलियन की चलनिधि उपलब्ध कराने के लिए 17 मई 2018 को खुला बाजार परिचालन खरीद नीलामी आयोजित की। मई के अंतिम सप्ताह में प्रणाली में फिर से अधिशेष आ गया जिसने मुख्य रूप से खाद्य सब्सिडी के भुगतान को प्रतिलक्षित किया। एलएएफ के अंतर्गत दैनिक निवल औसत आधार पर अधिशेष चलनिधि अवशोषित की गई जो मई में घटकर ₹ 142 बिलियन हो गई। मई में 5.88 प्रतिशत पर डब्ल्यूएसीआर व्यापक रूप से अप्रैल 2018 के स्तर पर रहा।

14. अप्रैल 2018 में भारत का निर्यात पिछले महीने के मामूली डुबकी के बाद बढ़ गया जो कि मुख्य रूप से गैर-तेल निर्यात के समर्थन, विशेष रूप से इंजीनियरिंग सामान और रसायनों के कारण हुआ। अप्रैल 2018 में विकास दर क्रमशः कम हो गई; सोने के साथ-साथ मोती और कीमती पत्थरों के आयात में ज्यादा गिरावट आई है जो कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के प्रभाव के कारण है। फिर भी,एक साल पहले व्यापार घाटा मार्च और अप्रैल में अपने स्तर से बढ़ गया था। 2017-18 में बाहरी वित्तपोषण आरामदायक रहा। जबकि 2017-18 में सकल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश पिछले वर्ष के साथ व्यापक रूप से तुलनीय था, ऋण प्रवाह में तेजी से बदलाव के कारण सकल विदेशी पोर्टफोलियो प्रवाह मजबूत थे । हालांकि,विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 2018-19 (4 जून तक) में घरेलू पूंजी बाजार से सकल आधार पर 6.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर वापस ले लिए

जो वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता को दर्शाता है। 1 जून 2018 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 412 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

परिदृश्य

15. अप्रैल में 2018-19 के पहले द्वि-मासिक वक्तव्य में सीपीआई मुद्रास्फीति को एच1: 2018-19 में 4.7-5.1 प्रतिशत और एच2 में 4.4 प्रतिशत की सीमा में अनुमानित किया, जिसमें केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एचआरए प्रभाव शामिल है, जिसमें ऊपर की ओर जोखिम जुड़ा हुआ है। एचआरए संशोधन के प्रभाव को छोड़कर, सीपीआई मुद्रास्फीति एच1: 2018-19 में 4.4-4.7 प्रतिशत और एच2 में 4.4 प्रतिशत थी। अप्रैल नीति के बाद से वास्तविक मुद्रास्फीति के परिणाम अनुमानित ट्रेजेक्टरी के अनुसार व्यापक रूप से विकसित हुए हैं। तथापि, यहां पर एक महत्वपूर्ण रचनात्मक बदलाव हुआ है। जबकि सब्जियों की कीमतों में गर्मी की गति सामान्य पैटर्न की तुलना में कमजोर थी, खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई मुद्रास्फीति में अचानक तेजी हुई।.

16. हेडललाईन मुद्रास्फीति परिदृश्य मुख्य रूप से दो प्रतिकूल प्रभाव से प्रेरित होता है। एक तरफ, खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई मुद्रास्फीति मार्च से अप्रैल में 80 आधार अंकों से बढ़कर 5.3 प्रतिशत के पूर्व- एचआरए स्तर तक पहुंच गई, जो कि अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबावों के सख्त होने का संकेत करते है। इसके अलावा, अप्रैल आरंभ में एमपीसी की बैठक के बाद, क्रूड के भारतीय बास्केट की कीमत 66 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 74 अमेरिकी डॉलर हो गई। यह, अन्य वैश्विक वस्तुओं की कीमतों और हाल के वैश्विक वित्तीय बाजार विकास में वृद्धि के साथ-साथ, जिसके परिणामस्वरूप इनपुट लागत के दबाव में मजबूती आई है, जिसकी पुष्टि ति2:2018-19 में रिजर्व बैंक के विनिर्माण कंपनियों के लिए आईओएस में भी हुई है। खाद्य, ईंधन और एचआरए को छोड़कर मुद्रास्फीति की गति में परिणामी पिक-अप ने 2018-19 के लिए उच्च सीपीआई अनुमानों में दृढ़ता प्रदान की है। दूसरी तरफ,खाद्य मुद्रास्फीति पिछले कुछ महीनों में मौन रही है और सामान्य मौसमी पिकअप में देरी हुई है,जो अल्पावधि में अनुमानों को नरम कर रही है। इन प्रभावों को ध्यान में

चार्ट 1: सीपीआई मुद्रास्फीति (वर्ष-दर-वर्ष) का त्रैमासिक पूर्वानुमान

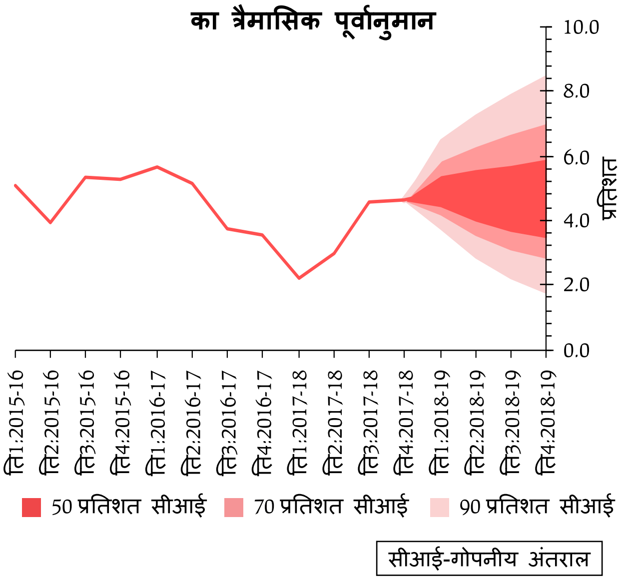

रखते हुए, अनुमानित सीपीआई मुद्रास्फीति 2018-19 के लिए एच1 में 4.8-4.9 प्रतिशत और एच2 में 4.7 प्रतिशत संशोधित की गई है, जिसमें केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एचआरए प्रभाव शामिल है,जिसमें ऊपर की ओर जोखिम जुड़ा हुआ है (चार्ट 1)। एचआरए संशोधन के प्रभाव को छोड़कर,सीपीआई मुद्रास्फीति एच1 में 4.6 प्रतिशत और एच2 में 4.7 प्रतिशत पर अनुमानित है।

17. विकास परिदृश्य की ओर मुड़ते हुए, सीएसओ के अनंतिम अनुमानों ने ति4: 2017-18 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि को 7.7 प्रतिशत पर रखा है - जो कि ति3 की तुलना से 70 आधार अंक उच्च पर है- निवेश और निर्माण गतिविधि में तेज गतिवृद्धि दी गई है। क्षमता उपयोग और क्रेडिट ऑफटेक में सुधार के साथ, हाल के महीनों में वित्त पोषण की स्थिति में कुछ कटौती होने के बावजूद निवेश गतिविधि मजबूत रहने की उम्मीद है। वैश्विक मांग भी उत्साहजनक रही है, जो निर्यात को प्रोत्साहित करेगी और निवेश को और जोर देगी। पेट्रोलियम उत्पाद की कीमतों में तेज वृद्धि, हालांकि,प्रयोज्य आय को प्रभावित कर सकती है। ग्रामीण और शहरी दोनों उपभोग, मजबूत बना हुआ है और इसके आगे बढ़ने की उम्मीद है। रिज़र्व बैंक के आईओएस के शुरुआती परिणामों के मुताबिक, विनिर्माण क्षेत्र में गतिविधि की कुल व्यापार स्थिति और ऑर्डर बुक में गिरावट के कारण ति2: 2018-19 में मामूली

चार्ट 2: वास्तविक सकल देशी उत्पाद वृद्धि का (वर्ष-दर-वर्ष) त्रैमासिक पूर्वानुमान

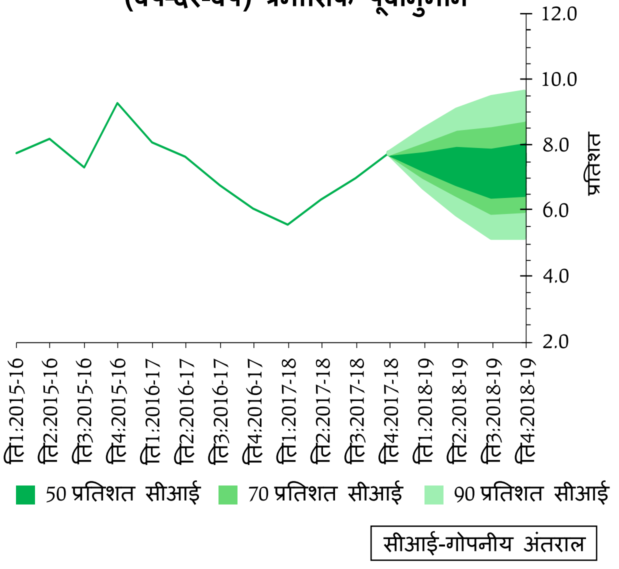

रूप से मामूली वृद्धि की उम्मीद है। एक समग्र मूल्यांकन के आधार पर, 2018-19 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि अप्रैल नीति में 7.4 प्रतिशत पर बरकरार रखी गई है। सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि एच1 में 7.5-7.6 प्रतिशत और एच2 में 7.3-7.4 प्रतिशत की सीमा में अनुमानित है, जिसमें जोखिम समान रूप से संतुलित है (चार्ट 2)।

18. अप्रैल के संकल्प में बेसलाइन मुद्रास्फीति पथ के लिए एक प्रमुख उध्वर्गामी जोखिम कार्यान्वित किया गया, अर्थात, भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत में 12 प्रतिशत की वृद्धि, जो पहले के अपेक्षित से तेज थी और टिकाऊ प्रतीत होती है। कच्चे तेल की कीमतों में हाल ही में अस्थिरता रही हैं और यह दोनों ऊपर और नीचे की तरफ मुद्रास्फीति परिदृश्य के लिए काफी अनिश्चितता प्रदान करती है। कई अन्य जोखिम बने हुए हैं। सबसे पहले,वैश्विक वित्तीय बाजार विकास अनिश्चितता के एक और महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में उभरा है। दूसरा, रिजर्व बैंक के मई 2018 सर्वेक्षण के दौर में इकट्ठे किए परिवार मुद्रास्फीति प्रत्याशा में उल्लेखनीय वृद्धि आने वाले महीनों में मजदूरी और इनपुट लागत को पूरा कर सकती है। हालांकि, वर्तमान में आउटपुट कीमतों में पास-थ्रू मौन बना हुआ है, तीसरे,विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा एचआरए संशोधन के टेढ़े प्रभाव से हेडलाईन मुद्रास्फीति बढ़ सकती है। जबकि एचआरए संशोधन के सांख्यिकीय प्रभाव को देखा जाएगा, मुद्रास्फीति पर किसी भी दूसरे दौर के प्रभाव को देखने की आवश्यकता है। चौथा, खरीफ फसलों के लिए एमएसपी फॉर्मूला में संशोधन का असर पर्याप्त विवरण की अनुपस्थिति के कारण इस चरण में आकलन करना संभव नहीं है। पांचवां,आईएमडी द्वारा पूर्वानुमान के अनुसार,यदि मानसून सामान्य और अस्थायी रूप से और स्थानिक रूप से अच्छी तरह से वितरित होता है, तो यह खाद्य मुद्रास्फीति को अच्छा रखने में मदद कर सकता है।

19. उपर्युक्त पृष्ठभूमि को देखते हुए, एमपीसी ने पॉलिसी रेपो दर को 25 आधार अंकों तक बढ़ाने का फैसला किया और तटस्थ रुख रखा । एमपीसी एक टिकाऊ आधार पर 4 प्रतिशत की हेडलाईन मुद्रास्फीति के लिए मध्यम अवधि के लक्ष्य को प्राप्त करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है ।

20. एमपीसी नोट करता है कि घरेलू आर्थिक गतिविधि ने हाल की तिमाहियों में निरंतर पुनरुद्धार का प्रदर्शन किया है और आउटपुट अंतर लगभग बंद हो गया है। निवेश गतिविधि, विशेष रूप से, अच्छी तरह से ठीक हो रही है और दिवालियापन और शोधन अक्षमता संहिता के तहत अर्थव्यवस्था के तंग क्षेत्रों के त्वरित समाधान से और आगे बढ़ सकती है। भू-राजनीतिक जोखिम, वैश्विक वित्तीय बाजार अस्थिरता और व्यापार संरक्षणवाद का खतरा घरेलू वसूली के लिए विपरीत परिस्थितियों को उत्पन्न करता है। यह महत्वपूर्ण है कि सार्वजनिक वित्त इस महत्वपूर्ण मौके पर निजी क्षेत्र की निवेश गतिविधि को उसके स्थान से बाहर न कर दें। केंद्र और राज्यों द्वारा बजटीय लक्ष्यों का पालन करना - जैसा कि अब तक इस मामले में प्रतीत होता है - पर्याप्त रूप में मुद्रास्फीति परिदृश्य के लिए उध्वर्गामी जोखिम को भी कम करेगा ।

21. डॉ चेतन घाटे, डॉ. पामी दुआ, डॉ. रविंद्र एच ढोलकिया, डॉ. माइकल देबब्रत पात्र, डॉ. विरल वी. आचार्य और डॉ. उर्जित आर. पटेल ने निर्णय के पक्ष में मतदान किया। एमपीसी की बैठक के कार्यवृत्त 20 जून 2018 तक प्रकाशित किए जाएंगे।

22. एमपीसी की अगली बैठक 31 जुलाई और 1 अगस्त 2018 को होगी।

विकासात्मक एवं विनियामकीय नीतियों पर वक्तव्य

यह वक्तव्य विनियमन और पर्यवेक्षण को मजबूत करने, वित्तीय बाज़ारों के विस्तार तथा उनको सघन बनाने, मुद्रा तथा ऋण प्रबंधन में सुधार करने, भुगतान तथा निपटान प्रणाली में नवोन्मेष को बढ़ावा देने तथा डेटा प्रबंधन सुविधा प्रदान करने हेतु विभिन्न विकासात्मक एवं विनियामकीय नीति उपायों का निर्धारण करता है ।

I. विनियमन एवं पर्यवेक्षण

1. सांविधिक चलनिधि अनुपात (एसएलआर) में से निकाले गए चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर) में वृद्धि

मौजूदा रोडमैप के अनुसार, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को 01 जनवरी, 2019 तक 100 प्रतिशत के न्यूनतम चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर) तह पहुंचना है। वर्तमान में, बैंकों की एलसीआर की गणना के उद्देश्य से स्तर 1 की उच्च गुणवत्ता चलनिधि परिसंपत्ति (एचक्यूएलए) के रूप में अनुमति दी गई परिसंपत्तियों में, अन्य विषयों के साथ, न्यूनतम आवश्यकता से अधिक तथा अनिवार्य एसएलआर अपेक्षा के भीतर सरकारी प्रतिभूतियाँ, सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) के तहत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमत उच्चतम सीमा तक (वर्तमान में बैंक के एनडीटीएल का 2 प्रतिशत) तथा चलनिधि कवरेज अनुपात (एफएएलएलसीआर) हेतु चलनिधि का लाभ उठाने की सुविधा के तहत (वर्तमान में बैंक के एनडीटीएल का 9 प्रतिशत) सरकारी प्रतिभूतियाँ शामिल हैं । एलसीआर की गणना करने के उद्देश्य से, यह निर्णय लिया गया है कि उपर्युक्त परिसंपत्तियों के अतिरिक्त, बैंकों को अनिवार्य एसएलआर आवश्यकता के भीतर एफएएलएलसीआर के अंतर्गत उनके एनडीटीएल के अतिरिक्त 2 प्रतिशत तक उनके द्वारा रखी गई स्तर 1 एचक्यूएलए सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में शामिल करने की अनुमति दी जाएगी । इस प्रकार, बैंकों के पास उपलब्ध एसएलआर में से कुल आय उनके एनडीटीएल का 13 प्रतिशत होगी। एलसीआर के संबंध में अन्य निर्देश यथावत रहेंगे ।

2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों का मूल्यांकन

बैंकों द्वारा वर्गीकरण, मूल्यांकन तथा निवेश पोर्टफोलियो के परिचालन के लिए विवेकपूर्ण मानदंडों पर मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार, राज्य सरकार की प्रतिभूतियों का मूल्यांकन समकक्ष परिपक्वता वाली केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों (जी-सेक) के प्रतिफल के ऊपर 25 आधार अंकों की एक समान वृद्धि के साथ परिपक्वता तक प्रतिफल (वाईटीएम) पद्धति लागू करके किया जाता है।

अब यह निर्णय लिया गया है कि प्रत्येक राज्य सरकार द्वारा जारी प्रतिभूतियों का मूल्यांकन अवलोकित मूल्य के आधार पर किया जाए। व्यापारिक राज्य सरकार प्रतिभूतियों का मूल्यांकन उस कीमत पर होगा जिस मूल्य पर बाजार में उनका कारोबार हुआ है। गैर-व्यापारिक राज्य सरकार प्रतिभूतियों के मामले में, मूल्यांकन समकक्ष परिपक्वता की केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों के प्रतिफल पर राज्य विशिष्ट भारित औसत पर आधारित होगा, जैसा कि प्रथम नीलामी में पाया गया था। इस आशय हेतु विस्तृत दिशानिर्देश 20 जून, 2018 तक अलग से जारी किए जाएंगे ।

3. एमटीएम हानि का प्रसार

सरकारी प्रतिभूतियों के प्रतिफल में वृद्धि के चलते, बैंकों को दिसंबर 2017 तथा मार्च 2018 को समाप्त तिमाहियों के दौरान अपने निवेश पोर्टफोलियो में दर्ज मार्क-टू-मार्केट हानि को चार तिमाहियों में प्रसारित करने का विकल्प दिया गया था। यह भी आवश्यक था कि बैंक इस प्रकार की संभाव्य घटनाओं से बचने के लिए एएफएस तथा एचटीएफ श्रेणियों में उनकी कुल धारिता के 2 प्रतिशत के निवेश उतार चढ़ाव रिज़र्व भी बनाए। सरकारी प्रतिभूतियों के प्रतिफल में निरंतर वृद्धि तथा कई बैंकों के लिए आईएफआर बनाने के लिए समय की अपर्याप्तता के मद्देनजर, बैंकों को 30 जून, 2018 को समाप्त तिमाही से प्रारम्भ होने वाली चारों तिमाहियों की अवधि के लिए समान रूप से 30 जून, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए बिक्री हेतु उपलब्ध (एएफएस) तथा व्यापार हेतु रखे गए (एचएफटी) में हुए निवेश पर मार्क-टू-मार्केट (एमटीएम) हानि का प्रसार करने का विकल्प देने का निर्णय लिया गया है । इस संबंध में परिपत्र एक सप्ताह में जारी किया जाएगा ।

4. शहरी सहकारी बैंकों का स्वैच्छिक आधार पर लघु वित्त बैंकों के रूप में परिवर्तन

भारतीय रिज़र्व बैंक के तत्कालीन उप गवर्नर श्री आर. गांधी की अध्यक्षता में शहरी सहकारी बैंको (यूसीबी) पर गठित उच्च अधिकार प्राप्त समिति ने, अन्य बातों के साथ-साथ, यह सिफ़ारिश की थी कि बड़े बहु-राज्य शहरी सहकारी बैंकों को संयुक्त स्टॉक कंपनियों तथा अन्य शहरी सहकारी बैंकों को कुछ मानदंडों के अधीन स्वैच्छिक आधार पर लघु वित्त बैंकों के रूप में परिवर्तित किया जाए। इन सिफ़ारिशों के अनुसरण में यह निर्णय लिया गया है कि निर्धारित मानदंडों

को पूरा करने वाले शहरी सहकारी बैंकों को लघु वित्त बैंकों के रूप में स्वैच्छिक आधार पर परिवर्तन की अनुमति दी जाए। इस संबंध में विस्तृत विवरण सहित योजना की घोषणा अलग से की जाएगी।

5. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को नियमनिष्ठ बनाने को प्रोत्साहन देना।

फरवरी 2018 में, बैंकों तथा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) में पंजीकृत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), जिन्हें इन उधारदाताओं से 250 मिलियन रुपए तक की समग्र सीमा के अंतर्गत क्रेडिट सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, को 180 दिनों के पूर्व देय मानदंडों के आधार पर, कुछ विशिष्ट शर्तों के अधीन, अपने एक्स्पोज़रों को वर्गीकृत करने हेतु अनुमति दी गई थी। वस्तु एवं सेवा कर में उनके पंजीकरण के पश्चात सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को नियमनिष्ठ क्षेत्र में परिवर्तित करने को सुचारु बनाने के उद्देश्य से यह किया गया है

इनपुट क्रेडिट लींकेज तथा अन्य संबन्धित मामलों के मद्देनजर, अब यह निर्णय लिया गया है कि बैंकों तथा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) में पंजीकरण न किए गए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), जिन्हें ऊपर उल्लिखित समग्र सीमा के अंतर्गत क्रेडिट सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, को 180 दिनों के पूर्व देय मानदंडों के आधार पर, कुछ विशिष्ट शर्तों के अधीन, अपने एक्स्पोज़रों को वर्गीकृत करने हेतु अनुमति दी गई थी। तदनुसार, पात्र एमएसएमई खाते, जो कि 31 अगस्त, 2017 को मानक थे, को बैंक और एनबीएफसी द्वारा मानक के रूप में वर्गीकृत किया जाना जारी रहेगा, यदि 01 सितंबर 2017 को देय भुगतान और उसके बाद के देय भुगतान जो कि 31 दिसंबर 2018 तक देय थे/ हैं, का उनकी मूल देय तिथि के 180 दिनों के बाद भुगतान नहीं किया गया/ जाता है।

अर्थव्यवस्था के नियमिकरण को बढ़ाने से वित्तीय स्थिरता में होने वाले लाभों को ध्यान में रखते हुए, 1 जनवरी, 2019 से जीएसटी में पंजीकृत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) द्वारा देय बकाया राशि के संबंध में 180 दिन पूर्व देय मानदंडों को मौजूदा 90 दिनों के पूर्व देय मानदंडों के साथ चरणबद्ध तरीके से समायोजित किया जाएगा। जबकि 31 दिसंबर, 2018 तक जीएसटी के तहत पंजीकृत नहीं होने वाली एंटिटियों के लिए, 1 जनवरी 2019 से देय बकाया राशि के संबंध में परिसंपत्ति वर्गीकरण को तत्काल 90 दिन के मानदंड पर वापस लाया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत दिशानिर्देश अलग से जारी किए जा रहे हैं।

6. प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र उधार (पीएसएल) संबंधी दिशा-निर्देशों को आवास ऋणों हेतु प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत यथा-परिभाषित किफ़ायती आवास के रूप में परिवर्तित करना

प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र उधार (पीएसएल) संबंधी दिशा-निर्देशों को आवास ऋण हेतु किफायती आवास योजना तहत अधिकतम परिवर्तित करने के उद्देश्य से तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और निचले आय समूहों के लिए कम लागत वाले आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है कि प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र उधार (पीएसएल) में आवास ऋणों की पात्रता सीमाओं को मेट्रोपॉलिटन केंद्रों में मौजूदा ₹ 28 लाख से बढ़ा कर ₹ 35 लाख (दस लाख और उससे अधिक की जनसंख्या वाले क्षेत्र) और अन्य केंद्रों में मौजूदा ₹20 लाख से बढ़ा कर ₹ 25 लाख किया जाए, बशर्ते कि आवासीय इकाई की कुल लागत मेट्रोपॉलिटन केन्द्रों तथा अन्य केंद्रों में क्रमश: ₹45 लाख और ₹30 लाख से अधिक न हो। इस संबंध में एक परिपत्र 30 जून 2018 तक जारी किया जाएगा।

7. सस्ते टिकट आकार के आवास संबंधी नए परिवर्तन

आवास ऋणों संबंधी डेटा के सूक्ष्म विश्लेषण के पश्चात, यह देखा गया है कि दो लाख रुपए तक के टिकट आकार के लिए एनपीए का स्तर उच्च रहा है और तेजी से बढ़ रहा है। बैंकों को अपनी स्क्रीनिंग को मजबूत करने और विशेष रूप से इस सेगमेंट को उधार देने के संबंध में अनुवर्ती जांच-पड़ताल की आवश्यकता है। रिजर्व बैंक इस क्षेत्र की बारीकी से निगरानी कर रहा है और जरूरत पड़ने पर एलटीवी अनुपात को और अधिक कड़ा बनाने पर एवं / अथवा जोखिम भार में वृद्धि के रूप में उचित नीति प्रतिक्रिया पर आवश्यकतानुसार विचार करेगा।

8. कोर निवेश कंपनियों को बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) में प्रायोजक के रूप में निवेश करने के लिए अनुमति देना

रिजर्व बैंक के साथ गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के रूप में पंजीकृत कोर निवेश कंपनियां (सीआईसी) मुख्य रूप से समूह कंपनियों में निवेश करती हैं और कोई अन्य एनबीएफसी संबंधी गतिविधि नहीं करती हैं। उन्हें समूह

कंपनियों में इक्विटी शेयर, अधिमानी शेयर, बॉन्ड, डिबेंचर, ऋण या ऋण के रूप में कम से कम 90 प्रतिशत तक निवल संपत्ति के रूप में निवेश करना होगा, जबकि समूह कंपनियों में इक्विटी निवेश निवल संपत्ति के कम से कम 60 प्रतिशत तक होना चाहिए। बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) में निवेश के माध्यम से बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने के लिए, सीआईसी को बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) के प्रायोजकों के रूप में कार्य करने के लिए सक्षम करने का निर्णय लिया गया है और उन्हें इक्विटी निवेश के लिए 60 प्रतिशत की उप-सीमा के हिस्से के तौर पर प्रायोजकों के रूप में इनविट इकाइयों के अपने होल्डिंग्स की गणना करने की अनुमति दी गई है। बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) हेतु सीआईसी का एक्सपोजर प्रायोजकों के रूप में उनके होल्डिंग तक ही सीमित होगा और किसी भी समय, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) (आधारभूत संरचना निवेश ट्रस्ट) विनियमावली, 2014 में यथा-विनिर्दिष्ट राशि और अवधि के मामले में न्यूनतम सीमा से अधिक नहीं होगा। इस संबंध में आवश्यक निर्देश एक सप्ताह के भीतर जारी किए जाएंगे

II. वित्तीय बाजार

9. अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) हेयरकट को समरूप बनाना

वर्तमान में, रिज़र्व बैंक पात्र संपार्श्विक के एवज में रेपो / सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) विंडो के माध्यम से बाजार प्रतिभागियों को रुपये में चलनिधि प्रदान करता है। केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों (टी-बिल सहित) और राज्य विकास ऋणों पर (एसडीएल) पर क्रमशः 4 प्रतिशत और 6 प्रतिशत का प्रारंभिक मार्जिन लागू किया गया है, जो रेपो / एमएसएफ में प्रतिभागियों द्वारा संपार्श्विक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। चूंकि मार्जिन आवश्यकता सभी पात्र प्रतिभूतियों के समान है, भले ही अवशिष्ट परिपक्वता कितनी भी हो, मौजूदा प्रणाली प्रतिभूतियों में बाजार जोखिम को अलग-अलग नहीं करती है।

समीक्षा करने और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप, यह निर्णय लिया गया है कि 1 अगस्त, 2018 से शुरू करते हुए इसकी अवशिष्ट परिपक्वता के आधार पर संपार्श्विक पर प्रारंभिक मार्जिन रखा जाए। केन्द्रीय सरकारी प्रतिभूतियों के लिए प्रारंभिक मार्जिन आवश्यकता अवशिष्ट परिपक्वता के पांच अलग-अलग बकेट में 0.5 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक होगी। एसडीएल के मामले में प्रारंभिक मार्जिन आवश्यकता उसी परिपक्वता बकेट के लिए 2.5 प्रतिशत से 6.0 प्रतिशत की सीमा में होगी। एसडीएल को सार्वजनिक रेटिंग प्राप्त करने के लिए राज्य सरकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, यह निर्णय लिया गया है कि रेटेड एसडीएल के लिए प्रारंभिक मार्जिन आवश्यकता उसी परिपक्वता बकेट के लिए अन्य एसडीएल की तुलना में 1.0 प्रतिशत कम निर्धारित की जाएगी, यानि, 1.5 प्रतिशत से 5.0 प्रतिशत की सीमा में। इस संबंध में एक परिपत्र आज जारी किया जाएगा।

10. सरकारी प्रतिभूति बाजार में भागीदारी में वृद्धि

(i) सरकारी प्रतिभूतियों में लघु बिक्री

केंद्र सरकार प्रतिभूतियों (जी-सेक) में लघु बिक्री फरवरी 2006 में ब्याज दरों पर दो-तरफा दृष्टिकोण व्यक्त करने और इस प्रकार मूल्य खोज में वृद्धि के लिए एक उपाय प्रदान करने के लिए शुरु की गई थी। वर्तमान में, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों, प्राथमिक डीलरों और कुछ अच्छी तरह से प्रबंधित शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) को लघु बिक्री लेनदेन करने की अनुमति है। लघु बिक्री लेनदेन करने के लिए इकाई-वार और (तरल या अपर्याप्त) सुरक्षा-वार सीमाएं हैं। जी-सेक और रेपो बाजार को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से, पात्र लघु बिक्री प्रतिभागियों के आधार को उदार बनाने के साथ-साथ जी-सेक में छोटी बिक्री के लिए इकाई-वार और सुरक्षा श्रेणीवार सीमाओं में छूट प्रदान करने का प्रस्ताव है। इस संबंध में एक परिपत्र जून 2018 के अंत तक जारी किया जाएगा।

(ii) सरकारी प्रतिभूतियों बाजार में व्हेन इश्यूड (डब्ल्यूआई)

बेहतर प्रबंधन के माध्यम से ऋण जारी करने के ढांचे और नीलामी जोखिम वितरण प्रणाली को मजबूत करने के लिए वित्तीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम 2003 के आलोक में मई 2006 में केंद्र सरकार प्रतिभूति (जी-सेक) में 'जब जारी' बाजार (डब्ल्यूआई) शुरू किया गया था। वर्तमान में, डब्ल्यूआई बाजार में लंबी स्थिति (लाँग पोजीशन) नीलामी में भाग लेने के योग्य व्यक्ति द्वारा ली जा सकती है, जबकि केवल बैंकों और प्राथमिक डीलरों (पीडी) को छोटी स्थिति (शॉर्ट पोजीशन) लेने की अनुमति है। इसके अलावा, बैंकों और पीडी के लिए शॉर्ट पोजीशन 5 प्रतिशत पर निर्धारित की गई है। भागीदारी मानदंड धीरे-धीरे आसान हो गए हैं। जी-सेक बाजार को और गहन बनाने के उद्देश्य से, पात्र प्रतिभागियों के आधार को उदार बनाने और 'जब जारी' बाजार में जगह बनाने के लिए इकाई-वार सीमाओं में छूट देने का प्रस्ताव है। इस संबंध में एक परिपत्र जून 2018 के अंत तक जारी किया जाएगा।

11. एकल आधार प्राथमिक डीलरों की गतिविधियों का विस्तार करना

एकल आधार प्राथमिक डीलरों (एसपीडी) को धीरे-धीरे स्वीकार्य सीमाओं के भीतर जी-सेक गतिविधियों से वैकल्पिक माध्यमों में अपनी गतिविधियों को विविधता देने की अनुमति दी गई है। अपने एफपीआई ग्राहकों को व्यापक सेवाएं प्रदान करने के लिए एसपीडी की सुविधा के लिए, एसपीडी को एक सीमित विदेशी मुद्रा लाइसेंस प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में एक परिपत्र जून 2018 के अंत तक जारी किया जाएगा।

12. बाजार दुरुपयोग संबंधित विनियम

वित्तीय बाजारों में गतिविधि और भागीदारी को बढ़ाने और बैंकिंग प्रणाली के वित्तीय जोखिम को पुनर्वितरित करने के लिए विभिन्न विनियामक पहलों को तेजी से लागू किया जा रहा है। संयोग से, गलत बाजार प्रथाओं को रोकने के लिए नियमों को मजबूत करने की आवश्यकता है। भारतीय स्थायी आय मुद्रा बाजार और व्युत्पन्न संघ (एफआईएमएमडीए) ने बैंकों और अन्य सदस्यों द्वारा स्वैच्छिक रूप से अपनाने के लिए एक उचित व्यवहार संहिता (एफपीसी) विकसित किया है। विदेशी मुद्रा डीलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफईडीएआई) ने भारतीय विदेशी मुद्रा (एफएक्स) बाजार में बाजार प्रतिभागियों के लिए भी वैश्विक आचार संहिता अपनाया है, यह थोक एफएक्स बाजार के लिए ऐसी वैश्विक आचार संहिता है जो उच्च नैतिक मानकों से निहित है और मजबूत, निष्पक्ष, तरल, खुले और उचित पारदर्शी बाजार को बढ़ावा देने के सिद्धांतों को निर्धारित करता है, । इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए, रिजर्व बैंक द्वारा नियंत्रित बाजारों में दुरुपयोग को रोकने के लिए सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं के अनुरूप नियमों को लाने का प्रस्ताव है। परामर्श के लिए प्रारूप विनियमन अगस्त 2018 के अंत तक जारी किया जाएगा।

13. केंद्रीय काउंटरपार्टियों के लिए नीति ढांचा

केंद्रीय काउंटरपार्टियां (सीसीपी) वित्तीय बाजारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सीसीपी उनके द्वारा प्रदत्त बाजारों में गारंटीकृत निपटान सेवाएं प्रदान करते हैं और प्रतिभागियों के लिए प्रतिपक्ष जोखिम को कम करते हैं, जिससे प्रणालीगत जोखिम कम हो जाता है। ताकि ये संस्थाएं एक कुशल और प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें, रिजर्व बैंक विदेशी सीसीपी की मान्यता के लिए ढांचे को तैयार करेगा और साथ ही सभी सीसीपी के लिए पूंजी आवश्यकता और अभिशासन ढांचे को भी तैयार करेगा। ये निदेश जुलाई 2018 के अंत तक जारी की जाएंगी।

III. ऋण प्रबंधन

14. राज्य सरकारों की समेकित ऋण-शोधन निधि और गारंटी उन्मोचन निधि

राज्य सरकारें अपनी देनदारियों की चुकौती के लिए रिज़र्व बैंक के पास समेकित ऋण-शोधन निधि (सीएसएफ) और गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) को बफर के रूप में बनाए रख रही है। वर्तमान में, राज्य सरकारें सीएसएफ और जीआरएफ में उपलब्ध निधियों के संपार्श्विक के बदले रिज़र्व बैंक से विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) का लाभ उठा सकती हैं। प्रभारित ब्याज की दर रेपो दर से 100 आधार अंक कम है जिस पर राज्य सरकारों को अर्थोपाय अग्रिम प्रदान किया जाता है। राज्य सरकारों द्वारा इन निधियों के पर्याप्त रखरखाव को और प्रोत्साहित करने तथा इन निधियों के कॉर्पस को बढ़ाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु, यह निर्णय लिया गया है कि एसडीएफ पर ब्याज की दर को कम करके उसे रेपो दर से 100 आधार अंक नीचे के बजाए रेपो दर से 200 आधार अंक नीचे कर दिया जाए। इस संबंध में 30 जून 2018 तक परिपत्र जारी किया जाएगा।

IV. भुगतान और निपटान

15. भुगतान प्रणालियों का प्रमाणीकरण

खुदरा भुगतान बाजार की परिपक्वता को देखते हुए, यह महत्वपूर्ण है कि वित्तीय स्थिरता के परिप्रेक्ष्य में खुदरा भुगतान प्रणाली में संक्रेंद्रण जोखिम को कम किया जाए। रिज़र्व बैंक इस क्षेत्र में नवोन्मेष और प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर भुगतान प्लेटफार्मों में भाग लेने तथा उसे बढ़ावा देने के लिए अधिक भागीदारों को प्रोत्साहित करने की योजना बना रहा है। इस संबंध में 30 सितंबर 2018 तक सार्वजनिक परामर्श हेतु एक नीति पत्र लाया जाएगा।

V. मुद्रा प्रबंधन

16. भारतीय बैंक नोटों का उपयोग करने में दृष्टिबाधितों द्वारा सामना की जा रही कठिनाइयों को कम करना

भारतीय बैंक नोटों के साथ दृष्टिहीन व्यक्तियों द्वारा अपने दैनिक व्यवसाय को संचालित करने में जिन चुनौतियों का सामना किया जा रहा है, रिज़र्व बैंक उसके प्रति संवेदनशील है। भारतीय बैंक नोटों में किसी भी प्रकार का बदलाव करने

से पूर्व समय-समय पर विभिन्न मंचों से परामर्श लिया जाता है, तथापि, रिज़र्व बैंक का यह मानना है कि तकनीकी प्रगति ने दृष्टिहीन व्यक्तियों को भारतीय बैंकनोटों को और अधिक सहजता से पहचानने हेतु एक नया खाका प्रदान किया है जिससे उनका दैनिक लेन-देन सुविधाजनक हो गया है। तदनुसार, यह निर्णय लिया गया है कि रिज़र्व बैंक, दृष्टिहीनों का प्रतिनिधित्व करने वाली विभिन्न संस्थाओं के परामर्श से, दृष्टिहीनों के लिए भारतीय बैंकनोटों की पहचान में सहायक एक उपयुक्त उपकरण या तंत्र विकसित करने की व्यवहार्यता का पता लगाएगा। रिज़र्व बैंक छह महीने के भीतर इस संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश जारी करेगा।

VI. डेटा प्रबंधन

17. पब्लिक क्रेडिट रजिस्ट्री पर उच्च स्तरीय कार्यदल

जैसा कि 4 अक्टूबर 2017 के विकासात्मक और विनियामक नीतियों से संबंधित वक्तव्य में दर्शाया गया था, भारत के लिए पब्लिक क्रेडिट रजिस्ट्री (पीसीआर) पर एक उच्चस्तरीय कार्यदल (अध्यक्ष: श्री यशवंत एम. देवस्थले) का गठन रिज़र्व बैंक द्वारा क्रेडिट पर सूचनाओं की वर्तमान उपलब्धता, मौजूदा सूचना उपयोगिता की पर्याप्तता, तथा कमियों की पहचान जिसे पीसीआर द्वारा ठीक किया जा सके, की समीक्षा के लिए किया गया था। उक्त कार्यदल, जिसने 4 अप्रैल 2018 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, ने सिफारिश की थी कि सूचना विषमता के समाधान, क्रेडिट तक पहुंच बढ़ाने और अर्थव्यवस्था में क्रेडिट संस्कृति को मजबूत करने से संबंधित मुद्दों के निपटारे हेतु रिज़र्व बैंक द्वारा एक पीसीआर स्थापित किया जाना चाहिए। रिज़र्व बैंक ने कार्यदल की सिफारिशों पर विचार किया है तथा मॉड्यूलर और चरणबद्ध तरीके से एक पीसीआर स्थापित करने का निर्णय लिया है। कार्यदल की रिपोर्ट आज रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर जनता के लिए जारी की जाएगी। पीसीआर की स्थापना के लिए आगामी कदम के रूप में लॉजिस्टिक एवं डिजाइन में सहायता करने के लिए रिज़र्व बैंक द्वारा एक कार्यान्वयन टास्क फोर्स (आईटीएफ) का गठन किया जा रहा है।

18. उदारीकृत विप्रेषण योजना के लिए डेटा और परिभाषाओं का सामंजस्य

5 अप्रैल 2018 को पहले द्वि-मासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य 2018-19 में की गई घोषणा के अनुसार, अधिकृत डीलर (एडी) बैंकों द्वारा उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत व्यक्तिगत लेनदेन की दैनिक रिपोर्टिंग के लिए एक प्रणाली विकसित की गई है। यह प्रणाली अधिकृत डीलर बैंकों को वित्तीय वर्ष के दौरान किसी व्यक्ति द्वारा पहले से भेजे गए विप्रेषण को देखने में सक्षम बनाती है, जिससे निगरानी में सुधार हो सके और एलआरएस सीमाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। चूंकि उक्त रिपोर्टिंग प्रणाली, प्रेषक-वार आकंड़ों को एकत्र करने के लिए प्रेषक के स्थायी खाता संख्या (पैन) का उपयोग एक विशिष्ट पहचानकर्ता के रूप में करती है, अतः यह निर्णय लिया गया है कि एलआरएस के तहत जाने वाले सभी विप्रेषणों के लिए पैन प्रस्तुत करना अनिवार्य कर दिया जाए, जिसे अब तक 25,000 अमेरिकी डॉलर तक के अनुमत चालू खाता लेनदेन पर प्रस्तुत करने हेतु ज़ोर नहीं दिया जाता था। इसके अतिरिक्त, करीबी रिश्तेदारों के निर्वाह के लिए एलआरएस के तहत अनुमोदित विप्रेषण के संदर्भ में, यह निर्णय लिया गया है कि 'रिश्तेदार' की परिभाषा को कंपनी अधिनियम, 1956 के बजाय कंपनी अधिनियम, 2013 में दी गई परिभाषा के साथ संरेखित किया जाए।

भाषण

भुगतान के क्षेत्र में उत्कृष्टता
बी. पी. कानूनगो

भुगतान के क्षेत्र में उत्कृष्टता*

श्री बी महापात्रा, अध्यक्ष, एनपीसीआई, श्री दिलीप असबे, एमडी, एनपीसीआई, विशिष्ट अतिथिगण, मेरे साथी बैंकर, इस उद्योग से जुड़े अग्रणी व्यक्तियो और निर्णायक-मंडल के माननीय सदस्यो ! देश की भुगतान प्रणाली के क्षेत्र में महत्वपूर्ण नवोन्मेषी कार्य करने वालों के योगदान को मान्यता देने के उद्देश्य से एनपीसीआई द्वारा आयोजित आज के इस समारोह में आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। मैं अपनी बात प्रसिद्ध प्रेरक वक्ता रॉबिन शर्मा को उद्धृत करते हुए प्रारंभ करना चाहता हूं जिन्होंने कहा है, 'समय के साथ किए गए छोटे-छोटे दैनिक सुधारों से आश्चर्यजनक परिणाम मिलते हैं।' उनकी इस बात से कोई भी असहमत नहीं हो सकता। यह बात वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी भारत की भुगतान प्रणाली के क्षेत्र पर बहुत अच्छी तरह लागू होती है। भुगतान और निपटान प्रणाली तथा खुदरा भुगतान के क्षेत्र में भारत द्वारा लगायी गयी लंबी छलांग स्पष्ट देखी जा सकती है। इस संबंध में एनपीसीआई द्वारा निभाई गई भूमिका अति महत्वपूर्ण है और यह बिलकुल सही है कि उनके द्वारा दिए जा रहे इन पुरस्कारों से यह प्रदर्शित होता है कि भुगतान प्रणाली के क्षेत्र में उठाए जा रहे नवोन्मेषी कदमों को कितना महत्व दिया जाता है।

भारत में खुदरा भुगतान प्रणाली : पृष्ठभूमि

1. भारत में भुगतान प्रणाली के डिजिटलीकरण पर जोर दिया जाने की शुरुआत बहुत पुरानी बात नहीं है। देश में खुदरा भुगतान प्रणालियों की एक मातृसंस्था के रूप में कल्पित एनपीसीआई का गठन भारतीय रिज़र्व बैंक और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के मार्गदर्शन और सहयोग से दिसंबर 2008 में किया गया।

2. रिज़र्व बैंक के भुगतान प्रणाली परिकल्पना (विजन) दस्तावेज़ 2005-08 में खुदरा भुगतान प्रणाली के लिए एक नई संस्थागत संरचना की कल्पना की गयी थी, जिसका स्वामित्व अधिमानतः बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के पास होगा और जिसके उद्देश्य निम्नलिखित होंगे - क) मौजूदा बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाते हुए संसाधनों का इष्टतम उपयोग करना और नई आधारभूत संरचना का निर्माण करना ताकि निरंतर आगे बढ़ते हुए पूरे देश तक अपनी पहुंच बनायी जा सके; और ख) एक ऐसा सशक्त प्रौद्योगिकी प्लैटफॉर्म तैयार करना जो वहनीय लागत पर उच्चतम गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करे। तदनुसार, वर्ष 2009 में, जब आईडीआरबीटी ने इसे नेशनल फाइनैंशियल स्विच (एनएफएस) सौंपा, तब से एनपीसीआई ने भुगतान प्रणाली प्रदाता के रूप में अपनी भूमिका शुरू करते हुए एटीएम नेटवर्क को संचालित करना प्रारंभ किया। उसके बाद, आरबीआई ने एनपीसीआई को अपनी ओर से चेक ट्रंकेशन सिस्टम (सीटीएस) संचालित करने का कार्य सौंपा।

3. मातृ संगठन का उद्देश्य ग्राहकों को तेजी से, सुविधाजनक तरीके से, किसी भी समय और कहीं भी इस प्रकार की भुगतान सेवाएं प्रदान करना है जो उपयोग में आसान, सरल, सुरक्षित, तेज़ और न्यूनतम लागत वाली हों। पिछले कुछ वर्षों में एनपीसीआई ने विभिन्न प्रकार की खुदरा भुगतान प्रणालियां संचालित की हैं यथा- आईएमपीएस, यूपीआई-भीम (बीएचआईएम) सहित, मोबाइल भुगतानों के लिए नेशनल यूनिफाइड यूएसएसडी प्लेटफार्म (एनयूयूपी), रुपे, एनएसीएच, आधार पे सहित आधार आधारित एईपीएस, एपीबीएस, बीबीपीएस, एनईटीसी इत्यादि जिनमें से कुछ तो 24x7 आधार पर उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। सभी भुगतान प्रणालियों में एनपीसीआई की मुख्य भूमिका स्विचिंग सेवाएं और उससे जुड़ी समाशोधन एवं निपटान सुविधाएं प्रदान करना रहा है। इसके अंतर्गत प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म बनाना, मानकों की स्थापना, प्रक्रियात्मक दिशानिर्देश तैयार करना, जोखिम प्रबंधन संरचना आदि बनाना शामिल है, जिसने एक तरह से देश के खुदरा भुगतान परिदृश्य को बदल दिया है। इस प्रकार रिज़र्व बैंक की शुरुआती अपेक्षाओं को काफी हद तक पूरा किया गया है।

खुदरा भुगतान प्रणाली: वैश्विक मानचित्र पर भारत का उदय

4. भारत हमेशा से एक ऐसा देश रहा है जिसने भुगतान और निपटान प्रणाली के क्षेत्र में नवोन्मेष और विकास को बढ़ावा दिया है। पिछले दशक में विविध प्रकार की भुगतान प्रणालियाँ अस्तित्व में आयी हैं और ये सभी आम आदमी की सुविधा के लिए हैं।

5. ऐसे देश में जहां नकदी पर निर्भरता अत्यधिक है, वहाँ 90 के दशक तक एकमात्र प्रमुख भुगतान प्रणाली चेक समाशोधन प्रणाली थी। अभी भी हम 90 मिलियन से अधिक चेकों की प्रोसेसिंग प्रति माह करते हैं। यह स्वयं में अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि चेक भी गैर-नकदी लेनदेन होते हैं, परंतु प्राय: इसे समुचित महत्व नहीं दिया जाता। यह प्रणाली इस अर्थ में भी अद्वितीय थी कि देश में 1000

* श्री बी.पी. कानूनगो, उप गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक - 29 मई 2018 - एनपीसीआई राष्ट्रीय भुगतान उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह, मुंबई में मुख्य वक्ता के रूप में दिया गया भाषण।

से अधिक समाशोधन गृह थे - जो किसी भी मानक के अनुसार देखने पर एक बड़ी संख्या थी। भुगतान प्रणाली में बदलाव की दिशा में प्रारंभिक कदम अस्सी के दशक के आखिरी वर्षों में रिज़र्व बैंक द्वारा प्रबंधित समाशोधन गृहों का मशीनीकरण था जिसके तहत चेकों की प्रोसेसिंग के लिए माइकर (एमआईसीआर) तकनीक लायी गयी। इससे न केवल समाशोधन के कम्प्यूटरीकरण का श्रीगणेश हुआ, बल्कि आने वाले वर्षों में भुगतान को डिजिटल स्वरूप देने के बीज भी बो दिए गए। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की ओर सभी शुरुआती कदम रिजर्व बैंक द्वारा उठाए गए और परिपक्वता के स्तर पर पहुंचने के बाद इनके विकास की अनुमति बाजार को दे दी गई और इस प्रकार परस्पर परिचालन योग्य (इंटरऑपरेबल) एटीएम का उद्भव हुआ। एनएफएस ने साबित कर दिया है कि भारत जैसे बड़े देश में, नेटवर्क आधारित एटीएम बहुत अच्छी तरह से काम कर सकते हैं और यह भी कि इन पर आने वाली लागत प्रतिस्पर्धी इकाइयों द्वारा साझा रूप में वहन की जा सकती है। आज, एटीएम उपयोग में हो रही वृद्धि ने मेट्रोपॉलिटन केंद्रों से हटकर टीयर 3, 4 और 5 शहरों का रुख कर लिया है और व्हाइट लेबल एटीएम का विकास एटीएम की बढ़ी हुई क्षमता का प्रमाण है।

6. भारत उन चुनिंदा देशों में से है, जिनके पास अंतिम रूप से टी+1 आधार पर चेक समासोधन के लिए निपटान/धन की व्यवस्था उपलब्ध है। खुदरा भुगतान की यूपीआई व्यवस्था पर भारत को गर्व है। हमारे पास एक अनूठी आधार सक्षम भुगतान प्रणाली है और साथ ही, सबसे सर्वसुलभ क्यूआर कोड-आधारित प्रोसेसिंग भी। इन सभी खुदरा भुगतान प्रणालियों के परिणामस्वरूप आम आदमी के लिए अनेक विकल्प मौजूद हैं और इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि ये बहुत ही उचित दरों पर उपलब्ध हैं।

खुदरा भुगतान में आयी उत्कृष्टता

7. वर्ष 2017-18 के दौरान खुदरा भुगतान में मात्रात्मक रूप से 45 प्रतिशत तथा मूल्यानुसार 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बहुत बड़ी मात्रा में भुगतान भारत की खुदरा भुगतान प्रणाली की विशेषता है और ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि हर समय और हर जगह भुगतान प्रणालियों की उपलब्धता हो। यदि इन प्रणालियों को उम्मीदों के अनुसार वांछित स्तर की सेवाएं देने में सक्षम बनाना है तो 'उत्कृष्टता' से जुड़ी कुछेक अनिवार्य विशेषताओं पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। मैं आपसे ऐसी छह उत्कृष्ट विशेषताओं पर चर्चा करना चाहता हूं :-

8. इस संबंध में पहली सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है 'उपलब्धता'। खुदरा भुगतान प्रणाली की प्रकृति ही ऐसी होनी चाहिए कि जब भी उनकी मांग की जाए, वे उपलब्ध हों, हर समय - आमतौर पर चौबीसों घंटे सातों दिन और सभी सुविधाजनक स्थानों और माध्यमों में। यद्यपि हमारी अधिकांश प्रणालियों में यह विशेषता देखी जा सकती है, तथापि डिजिटल कनेक्टिविटी को लेकर बाधाएं अवश्य हैं। समस्त जनता को खुदरा भुगतान सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए बुनियादी ढांचे से जुड़ी बाधाओं को दूर करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान में, बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, ग्रामीण सहकारी बैंकों और जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंकों को अभी तक खुदरा प्लैटफॉर्म (एनईएफटी, आईएमपीएस और एनएसीएच) पर नहीं लाया जा सका है। इसमें अर्द्ध-शहरी और ग्रामीण भारत में नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सभी आरआरबी, ग्रामीण सहकारी बैंकों और जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंकों को उनकी अपनी प्रौद्योगिकीय क्षमताओं के अनुरूप विभिन्न खुदरा इलेक्ट्रॉनिक प्लैटफॉर्मों पर लाने की आवश्यकता है।

9. दूसरी आवश्यकता है 'दक्षता'। हमारे जैसे देश में जहां जनसंख्या का वितरण और उससे संबद्ध आवश्यकताएं भिन्न-भिन्न स्तरों की हैं, यह आवश्यक हो जाता है कि ये प्रणालियां बहुत ही किफायती दरों पर उपलब्ध हों और साथ ही, यह भी कि वे अपेक्षित गुणवत्ता के साथ सेवाएं दे सकें।

10. तीसरी महत्वपूर्ण आवश्यकता है 'सुविधा'। आज का ग्राहक बहुत समझदार है और सुविधा को लागत से अधिक महत्व देता है - यह एक ऐसी विशेषता है जो प्रमुख रूप से युवा आबादी में देखी जाती है। मोबाइल बैंकिंग, ऐप आधारित भुगतान प्रणाली, क्यूआर कोड का बड़े पैमाने पर उपयोग इस तथ्य की पुष्टि करते हैं।

11. उत्कृष्टता की चौथी कसौटी है 'निरापद होना'। सभी भुगतान प्रणालियों में सुरक्षा के विविध स्तर स्पष्ट रूप से दिखने चाहिए। यह आवश्यक है कि प्रणालियां न केवल सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करें बल्कि आवधिक अंतराल पर इनकी सुरक्षा लेखापरीक्षा भी की जाए।

12. पांचवीं जरूरी चीज है 'सुरक्षा'। यह संभवत: एक धुरी की तरह केंद्रीय और सर्वाधिक महत्वपूर्ण अपेक्षा है क्योंकि आज पूरी दुनिया साइबर सुरक्षा से जुड़े खतरों से जूझ रही है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक उत्पाद के मामले में निर्बाध समाशोधन और निपटान को सुनिश्चित करने के लिए अपनायी जाने वाली जोखिम प्रबंधन और निपटान प्रथाओं (निपटान गारंटी निधि, चूक निधि, ऋण व्यवस्था, मार्जिन, डेबिट कैप्स, इत्यादि) का कार्यान्वयन पारंपरिक

दृष्टिकोण से सख्ती के साथ किया जाए। ऐसी घटनाएं हुई हैं जिनमें भुगतान प्रणाली/नेटवर्क का दुरुपयोग प्रतिभागी संस्थानों और/या उनके ग्राहकों को धोखा देने के लिए किया गया। धोखाधड़ी करने वालों को ऐसा करने से रोका जा सकता था या नहीं, यह बहस का विषय हो सकता है, लेकिन इस बात पर किसी प्रकार के मतभेद की गुंजाइश नहीं है कि सुरक्षा के मुद्दे पर निरंतर ध्यान देकर इस जोखिम को बहुत हद तक कम किया जा सकता है। अगर कोई एक या कुछेक इकाइयां ऐसा कर पाने में असफल रहती हैं तो इसके परिणामस्वरूप पूरी भुगतान प्रणाली खतरे में पड़ सकती है। हालांकि यह देखकर काफी संतोष होता है कि आईडीआरबीटी के सहयोग से एनपीसीआई अपनी खुदरा भुगतान प्रणाली को इष्टतम सुरक्षा प्रदान कर रहा है, परंतु पूरे आर्थिक क्षेत्र के लिए इस बात की अनिवार्य रूप से आवश्यकता है कि सुरक्षा उनकी कार्यशैली का एक अभिन्न घटक बने और यह सुनिश्चित किया जाए कि सुरक्षा की संस्कृति विकसित हो। इस बात को सदैव अपने मस्तिष्क में बैठाने की जरूरत है कि कोई भी प्रणाली शत-प्रतिशत सुरक्षित नहीं हो सकती। जहां एक ओर इस श्रेणी में उपलब्ध सर्वोत्तम सुरक्षा मानकों का परीक्षण करना, समय-समय पर उनकी दोषपूर्णता की जाँच करते रहना, उनमें मौजूद जोखिमों को कम करना आवश्यक है, वहीं यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि प्रणाली में ऐसी आघातसहनीयता विकसित की जाए जिससे निरंतर बिना किसी बाधा के सेवाएं जारी रखी जा सकें और यदि कोई रुकावट आती भी है तो बहुत कम समय में सेवाओं को फिर से बहाल किया जा सके।

13. उत्कृष्टता का छठा संकेतक है 'अनुकूलता'। तेजी से बदलती दुनिया में, उत्पादों का जीवन-चक्र बहुत छोटा होता जा रहा है और ऐसे में उन्हें जल्दी-जल्दी होने वाले परिवर्तनों के प्रति अनुकूलित करना वास्तव में आवश्यक है। यहाँ पर मैं इस बात को रेखांकित करना चाहूंगा कि आरबीआई ने रीडर सॉर्टर आधारित प्रोसेसिंग के साथ माइकर (एमआईसीआर) चेक क्लियरिंग की शुरुआत की लेकिन कुछ साल पहले इसे बंद करके चेक ट्रंकेशन प्रणाली लायी गयी। यह विकास के साथ अनुकूलन का एक अच्छा उदाहरण है।

भावी दिशा

14. मैं कुछ अन्य पहलुओं की चर्चा भी करना चाहता हूं जो किसी भी भुगतान सेवा प्रदाता और उत्पाद पर लागू होते हैं और भविष्य की दिशा तय करते हुए इनका परीक्षण कर लेना आवश्यक है।

i. *कार्यनिष्पादन का आकलन :* खुदरा भुगतान प्रणालियों के परिदृश्य को देखने पर इस तथ्य पर मंथन किया जा सकता है कि कहीं हमारे पास बहुत अधिक उत्पाद/ उत्पादों की भिन्नता तो नहीं है। जिन उत्पादों की उपयोगिता न रह गई हो गई हो, उन्हें समाप्त किया जा सकता है। समेकन की प्रक्रिया, उत्पादों और सेवा-प्रदाताओं को समाप्त करने के मार्ग का सक्रियता पूर्वक अनुसरण किया जाना चाहिए। यह भी संभव है कि बाजार/उपयोगकर्ता स्वयं यह कार्य पूर्ण कर लें। प्रणालियों की अंतर्निहित क्षमताओं का पूर्ण दोहन किए जाने के लिए उन्हें परस्पर-परिचालन योग्य बनाया जाना भी उपयोगी है।

ii. *उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रक्रिया :-*

(क) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा आयोजित किए गए इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग जागरूकता और प्रशिक्षण (ई-बात) कार्यक्रमों और हाल ही में मीडिया के लिए आयोजित कार्यशालाओं से एक महत्वपूर्ण बात उभरकर सामने आयी है। उपभोक्ताओं में न सिर्फ भुगतान के विभिन्न विकल्पों और विशेषताओं के बारे में, बल्कि उपलब्ध शिकायत निवारण प्रक्रियाओं के बारे में भी जागरुकता की कमी विद्यमान है। यह अशिक्षा सभी भौगोलिक क्षेत्रों और अंचलों में फैली हुई है। इसका दायरा सिर्फ ग्रामीण या अर्द्ध-शहरी क्षेत्र, उत्तर या दक्षिण नहीं है। यह बात बैंक की शाखाओं में काउंटरों पर बैठे स्टाफ पर भी समान रूप से लागू होती है। जनता को शिक्षित करने के लिए क्या हम पर्याप्त कार्य कर रहे हैं? क्या यह जिम्मेदारी अकेले विनियामक की ही होनी चाहिए ? इसका जवाब है, नहीं। हम सभी को उपभोक्ता जागरुकता उत्पन्न करने के लिए सचेत रह कर दृढ़तापूर्वक प्रयत्न करने चाहिए। भुगतान की आर्थिक प्रणाली के अंतर्गत जानकार उपभोक्ता एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है।

(ख) हमें लेनदेन विफल होने से संबंधित बहुत सी शिकायतें प्राप्त होती हैं। हमारे देश में, जब नए उपयोगकर्ताओं को डिजिटल वित्तीय लेनदेन में शामिल किया जा रहा है तब यदि उनका प्रारंभिक अनुभव हितकारी नहीं होगा तो उनकी रुचि समाप्त हो जाएगी और वे गैर-डिजिटल माध्यमों की ओर लौट जाएंगे। यह आवश्यक है कि हम प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल इस अनुभव को हितकारी बनाना सुनिश्चित करने के लिए

करें। भुगतान प्रणालियों में 100% परिशुद्धता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करनी होगी।

(ग) हम उपभोक्ताओं के विषय में चर्चा कर रहे हैं, इसलिए मैं प्रभावी निवारण प्रक्रिया की जरूरत पर भी प्रकाश डालना चाहूंगा। बैंकिंग से संबंधित उपभोक्ता शिकायतों के निवारण के लिए व्यापक तंत्र स्थापित है, किंतु डिजिटल दायरे में शिकायत निवारण के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता, जबकि ऐसी व्यवस्था स्थापित करने की जरूरत है। सदस्य संस्थानों तथा भुगतान सेवा प्रदाताओं को शिकायतों का ध्यान रखने के लिए अपनी शिकायत निवारण प्रक्रिया को मजबूत बनाने की आवश्यकता है। ये प्रक्रियाएं पारदर्शी और प्रभावी होनी चाहिए।

15. रिज़र्व बैंक, भुगतान प्रणालियों से संबंधित अपने विज़न को 2001 से ही सार्वजनिक करता रहा है। आने वाले समय से संबंधित परिकल्पना के अगले दस्तावेज पर कार्य प्रारंभ हो गया है। भविष्य में और अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और यह समय अर्थव्यवस्था की मजबूती के साथ-साथ संवृद्धि के लिए भी उचित होगा। भारतीय रिज़र्व बैंक ने भुगतान प्रणालियों सहित प्रत्येक क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और नवोन्मेष का हमेशा साथ दिया है। गैर-बैंक संस्थानों को पीपीआई जारी करने, व्हाइट लेबल एटीएम स्थापित करने की अनुमति के साथ भुगतान की आर्थिक प्रणाली में गैर-बैंक संस्थानों को अनुमति प्रदान करना इसी बात को मजबूती प्रदान करने के अंतर्गत था, और इससे नवोन्मेष तथा प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिला है। आने वाले वर्षों में भी यही बात विनियामकीय दर्शन के पथप्रदर्शन का कार्य करेगी।

16. उक्त प्रमुख मुद्दों के अलावा, हमें अगले तीन-चार वर्षों में अपनायी जाने वाली भुगतान प्रणालियों के खांके के बारे में सुझाव भी प्राप्त हो रहे हैं। हम उन सुझावों को परख रहे हैं, किंतु विचार-विमर्श और निम्नलिखित को यथासंभव बेहतरीन ढंग से स्थापित करने की जरूरत है -

- आंकड़ों का बेहतरीन संकलन, बिग डाटा का विश्लेषण और मानदंड निर्धारण के लिए विश्लेषण ढांचे का होना।
- धोखाधड़ी के आंकड़ों को पूरे उद्योग/पूरी प्रणाली में साझा करने का मंच (प्लेटफॉर्म) मौजूदगी।
- विभिन्न उद्योग क्षेत्रों के बीच स्व-विनियामकीय संगठनों की मौजूदगी।
- इंटरनेट से आपसे में जुड़ने वाले रोजमर्रा के उपकरणों और सोशल नेटवर्कों पर आधारित भुगतानों के सुरक्षा पहलुओं सहित मोबाइल भुगतानों के लिए सुरक्षा मानकों का होना।
- ब्लॉक चेन की लिवरेजिंग या डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी।
- क्यूआर कोड, टोकन प्रदान करने के माध्यम से भुगतान सहित संपर्क रहित भुगतानों को प्रोत्साहित करना।
- त्वरित विनियामकीय प्रतिक्रिया (रेग्युलेटरी सैंडबॉक्स) के माध्यम से नवोन्मेष।

17. अंतिम, किंतु महत्वपूर्ण बात कि भारत में भुगतान प्रणालियां, जैसा कि पहले भी कहा गया, विश्व की सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों में से हैं। ऐसा सभी हितधारकों के मिले-जुले प्रयासों से ही संभव हो पाया है। भारतीय रिज़र्व बैंक ने अपनी ओर से विनियम निर्धारित करते समय हमेशा से सभी हितधारकों से विचार-विमर्श की प्रक्रिया को अपनाया है। प्रतिस्पर्धा और नवोन्मेष को निश्चित रूप से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, किंतु विनियामक को प्रणाली की स्थिरता का भी ध्यान रखना होता है। उदाहरण के लिए, केवाईसी, एएमएल ढांचे को आसान बनाए जाने से जनता का भरोसा प्रणाली से ही उठ सकता है, अत: हर हाल में इससे परहेज किया जाना चाहिए।

18. भुगतान प्रणालियों की खामियों को निरापद और सुरक्षित ढंग से पाटने के लिए प्रौद्योगिकीय नवोन्मेषों से लिवरेज करना हमारा आदर्श वाक्य होना चाहिए। आज के उत्कृष्टता पुरस्कारों को इसका संकेत मानते हुए मैं उज्ज्वल भविष्य के प्रति आशान्वित हूं। हमें भविष्य का अंग नहीं बनना है - हमें भविष्य का निर्माण करना है और उसे सफलताओं वाला बनाना है।

19. आज के सभी पुरस्कार विजेताओं को मेरी ओर से बधाई। पुरस्कार से, उन्हें आगे भी उत्कृष्ट उपलब्धियां अर्जित करने की प्रेरणा मिलनी चाहिए और दूसरों को भी चाहिए कि वे इनसे प्रेरणा ग्रहण करते हुए दुनिया की सर्वोत्तम भुगतान प्रणाली के सृजन की ओर आगे बढ़ें जो निरापद, सुरक्षित, सक्षम और सुविधाजनक हो।

मैं आशा करता हूं कि एनपीसीआई इस लक्ष्य को हासिल करने में मुख्य भूमिका का निर्वहन करेगा।

धन्यवाद।

लेख

निजी कॉर्पोरेट कारोबार क्षेत्र का निष्पादन :

2016-17 से ति3 : 2017-18

निजी कॉर्पोरेट कारोबार क्षेत्र का निष्पादन : 2016-17 से ति3 : 2017-18*

गैर-सरकारी गैर-वित्तीय (एनजीएनएफ) सूचीबद्ध कंपनियों ने विनिर्माण क्षेत्र के कार्य-निष्पादन में सुधार होने के कारण 2016-17 में बहाली दर्शायी तथापि, सेवा क्षेत्र में कंपनियों (सूचना प्रौद्योगिकी को (आईटी) छोड़कर) द्वारा घाटा वहन करने के कारण सकल निष्पादन के संबंध में अवरोध बना रहा। विनिर्माण कंपनियों द्वारा डीलीवरेजिंग करने से इस क्षेत्र में अचल संपत्तियों का निर्माण कम हुआ।

1. प्रस्तावना

भारत में स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध कंपनियों के अनिवार्य वित्तीय विवरण, कॉर्पोरेट क्षेत्र को पेश आ रही कारोबारी स्थितियों के बारे में जानकारी का समृद्ध स्रोत होते हैं। इन तिमाही विवरणों का विश्लेषण समय पर प्रमुख निष्पादन मानकों के संबंध में संकेत प्रदान करता है। समष्टि आर्थिक परिप्रेक्ष्य में, समग्र कॉर्पोरेट बिक्री, अर्थव्यवस्था में मांग की स्थिति दर्शाती है। वस्तुओं के अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मूल्यों में होने वाले उतार-चढ़ाव से प्रभावित कच्चे माल की लागत इन कंपनियों को पेश आ रहे इनपुट लागत दबावों को दर्शाती है। इसी तरह, कर्मचारियों की लागत कारोबार प्रतिस्पर्धात्मकता का एक प्रमुख निर्धारक है और उत्पादन की प्रति इकाई पर कर्मचारियों की लागत, श्रम उत्पादकता का एक उचित सुदृढ़ संकेतक है। निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र में योजित सकल मूल्य (जीवीए1) संबंधी तिमाही आकलनों का फौरी पूर्वानुमान (नाउकॉस्ट) व्यक्त करने के लिए केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन (सीएसओ) दरअसल, सूचीबद्ध कंपनियों की तिमाही आय के संक्षिप्त परिणामों का उपयोग करता है जबकि निवेश की प्रवृत्ति को समझने के महत्वपूर्ण संकेत वित्तेतर कॉर्पोरेट क्षेत्र के पूंजीगत व्यय से मिलते हैं। कीमत निर्धारण शक्ति का एक महत्वपूर्ण पैमाना इन कॉर्पोरेट कंपनियों का लाभ मार्जिन होता है, जिसका मुद्रास्फीति के परिदृश्य पर प्रभाव पड़ता है। कार्पोरेट लीवरेज तथा ऋण चुकौती क्षमता संबंधी जानकारी के मुकाबले उल्लेखनीय एक्सपोजर वाली वित्तीय संस्थाओं की चलनिधि और ऋण-शोधन क्षमता के संकेतकों से निकाले गए जोखिम प्रोफाइल आकलन, प्रणालीगत परिप्रेक्ष्य से वित्तीय स्थिरता का मूल्यांकन करने के लिए उपयोगी होते हैं।

वैश्विक वित्तीय संकट की समयावधि से विभिन्न एजेंसियों जैसे कि अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक कोष (आईएमएफ) ने अपने वैश्विक वित्तीय स्थिरता के अनुमान (आईएमएफ, 2017) में कॉर्पोरेट क्षेत्र के विश्लेषण और अन्य क्षेत्रों के साथ अंतर-संबंधों को एकीकृत किया है। बैंक द इटालिया की हालिया वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट वित्तेतर कॉर्पोरेट क्षेत्र की लाभप्रदता और कर्ज चुकौती क्षमता को प्रस्तुत करती है जो कि कंपनियों के बड़े नमूनों की वित्तीय रिपोर्टों पर आधारित है (बैंक द इटालिया, 2017)। चीन में सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरणों का विस्तार पूर्वक विश्लेषण हाल ही में रिज़र्व बैंक ऑफ आस्ट्रेलिया द्वारा किया गया है जिसमें वित्तीय उपायों में होने वाले संचरण चीन की अर्थव्यवस्था में पेश आ रही व्यापक परिस्थितियों के अनुरूप ही काफी निकट हैं (रिज़र्व बैंक ऑफ आस्ट्रेलिया, 2017)। विभिन्न केन्द्रीय बैंकों द्वारा कॉर्पोरेट निष्पादन के वार्षिक विस्तृत विश्लेषण भी प्रकाशित किए गए हैं (उदाहरण के लिए, ड्यूश बंड्स बैंक, 2017)।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) 1950 से निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र के विश्लेषण की परंपरा का निर्वाह करता रहा है (आरबीआई, 2011)। अभी हाल में, कॉर्पोरेट क्षेत्र के विश्लेषण को और अधिक तरजीह मिलने लगी है क्योंकि भारतीय लेखा मानकों को वैश्विक रूप से स्वीकार्य अंतरराष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों (आइएफआरएस) के साथ सुसंगत बनाने की प्रतिबद्धता 2009 में संपन्न जी20 शिखर सम्मेलन में की गई थी। नए लेखा मानकों को संघीय बजट, 2014-15 में प्रस्तावित किया गया और 16 फरवरी 2016 को कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने इसे 'कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियमावली, 2015' (इंड-एएस) के रूप में अधिसूचित कर दिया था जो सभी सूचीबद्ध कंपनियों के कॉर्पोरेट वित्तीय विवरणों हेतु 1 अप्रैल 2017 से लागू हो गया है (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, 2016)। इंड-एएस, भारतीय सामान्यतया स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) और आइएफआरएस के बीच सुसंगतता बनाने का प्रयास है।

यह आलेख 2016-17 के दौरान निजी (वित्तेतर) कॉर्पोरेट क्षेत्र के निष्पादन की समीक्षा 3,007 सूचीबद्ध एनजीएनएफ कंपनियों की कमाई संबंधी परिणामों के आधार

यह आलेख सांख्यिकीय और सूचना प्रबंध विभाग के कॉर्पोरेट अध्ययन प्रभाग में तैनात श्री अनुजीत मित्रा के मार्गदर्शन में श्री कश्यप गुप्ता और श्री सप्तऋषि घोषाल द्वारा तैयार किया गया है। इस आलेख में प्रस्तुत दृष्टिकोण लेखकों के हैं और वे भारतीय रिज़र्व बैंक के दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

[1] जीवीए कर पूर्व आमदनी और ब्याज, मूल्यह्रास और मजदूरी/वेतन के प्रति किए गए भुगतान का जोड़ है।

पर करता है। भारतीय कॉर्पोरेट्स की जोखिम प्रोफाइल और निधियों के स्रोतों एवं उपयोगों का अध्ययन करने के लिए इन कंपनियों के गैर-लेखापरीक्षित तुलन-पत्रों का उपयोग किया गया है। शेष आलेख पांच खंडों में तैयार किया गया है। खंड 2 चुनिंदा मानदंडों के संदर्भ में कॉर्पोरेट निष्पादन की समीक्षा करता है, इन कॉर्पोरेट्स की जोखिम प्रोफाइल का विश्लेषण करता है, विनिर्माण क्षेत्र द्वारा निधियों के स्रोतों और उपयोग की समीक्षा करता है और 2017-18 में अब तक कॉर्पोरेट निष्पादन को प्रस्तुत करने के साथ उपयोग-आधारित वर्गीकरण के आधार पर मांग परिदृश्य का परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करता है। खंड 3 भारी ऋण-ग्रस्त कंपनियों के निष्पादन और क्षमता उपयोग की अवस्थिति एवं निवेश पैटर्न में कर्ज चुकौती को ध्यान में रखते हुए कॉर्पोरेट जोखिम प्रोफाइल का विश्लेषण करता है। खंड 4 हाल की अवधि में विनिर्माण कंपनियों को पेश आ रहे इनपुट लागत दबावों के संबंध में गंभीर विवेचना करता है। खंड 5 कुछ समापन टिप्पणियों का उल्लेख करता है। इस आलेख में उपयोग में लाए गए आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट https://dbie.rbi.org.in/DBIE/dbie.rbi?site=statistics#!2_42 पर उपलब्ध हैं।

2. कॉर्पोरेट कार्य-निष्पादन

2016-17 के दौरान चुनिंदा कंपनियों की बिक्री में वृद्धि हुई परंतु इसका मुख्य कारण कीमतों में वृद्धि होना रहा न कि मांग में तेजी आना - पिछले चार वर्षों से 'वास्तविक' बिक्री स्थिर बनी हुई है (चार्ट 1)। कच्चे माल की कीमतों में तेजी के बावजूद उत्पादन को बेहतर मूल्यन प्राप्त हुआ। समग्र खर्च में हुई तीव्र वृद्धि के कारण परिचालनगत लाभों और सांकेतिक (जीवीए) वृद्धि में कमी आई/बाधा उत्पन्न हुई। वस्तुतः, अन्य/गैर-परिचालनगत आय के कारण कॉर्पोरेट मार्जिन में इजाफा हुआ (सारणी 1 और सारणी 2)।

सारणी 1: सूचीबद्ध गैर सरकारी गैर - वित्तीय कंपनियों का कार्यनिष्पादन

संकेतक	2015-16		2016-17	
	राशि बिलियन ₹ में	वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि प्रतिशत में	राशि बिलियन ₹ में	वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि प्रतिशत में
कंपनियों की संख्या	2,932		3,007	
बिक्री	29,898	-1.6	31,316	3.1
उत्पादन का मूल्य	29,814	-2.4	31,516	4.0
व्यय,जिसमें से	25,269	-4.4	26,620	3.8
कच्चा माल	11,726	-12.4	12,300	4.8
स्टाफ लागत	2,905	13.1	3,306	8.7
बिजली और ईंधन	1,051	-7.1	977	-1.2
परिचालन लाभ	4,545	10.2	4,896	5.4
अन्य आय	918	-2.4	1,036	5.9
ईबीआईटीडीए	5,463	7.9	5,932	5.5
मूल्यह्रास	1,226	5.0	1,375	6.4
सकल लाभ (ईबीआईटी)	4,238	8.8	4,557	5.2
ब्याज	1,310	5.0	1,421	4.8
ईबीटी (एनओपी के पहले)	2,927	10.5	3,136	5.4
कर प्रावधान	779	2.2	834	1.5
निवल लाभ	1,966	9.3	2,048	11.2

टिप्पणी : ईबीआईटीडीए: ब्याज कर मूल्यह्रास एवं परिशोधन पूर्व अर्जन।
ईबीटी: कर पूर्व अर्जन

चार्ट 1: नाममात्र विक्रय, वास्तविक विक्रय और डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति में रुझान

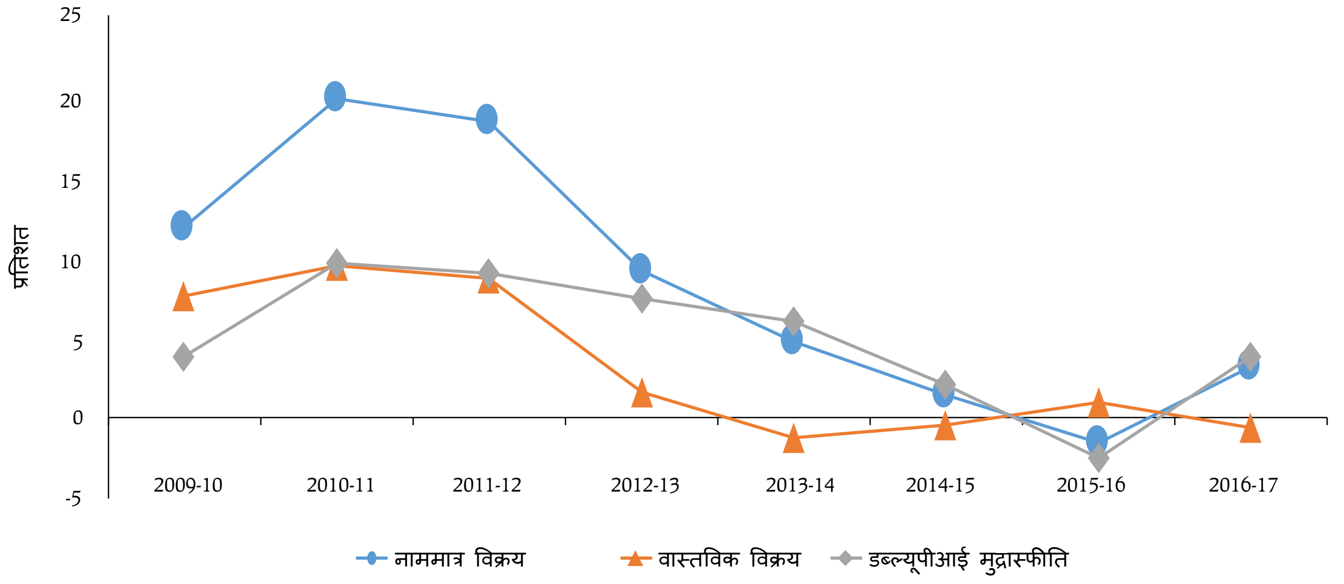

सारणी 2: सूचीबद्ध गैर सरकारी गैर वित्तीय कंपनियों के महत्वपूर्ण कार्यनिष्पादन मानदंड

(प्रतिशत)

अवधि	कंपनियों की संख्या	बिक्री वृद्धि	जीवीए वृद्धि	व्यय वृद्धि	परिचालन लाभ वृद्धि	निवल लाभ वृद्धि	परिचालन लाभ मार्जिन	निवल लाभ मार्जिन
	1	2	3	4	5	6	7	8
2009-10	2,629	11.7	19.2	9.6	26.6	28.8	16.9	9.4
2010-11	2,763	19.8	13.5	22.1	12.4	15.8	15.6	9.0
2011-12	2,679	18.5	9.1	20.7	1.7	-16.8	13.5	6.4
2012-13	2,931	9.1	8.0	9.6	3.5	-2.0	12.9	5.9
2013-14	2,854	4.7	6.6	4.2	2.3	-5.1	12.8	5.8
2014-15	2,925	1.4	8.0	0.7	5.3	-0.7	13.6	5.9
2015-16	2,932	-1.6	9.7	-4.4	10.2	9.3	15.2	6.6
2016-17	3,007	3.1	6.6	3.8	5.4	11.2	15.6	6.5

मुख्य उद्यमों, लौह और स्टील, पेट्रोलियम उत्पादों और सीमेंट एवं सीमेंट उत्पादों ने विनिर्माण क्षेत्र के निष्पादन को तेजी प्राप्त जबकि फार्मास्युटिकल कंपनियों और खाद्य उत्पादों एवं पेय उद्योगों की बिक्री में गिरावट आई (चार्ट 2ए, चार्ट 2बी और सारणी 3)।

हालांकि फार्मास्युटिकल कंपनियों और खाद्य उत्पादों एवं पेय उद्योगों के मामले में 2015-16 में बिक्री में दर्ज की गई गिरावट से 2016-17 में बाहर आया जा चुका है।

भू-संपदा क्षेत्र और थोक तथा खुदरा व्यापार कंपनियों के खराब निष्पादन के कारण सेवा (आईटी को छोड़कर) क्षेत्र की समग्र बिक्री में कमी दर्ज की गई। दूरसंचार उद्योग का सिकुड़ता हुआ राजस्व भी चिंता के सबब बना है। सेवा (आईटी को छोड़कर) क्षेत्र के परिचालनगत (और निवल) लाभों में गिरावट आई क्योंकि दूरसंचार कंपनियों को काफी नुकसान उठाना पड़ा। इसके विपरीत, परिवहन और भंडारण सेवा तथा अस्पताल सेवा उद्यमों की बिक्री में तेजी दर्ज की

चार्ट 2ए: विक्रय वृद्धि-सुधार

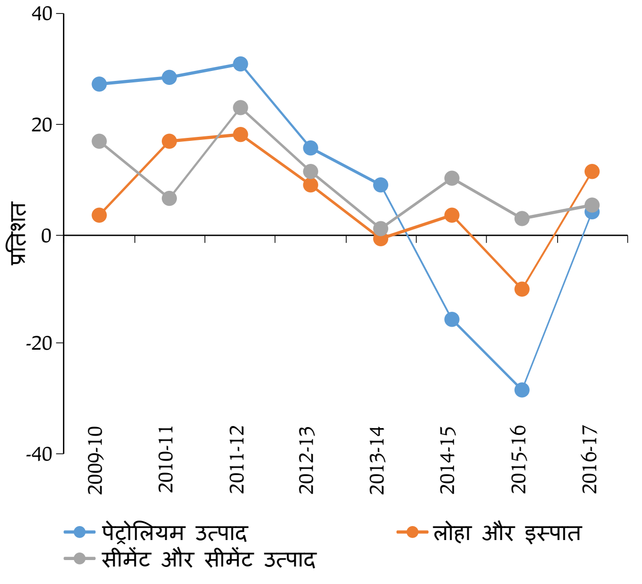

चार्ट 2बी: विक्रय वृद्धि-संकुचन

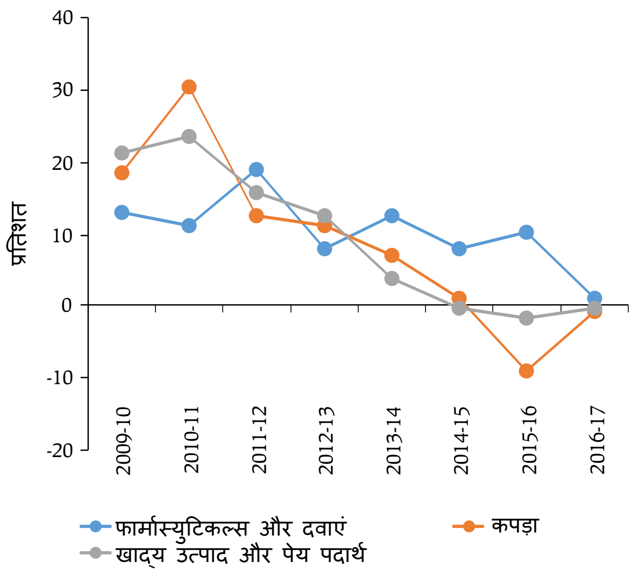

चार्ट 3: विक्रय वृद्धि-सेवाएं (आईटी के अलावा)

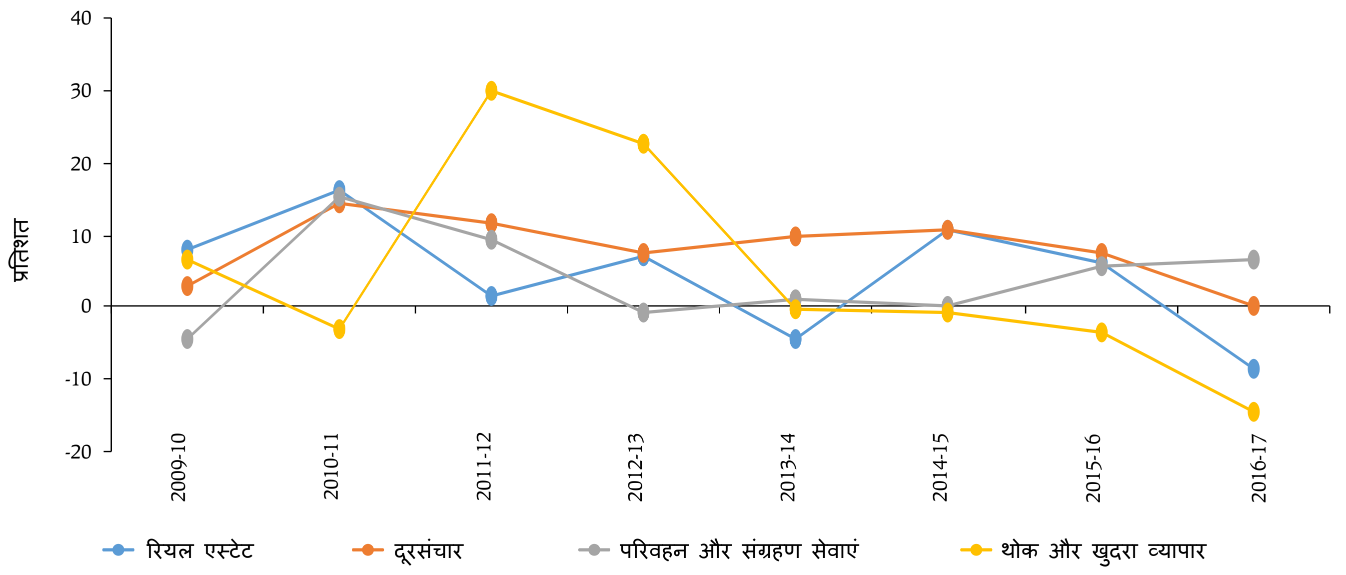

गई। आईटी क्षेत्र की विक्रय वृद्धि में धीमापन सामने आया 2015-16 में स्टाफ-लागत में हुई तीव्र वृद्धि कायम नहीं रह पाई (चार्ट 3 और सारणी 3)।

आईटी क्षेत्र में बिक्री की तुलना में स्टाफ लागतों का अनुपात बढ़ा और यह 2009-10 के बाद से अब अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचा (चार्ट 4) और इस प्रकार क्षेत्र की लाभप्रदता में गिरावट आई। दूरसंचार उद्योग के कारण सेवा (आईटी को छोड़कर) क्षेत्र का शुद्ध लाभ मार्जिन ऋणात्मक हो गया।

विनिर्माण कंपनियों के मामले में आरक्षित निधियों और अधिशेष में वृद्धि तथा व्यापार से होनी वाली आय निधि के प्रमुख स्रोत थे। गत वर्ष, सहायक कंपनियों में विनिवेश

सारणी 3: सूचीबद्ध गैर सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों के क्षेत्रवार कार्यनिष्पादन के मानदंड

(प्रतिशत)

अवधि	विनिर्माण						सेवाएँ (गैर -आईटी)						आईटी					
	बिक्री वृद्धि	जीवीए वृद्धि	परिचालन लाभ वृद्धि	निवल लाभ वृद्धि	परिचालन लाभ मार्जिन	निवल लाभ मार्जिन	बिक्री वृद्धि	जीवीए वृद्धि	परिचालन लाभ वृद्धि	निवल लाभ वृद्धि	परिचालन लाभ मार्जिन	निवल लाभ मार्जिन	बिक्री वृद्धि	जीवीए वृद्धि	परिचालन लाभ वृद्धि	निवल लाभ वृद्धि	परिचालन लाभ मार्जिन	निवल लाभ मार्जिन
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
2009-10	12.9	27.4	33.1	44.2	15.8	8.5	3.6	-9.6	-1.8	-42.5	13.7	4.7	5.6	9.7	18.9	18.0	27.5	21.4
2010-11	22.4	11.9	11.7	20.0	14.3	8.2	8.5	18.2	17.6	25.3	14.3	5.4	16.9	18.1	13.5	14.4	25.8	19.8
2011-12	18.7	5.9	-0.1	-22.1	11.9	5.4	15.3	3.5	-3.9	-48.0	12.4	2.1	21.8	24.9	16.1	23.0	24.7	20.1
2012-13	8.8	6.6	2.7	2.2	11.3	5.3	11.5	10.5	11.0	-36.1	12.8	1.4	14.0	17.5	18.3	8.9	25.4	19.3
2013-14	4.2	4.0	0.0	-7.1	10.9	4.9	2.6	-4.2	-15.4	-71.7	11.6	1.2	20.4	22.5	29.1	25.7	28.2	21.1
2014-15	0.4	5.4	3.3	-7.8	11.5	4.5	3.7	23.4	38.1	$	13.6	2.7	10.7	11.8	6.6	8.1	26.8	21.3
2015-16	-3.7	7.5	9.6	12.6	13.0	5.3	4.9	8.2	21.9	-16.9	21.0	5.0	11.3	16.3	11.9	14.5	26.6	22.5
2016-17	4.2	10.6	12.2	28.0	14.1	6.5	-1.5	-2.0	-7.7	-114.5	19.2	-0.9	9.4	8.7	8.0	8.7	25.5	21.0

टिप्पणी: अनुपात/वृद्धि दर, जिसके लिए हर नकारात्मक है, की गिनती नहीं की जाती और उसे '$' दर्शाया गया है।

चार्ट 4: विक्रय की तुलना में व्यय और ब्याज एवं कर-पूर्व अर्जन (ईबीआईटी) के घटक (आईटी)

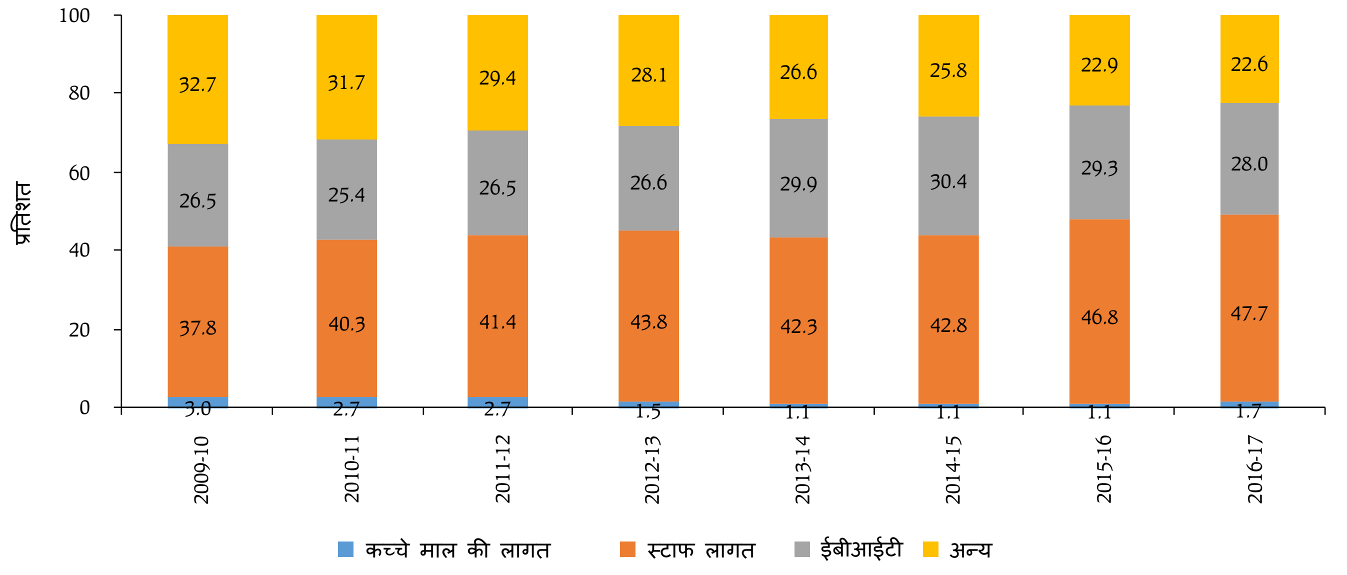

करने एवं माल सूची को बेचने के जरिए भारी निधि जुटाई गई (सारणी 4)।

विनिर्माण कंपनियों ने अपने दीर्घ-कालिक कर्ज संबंधी दायित्वों को कम करने के लिए जुटाई गई निधि का लगभग 15 प्रतिशत उपयोग किया, जो दर्शाता है कि आस्तियों की बहुतायत में तेजी से बिक्री की गई है, जिसके परिणामस्वरूप अचल आस्ति निर्माण में भी तेज गिरावट आई। बाकी निधि का उपयोग वित्तीय आस्तियों में निवेश करने एवं माल सूची के संचयन के लिए किया गया, ऐसा शायद कच्चे माल की बढ़ती कीमतों से बचाव के लिए किया गया।

2.1 वर्ष 2017-18 में कॉर्पोरेट के अब तक के कार्य-निष्पादन

2017-18 की पहली तिमाही में, बिक्री की वृद्धि में कमी और संपूर्ण व्यय में तेजी से वृद्धि की वजह से विनिर्माण क्षेत्र एवं पूरे कॉर्पोरेट क्षेत्र के परिचालन लाभ में गिरावट आई। इसके साथ-साथ 2017-18 की पहली तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र के सांकेतिक जीवीए में भी गिरावट आई। तथापि, इनपुट लागतों में कमी आने एवं माल और सेवा कर (जीएसटी) को लागू करने की वजह से हुई हानि में सुधार के कारण 2017-18 की दूसरी तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र के कार्य-निष्पादन के प्रमुख मानदंडों में बहाली देखने को मिली। 2017-18 की तीसरी तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र में मांग की स्थितियां और बेहतर हुईं, जैसा विक्रय की वृद्धि से स्पष्ट है और यह सुधार अनुकूल आधारभूत प्रभाव के कारण नहीं है (सारणी 5)।

विमुद्रीकरण और जीएसटी लागू करने की वजह से सामयिक नुकसान पहुंचने के बावजूद सूचीबद्ध विनिर्माण कंपनियों द्वारा माल सूची में कमी (डी-स्टॉक) और परिसमापन करने का कोई प्रमाण नहीं था। उपयोग आधारित दृष्टिकोण से मांग की स्थिति का विश्लेषण करने से पता चलता है कि 2017-18 की पहली तिमाही में निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र की जीवीए वृद्धि ऋणात्मक हो गई लेकिन टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के मामले में स्थिर वृद्धि दर्ज की गई। विमुद्रीकरण के बाद निर्माण वस्तुओं की वास्तविक बिक्री और सांकेतिक जीवीए वृद्धि में गिरावट आई, लेकिन गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के मामले में अधिक स्पष्ट प्रभाव देखने को मिला, जिसमें बिक्री और सांकेतिक जीवीए कम हुआ। विनिर्माण कंपनियों द्वारा अचल आस्तियों में कम निवेश पूंजीगत वस्तुओं की कमजोर मांग में परिलक्षित हुआ, जिसके परिणामस्वरूप इस क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के जीवीए में लगातार कमी आई। ति3:2017-18 में विनिर्माण क्षेत्र में सांकेतिक जीवीए वृद्धि की बहाली को प्राथमिक, मध्यम, निर्माण वस्तुओं तथा टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं में सहायता मिली। 2017-18 की पहली छमाही में बिक्री तथा पूंजीगत वस्तुओं का सांकेतिक जीवीए, दोनों विनिर्माण क्षेत्र में अचल आस्ति निवेश के अनुरूप रहे।

सारणी 4: निधियों के स्रोत और उपयोग: विनिर्माण क्षेत्र (प्रतिशत में)

निधि का स्रोत			निधि का उपयोग		
समयावधि	**2015-16**	**2016-17**	**समयावधि**	**2015-16**	**2016-17**
देयताओं में वृद्धि द्वारा			**आस्तियों में वृद्धि द्वारा**		
शेयर पूंजी	0.5	–	कुल अप्रचलित आस्तियां	68.8	53.9
आरक्षित और अधिशेष	27.0	47.2	-चल आस्तियाँ (तहर्सि याक तगीजूंप)	42.8	19.8
शेयर वारंट पर प्राप्त मुद्रा	–	0.1	-अप्रचलित निवेश	11.9	30.5
आबंटन के लिए लंबित शेयर आवेदन पर प्राप्त मुद्रा	–	0.2	-आस्थगित कर आस्तियां	1.5	1.9
कुल अप्रचलित देयताएँ	6.7	1.6	-दीर्घावधि ऋण और अग्रिम	–	1.7
-दीर्घावधि उधारियाँ	1.0	–	-अन्य अप्रचलित आस्तियाँ	12.6	–
-कर देयताओं में अंतर	2.6	1.0	कुल चालू आस्तियां	20.5	27.4
-दीर्घावधि प्रावधान	–	0.7	-वर्तमान निवेश	0.8	12.2
-अन्य दीर्घावधि देयताएँ	3.0	–	-इन्वेन्टरीज	–	9.8
कुल चालू देयताएँ	27.0	49.1	-व्यापार में प्राप्य राशियाँ	4.1	2.8
-अल्पावधि उधारियाँ	8.5	10.0	-नकदी और नकदी समान	–	1.8
-व्यापार देय	–	18.2	-अन्य चालू आस्तियाँ	15.7	0.7
-अल्पावधि प्रावधान	–	1.4	अन्य आस्तियाँ	0.8	1.6
-अन्य चालू देयताएँ	18.4	19.5			
अन्य-इक्विटी और देयताएँ	–	0.6			
कुल	**61.2**	**98.8**	**कुल**	**90.1**	**82.8**
आस्तियों में कमी के द्वारा			**देयताओं में कमी के द्वारा**		
कुल अप्रचलित आस्तियाँ	16.3	0.4	शेयर पूंजी	–	1.1
-दीर्घावधि ऋण और अग्रिम	16.3	–	शेयर वारंट से प्राप्त मुद्रा	0.1	–
-अन्य अप्रचलित आस्तियाँ	–	0.4	आबंटन के लिए लंबित शेयर आवेदन मुद्रा	0.4	–
कुल चालू आस्तियाँ	22.5	0.8	कुल अप्रचलित देयताएँ	1.3	16.0
-माल-सूची (इनवेंटरी)	5.0	–	दीर्घावधि उधारियाँ	–	14.8
-नकदी और नकदी समान	0.9	–	-दीर्घावधि प्रावधान	1.3	–
-अल्पावधि ऋण और अग्रिम	16.6	0.8	-अन्य दीर्घावधि देयताएँ	–	1.3
			कुल चालू देयताएँ	8.0	–
			-व्यापार देय	0.2	–
			-अल्पावधि प्रावधान	7.8	–
			अन्य इक्विटी और देयताएँ	0.1	–
कुल	**38.8**	**1.2**	**कुल**	**9.9**	**17.2**
कुल जोड़	**100.0**	**100.0**	**कुल जोड़**	**100.0**	**100.0**

टिप्पणी: 1780 सामान्य विनिर्माण कंपनियों के आधार पर।
निधियों के उपयोग द्वारा कुल स्रोतों और आंकड़ों को सामान्य कृत बनाया गया है। '-' कुछ नहीं प्रविष्टि दर्शाता है।

3. कॉर्पोरेट जोखिम रूपरेखा

200 प्रतिशत से अधिक लीवरेज अनुपात और 1 से कम (ऋणात्मक निवल मालियत वाली कंपनियों सहित) आईसीआर (ब्याज कवरेज अनुपात) वाली कंपनियों में, कपड़ा एवं दूरसंचार कंपनियां कमजोर नजर आईं और इन उद्योगों में 2016-17 में जोखिम वाले कर्ज काफी बढ़े। 'अस्थिर' निर्माण कंपनियों द्वारा धारित कर्ज का हिस्सा भी बढ़ गया (सारणी 4)।

बाकी सैम्पल की तुलना में, विनिर्माण कंपनियों में अत्यधिक ऋणग्रस्त कंपनियों (अर्थात, 2015-16 में जिनका कर्ज इक्विटी अनुपात 200 प्रतिशत से अधिक और कुल आस्तियों में कर्ज का अनुपात 50 प्रतिशत से अधिक है)

सारणी 5: गैर सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों के कार्यनिष्पादन : 2017-18 की तीसरी तिमाही

(प्रतिशत)

मद	वि.व.17 ति1	वि.व.17 ति2	वि.व.17 ति3	वि.व.17 ति4	वि.व.18 ति1	वि.व.18 ति2	वि.व.18 ति3
सभी कंपनियाँ							
कंपनियों की सं	**2,775**	**2,702**	**2,784**	**2,726**	**2,744**	**2,701**	**2,705**
वर्ष -दर- वर्ष वृद्धि							
बिक्री	0.1	1.9	2.8	7.2	7.6	7.2	11.3
व्यय	-1.4	1.3	5.0	9.1	11.0	5.9	10.9
परिचालन लाभ	9.6	5.5	7.6	2.1	-10.0	5.0	7.2
जीवीए	9.3	8.0	7.6	2.3	-2.3	4.4	6.5
ब्याज	5.8	0.0	11.4	-1.6	-1.5	8.1	-5.8
निवल लाभ	11.2	16.0	24.6	-6.9	-21.2	-23.1	6.0
अनुपात							
बिक्री के लिए परिचालन लाभ	17.0	16.6	15.9	14.4	14.0	15.7	15.4
बिक्री के लिए निवल लाभ	7.5	8.7	6.8	4.6	5.5	5.8	6.7
विनिर्माण							
कंपनियों की सं	**1,804**	**1,775**	**1,818**	**1,747**	**1,759**	**1,738**	**1,743**
वर्ष -दर- वर्ष वृद्धि							
बिक्री	-1.0	3.7	4.9	10.2	8.9	9.5	14.0
व्यय	-2.6	2.9	7.6	11.2	12.4	6.4	12.3
परिचालन लाभ	12.0	10.4	16.2	14.2	-12.0	11.2	14.0
जीवीए	12.0	11.2	13.8	9.2	-5.4	8.3	10.1
ब्याज	2.0	-2.3	7.6	-8.0	-3.4	14.3	-1.8
निवल लाभ	28.8	27.5	57.5	22.2	-33.6	-4.0	-2.4
अनुपात							
बिक्री के लिए परिचालन लाभ	15.2	14.7	14.3	13.2	12.2	14.6	14.4
बिक्री के लिए निवल लाभ	7.2	7.9	6.2	6.0	4.4	6.4	5.7
सेवाएँ (गैर-आईटी)							
कंपनियों की संख्या	**493**	**508**	**514**	**498**	**501**	**494**	**485**
वर्ष -दर -वर्ष वृद्धि							
बिक्री	-0.3	-3.5	-4.6	-2.9	4.1	-2.5	1.6
व्यय	-1.8	-5.7	-3.2	3.4	10.4	2.6	4.4
परिचालन लाभ	6.1	4.3	-8.9	-25.7	-17.8	-22.7	-11.9
जीवीए	7.1	5.3	-4.5	-18.7	-10.1	-14.2	-2.3
ब्याज	32.9	11.5	32.1	3.8	2.7	16.9	-7.6
निवल लाभ	-38.9	-3.7	-17.5	@	-66.6	@	-27.6
अनुपात							
बिक्री के लिए परिचालन लाभ	21.7	21.0	19.7	17.7	16.4	15.6	16.5
बिक्री के लिए निवल लाभ	4.1	6.3	4.5	-18.9	1.7	-10.7	3.4
IT							
कंपनियों की संख्या	**188**	**177**	**187**	**181**	**180**	**175**	**171**
वर्ष -दर- वर्ष वृद्धि							
बिक्री	11.2	7.2	7.3	4.8	2.9	4.4	5.3
व्यय	11.8	8.2	7.8	4.7	4.2	4.5	5.7
परिचालन लाभ	10.1	2.2	6.0	4.4	-1.4	4.6	3.9
जीवीए	9.6	7.4	6.8	4.2	5.3	4.8	6.2
ब्याज	-11.0	-31.5	2.2	9.0	-12.1	-0.3	-35.0
निवल लाभ	7.5	4.8	9.8	2.2	9.3	5.8	17.4
अनुपात							
बिक्री के लिए परिचालन लाभ	25.7	25.8	26.0	24.9	24.7	25.8	25.7
बिक्री के लिए निवल लाभ	20.8	21.8	21.4	20.2	22.4	22.0	24.1

टिप्पणी: किसी भी अवधि की वृद्धि दर की गणना करते समय, वर्तमान और पिछली अवधि में समान कंपनियों को ध्यान में लिया गया है। जिस अनुपात का हर नगण्य है उसकी गिनती नहीं की जाती और उसे '@' द्वारा दर्शाया गया है।

सारणी 6: जोखिमयुक्त कर्ज - सूचीबद्ध एनजीएनएफ कंपनियाँ - उद्योगवार

	कुल कर्ज (₹ बिलियन)	आघात योग्य कंपनियों की संख्या	जोखिमयुक्त (₹ बिलियन)	जोखिमयुक्त कर्ज का हिस्सा (प्रतिशत	कुल कर्ज (₹ बिलियन)	आघात योग्य कंपनियों की संख्या	जोखिमयुक्त (₹ बिलियन)	जोखिमयुक्त कर्ज का हिस्सा (प्रतिशत	कुल कर्ज (₹ बिलियन)	आघात योग्य कंपनियों की संख्या	जोखिमयुक्त (₹ बिलियन)	जोखिमयुक्त कर्ज का हिस्सा (प्रतिशत
	टेक्सटाइल				दूरसंचार				निर्माण			
कंपनियों की संख्या	256				11				144			
अवधि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
2014-15	728	52	187	25.7	782	4	141	18.0	1007	19	289	28.7
2015-16	824	53	360	43.7	1258	4	174	13.8	1092	25	357	32.7
2016-17	831	54	457	55.0	1566	5	724	46.2	1086	25	404	37.1

टिप्पणी: कुल कर्ज अल्पावधि और दीर्घावधि उधारियों का योग है।
कमजोर कंपनियों द्वारा धारित कर्ज को जोखिम वाले कर्ज के रूप में परिभाषित किया गया है।

के कार्य-निष्पादन में स्पष्ट अंतर पाया गया। यद्यपि, 2016-17 में ऋणग्रस्त विनिर्माण कंपनियों ने अपने कर्ज स्तर को कम किया, लेकिन अचल आस्तियों में निवेश (कैपेक्स), कर्ज की चुकौती (आईसीआर) एवं लाभप्रदता (आस्तियों पर प्रतिलाभ) के संदर्भ में उनका प्रदर्शन कमजोर था (चार्ट 5ए)।

दूसरी तरफ, ऋणग्रस्त इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों का कर्ज का स्तर बढ़ने की वजह से कर्ज की चुकौती एवं लाभप्रदता पर खराब असर पड़ा। इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों के लिए नए कर्ज जारी करना मुख्य रूप से आरंभ किए हुए कार्य की आंतरिक प्रतिलाभ दर (आईआरआर) द्वारा निर्धारित होती है (चार्ट 5बी)।

इस क्षेत्र में, लगातार क्षमता के कम उपयोग तथा समग्र डीलीवरेजिंग को देखते हुए सूचीबद्ध विनिर्माण कंपनियों ने अपने निवेशों का रुख अचल आस्तियों से अलग कर वित्तीय आस्तियों की ओर किया। इस परिप्रेक्ष्य में, इस भाग में 2015-16 और 2016-17 में इन कंपनियों के निवेश के स्वरूप का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है, जिसे कर्ज की चुकौती (आईसीआर) एवं सीयू के अनुसार वर्गीकृत किया

चार्ट 5ए: 2016-17 में ऋण ग्रस्तता पर आधारित कार्य-निष्पादन - विनिर्माण

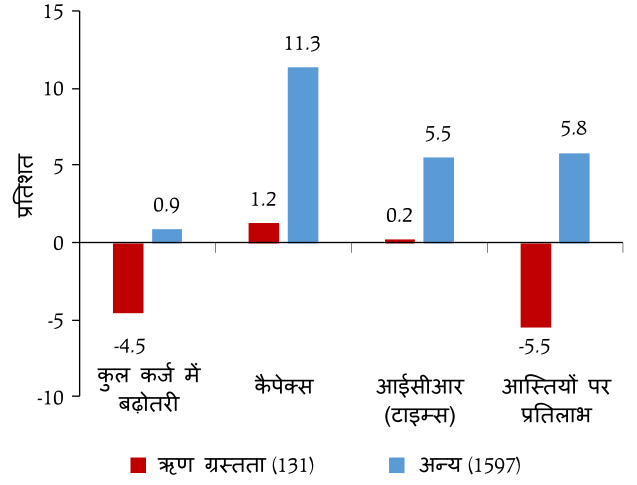

चार्ट 5बी: 2016-17 में ऋण ग्रस्तता पर आधारित कार्य-निष्पादन - इन्फ्रास्ट्रक्चर

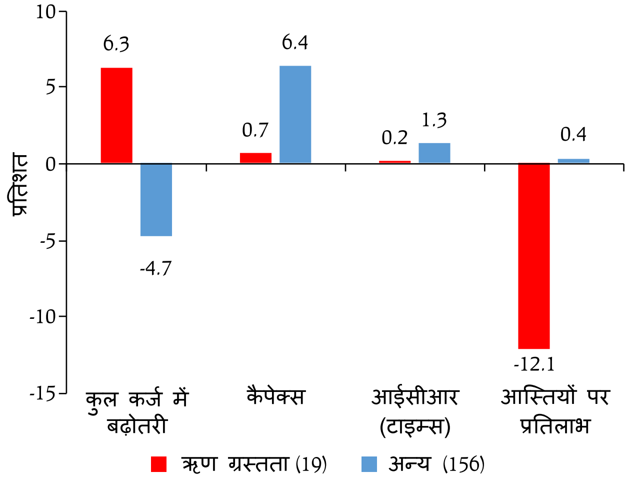

टिप्पणी: कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े प्रत्येक समूह में कंपनियों की संख्या को दर्शाते हैं। कुल कर्ज को दीर्घकालिक और अल्पकालिक उधार के जोड़ के रूप में परिभाषित किया गया है। कैपेक्स का हिसाब इस प्रकार किया जाता है [निवल अचल आस्तियां (चालू वर्ष) - निवल आस्तियां (गत वर्ष) + मूल्यह्रास (चालू वर्ष)]/ निवल अचल आस्तियां (गत वर्ष)।

चार्ट 6ए: वित्तीय दबावग्रस्त कंपनियाँ (2014-15 में आईसीआर<1)

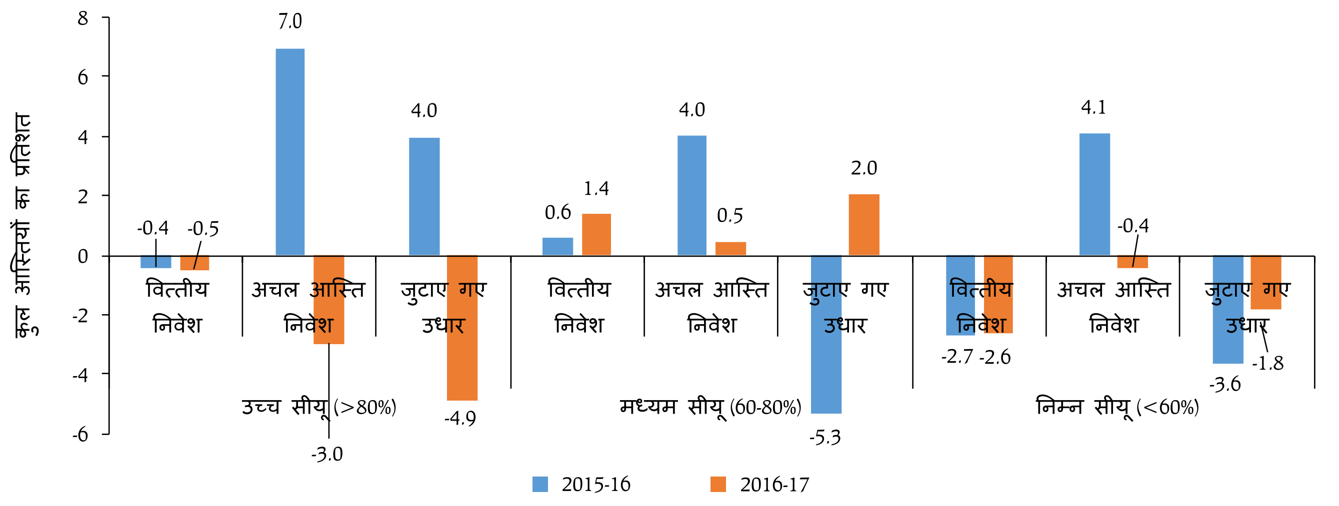

टिप्पणी: वित्तीय निवेश, अचल आस्ति निवेश और जुटाए गए कुल उधारों की गणना पिछले तीन वर्षों यानि, 2014-15 से 2016-17 के दौरान 1,639 सामान्य विनिर्माण कंपनियों के निधियों के स्रोतों और उपयोगों से की जाती है। सीयू श्रेणियों में कंपनियों का वर्गीकरण एनआईसी (राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण) भीतर सूचीबद्ध एनजीएनएफ कंपनियों के सीयू को टैग करने के लिए प्रॉक्सी के रूप में उपयोग किए गए सीयू श्रेणियों के साथ रिजर्व बैंक के आदेश बही, माल-सूची और क्षमता उपयोग सर्वेक्षण (ओबीआईसीयूएस) पर आधारित है जो 2014-15 आधार वर्ष में 2 अंकों के स्तर वाले उद्योग उच्च, मध्यम या निम्न के रूप में होंगे।

गया है। इस प्रकार, आधार वर्ष 2014-15 में, एनजीएनएफ सूचीबद्ध विनिर्माण कंपनियों को सीयू की तीन श्रेणियों (उच्च/मध्यम/निम्न) और कर्ज चुकौती (आईसीआर<1 या आईसीआर>=1) की दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

दबावग्रस्त कंपनियों (2014-15 में आईसीआर<1 वाली) ने अचल और वित्तीय आस्तियों में अपने निवेश को 2016-17 में बेच दिया; उनमें से, उच्चतर सीयू वाली कंपनियों ने अचल आस्तियों को बेचना बेहतर समझा जबकि निम्न सीयू वाली कंपनियों ने वित्तीय आस्तियों को बेचा (चार्ट 6ए)।

यह पाया गया कि आधार वर्ष अर्थात, 2014-15 में आईसीआर>=1 वाली कंपनियां 2016-17 में सभी सीयू श्रेणियों में अचल आस्तियों के बजाए वित्तीय आस्तियों में ज्यादा निवेश कर रही थीं, जो कि मध्यम सीयू कंपनियों से बिल्कुल अलग था। उच्च सीयू श्रेणी वाली कंपनियों ने भी विगत वर्ष की तुलना में वर्ष 2016-17 में अचल आस्तियों में अपने निवेश को कम कर दिया (चार्ट 6बी)।

चार्ट 6बी: अन्य कंपनियाँ (2014-15 में आईसीआर≥1)

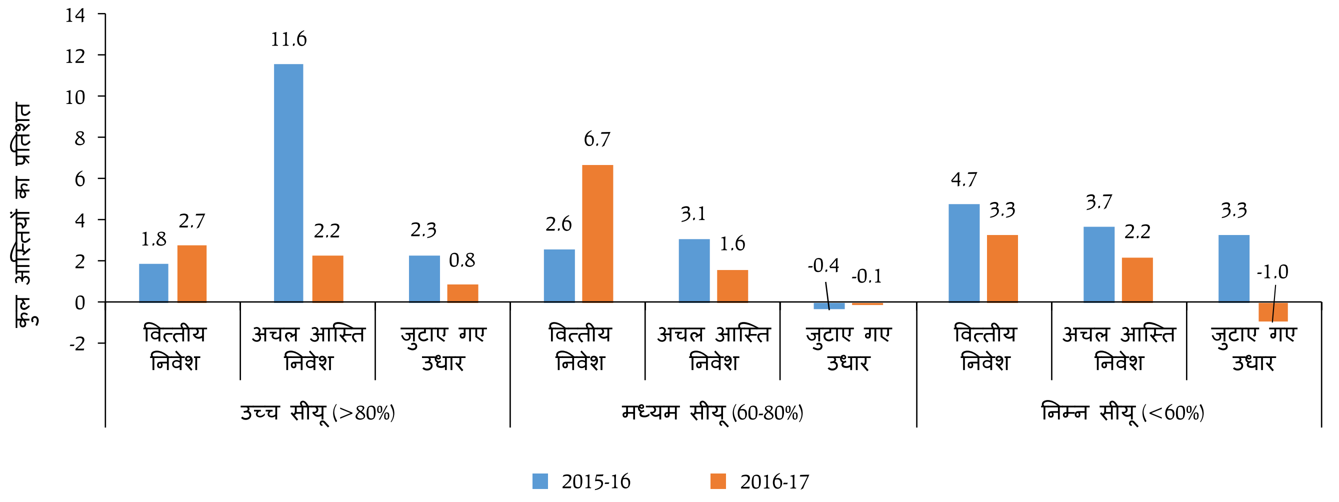

टिप्पणी: वित्तीय निवेश, अचल आस्ति निवेश और जुटाए गए कुल उधारों की गणना पिछले तीन वर्षों यानि, 2014-15 से 2016-17 के दौरान 1,639 सामान्य विनिर्माण कंपनियों के निधियों के स्रोतों और उपयोगों से की जाती है। सीयू श्रेणियों में कंपनियों का वर्गीकरण एनआईसी (राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण) भीतर सूचीबद्ध एनजीएनएफ कंपनियों के सीयू को टैग करने के लिए प्रॉक्सी के रूप में उपयोग किए गए सीयू श्रेणियों के साथ रिजर्व बैंक के आदेश बही, माल-सूची और क्षमता उपयोग सर्वेक्षण (ओबीआईसीयूएस) पर आधारित है जो 2014-15 आधार वर्ष में 2 अंकों के स्तर वाले उद्योग उच्च, मध्यम या निम्न के रूप में होंगे।

चार्ट 7: विनिर्माण सीआरएम वृद्धि, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू औद्योगिक कच्चा माल मुद्रास्फीति

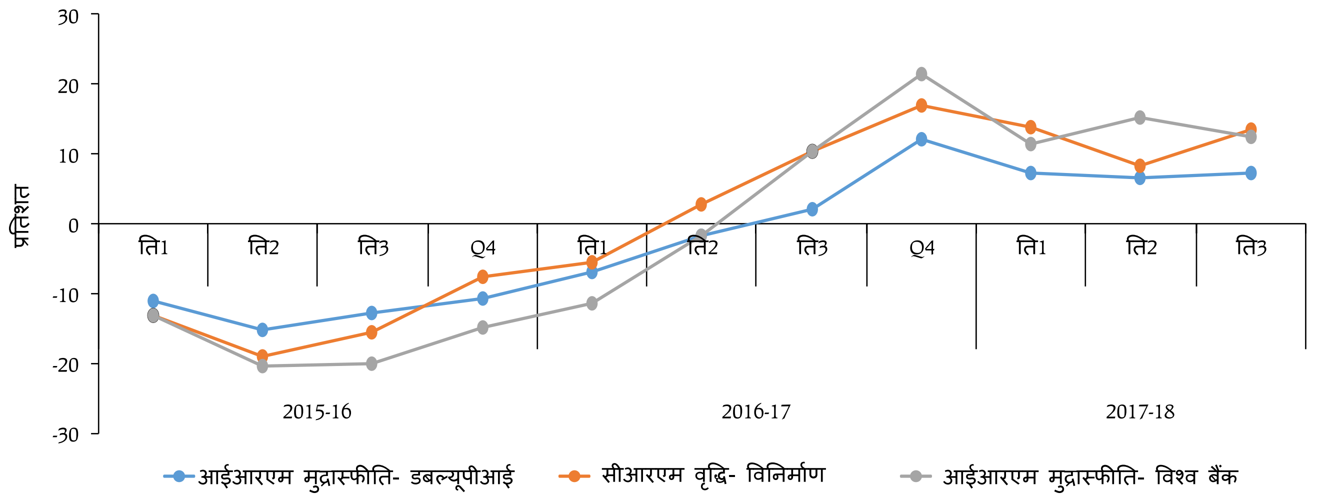

टिप्पणी: आईआरएम में प्राथमिक गैर-खाद्य वस्तुओं (फूलों की खेती को छोड़कर), खनिज, कोयले, विमानन टरबाइन ईंधन, उच्च गति डीजल, नेफ्था, बिटुमेन, फर्नेस तेल, ल्यूब तेल, खोई, कपड़े के सूत की तैयारी और कताई तथा डबल्यूपीआई से मूल धातुओं का विनिर्माण शामिल है। आईआरएम-वर्ल्ड बैंक का समग्र सूचकांक कृषि से संबंधित कच्चे माल एवं धातुओं और खनिजों के सूचकांक से लिया गया है।

4. विनिर्माण क्षेत्र के लिए कच्चे माल की लागत में संचलन

पिछली तिमाही में अधिकतम पर पहुँचने के बाद तिमाही1: 2017-18 में विनिर्माण क्षेत्र में कच्चे माल की लागत (सीआरएम) में वृद्धि जारी रही, जिससे इस क्षेत्र के सांकेतिक जीवीए और परिचालनगत लाभ कम हुए। विनिर्माण कंपनियों द्वारा वहन की गई इनपुट लागत के ति3: 2017-18 तक भी कम होने के आसार नहीं थे, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक कच्चे माल (आईआरएम) की स्फीति के मजबूत होने के अनुरूप था। (चार्ट 7)।

उद्योग में सीआरएम वृद्धि के पृथककरण से पता चलता है कि ति3: 2017-18 में इसका एक बड़ा हिस्सा मोटर वाहन, लोहा एवं इस्पात, और पेट्रोलियम उत्पाद उद्योगों से उत्पन्न हुआ है।

उत्पादन के लिए धातु और कच्चे पेट्रोलियम का आयात करने वाले उद्योगों की सीआरएम वृद्धि गतिविधि

चार्ट 8ए: पेट्रोलियम सीआरएम वृद्धि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सूचकांक मुद्रास्फीति

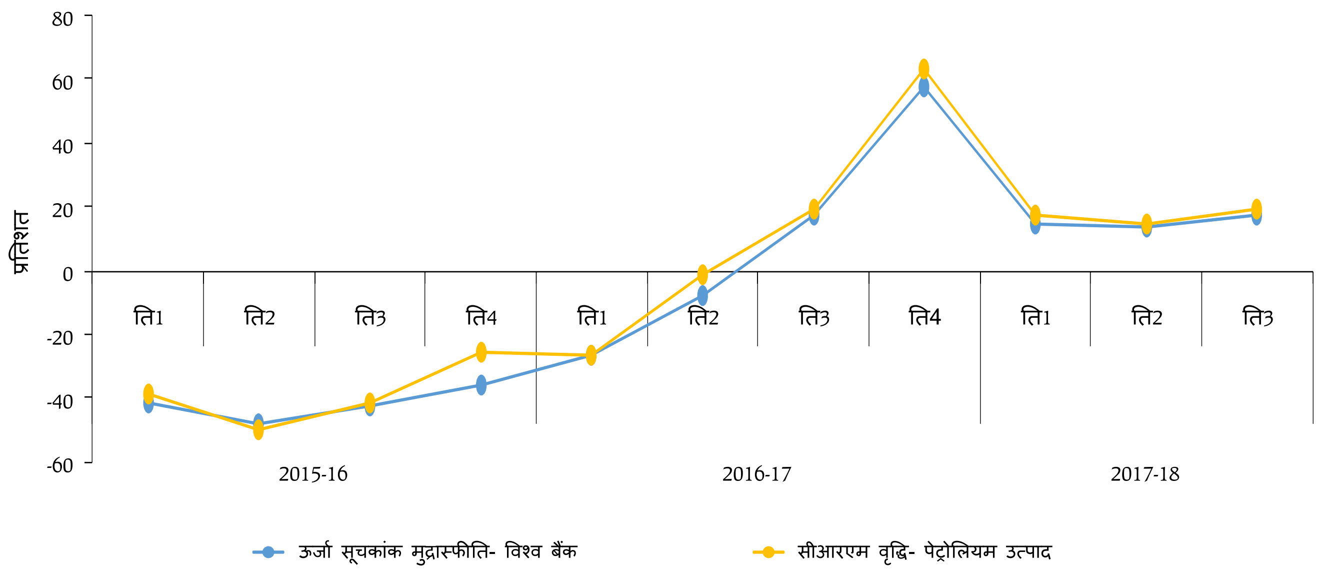

चार्ट 8बी: लौह एवं स्टील सीआरएम वृद्धि अंतरराष्ट्रीय धातु सूचकांक मुद्रास्फीति

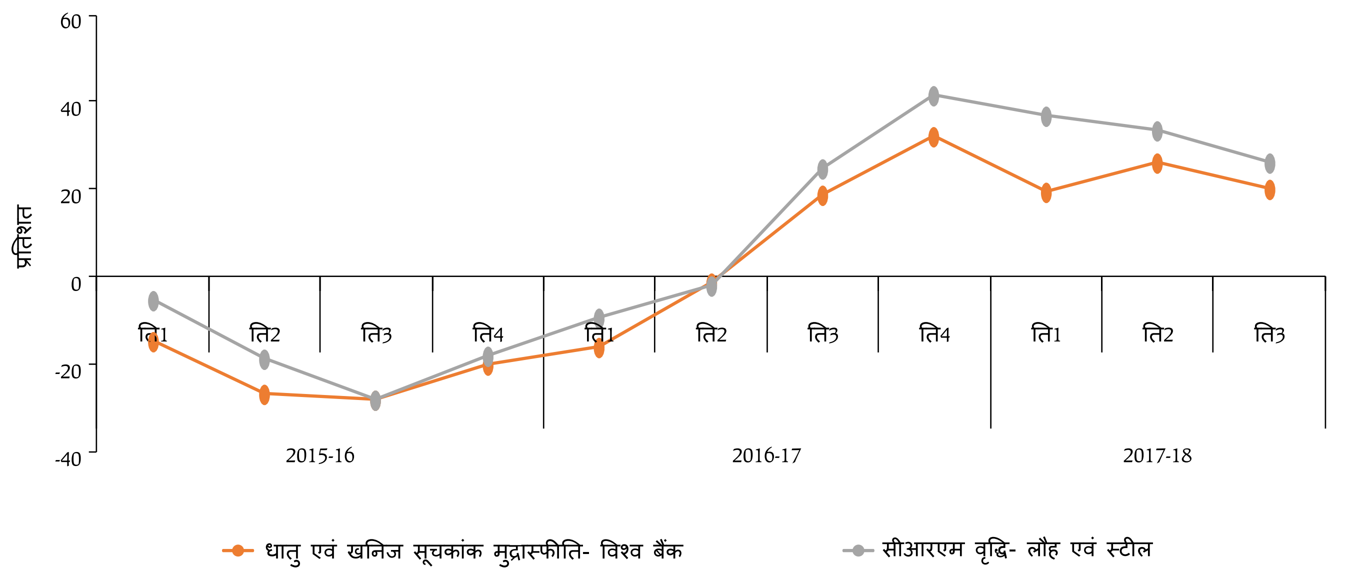

अंतरराष्ट्रीय धातु और ऊर्जा सूचकांक मुद्रास्फीति के अनुसार ही चली (चार्ट 8ए एवं 8बी)।

5. निष्कर्ष

वर्ष 2016-17 में कॉर्पोरेट क्षेत्र की विक्रय संवृद्धि में आई बहाली मजबूत हुई और चालू वर्ष में अब तक जारी है। विनिर्माण क्षेत्र की सांकेतिक जीवीए वृद्धि इनपुट लागत दबाव के कारण ति1: 2017-18 में नकारात्मक हो गई थी और उत्पादन की स्थिर वृद्धि के कारण यह बहाल हुई। जहां विमुद्रीकरण से टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं और गैर-टिकाऊ वस्तुओं की मांग प्रभावित हुई, वहीं टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री अस्थायी गिरावट के बाद फिर से बहाल हो गई और गैर-टिकाऊ उपभोक्ता कंपनियों की सेहत में सुधार के कोई संकेत नहीं थे। विनिर्माण क्षेत्र में क्षमता के कम उपयोग के कारण काफी डीलीवरेजिंग हुई और अचल आस्तियों में निवेश कम हुआ, क्योंकि कंपनियों ने वित्तीय और चलनिधि आस्तियों में निवेश को तरजीह दी। अत्यधिक कर्ज में डूबी विनिर्माण कंपनियों द्वारा डीलीवरेज किए जाने का रूपान्तरण आगामी वर्षों में इस क्षेत्र की बेहतर जोखिम प्रोफाइल में होना चाहिए। तथापि, स्वस्थ कंपनियों द्वारा अचल आस्तियों के बजाए अन्य निवेश चैनलों को तरजीह दिया जाना शायद अर्थव्यवस्था में लेनदेन लागत के उद्देश्य और उधार की कम मांग की ओर संकेत करते हैं। सूचीबद्ध विनिर्माण कंपनियों ने छमाही1: 2017-18 में मौजूदा आस्तियों को कम कर दिया है और दीर्घकालिक निवेश को बढ़ा दिया है, जो संभवतः पूंजीगत व्यय चक्र में बहाली की ओर संकेत कर रहा है। आने वाली तिमाहियों में निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र के प्रदर्शन के लिए मांग परिदृश्य में और सुधार महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इनपुट लागत दबावों से राहत के कोई संकेत नहीं हैं।

संदर्भ

1. Banca d'Italia (2017), *Financial Stability Report*, November.

2. Deutsche Bundesbank (2017), *Corporate Financial Statements*.

3. International Monetary Fund (2017), *Global Financial Stability Report*, April.

4. Reserve Bank of Australia (2017), *Conditions in China's Listed Corporate Sector*, Bulletin June.

5. Reserve Bank of India (2011), *Compendium on Private Corporate Business Sector in India - Select Financial Statistics*, 1950-51 to 2008-09.

6. Securities and Exchange Board of India (2016), *Revised Formats for Financial Results and Implementation of Ind-AS by Listed Entities*.

वर्तमान सांख्यिकी

चुनिंदा आर्थिक संकेतक

भारतीय रिज़र्व बैंक

मुद्रा और बैंकिंग

मूल्य और उत्पादन

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

वित्तीय बाजार

बाह्य क्षेत्र

भुगतान और निपटान प्रणालियाँ

अवसरिक श्रृंखलाएं

विषयवस्तु

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
1	चुनिंदा आर्थिक संकेतक	29
	भारतीय रिज़र्व बैंक	
2	भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां	30
3	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन	31
4	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डालर का क्रय/विक्रय	32
4ए	भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	33
5	भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं	33
	मुद्रा और बैंकिंग	
6	मुद्रा स्टॉक मात्रा	34
7	मुद्रा स्टॉक (एम$_3$) के स्रोत	35
8	मौद्रिक सर्वेक्षण	36
9	कुल चलनिधि राशियां	36
10	भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण	37
11	आरक्षित मुद्रा- घटक और स्रोत	37
12	वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण	38
13	अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश	38
14	भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	39
15	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन	40
16	सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन	41
17	भारतीय रिज़र्व बैंक में खाते रखने वाले राज्य सहकारी बैंक	42
	मूल्य और उत्पादन	
18	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधारः 2012=100)	43
19	अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	43
20	मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य	43
21	थोक मूल्य सूचकांक	44
22	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधारः 2011-12=100)	47
	सरकारी खाते और खज़ाना बिल	
23	केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में	47
24	खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप	48
25	खज़ाना बिलों की नीलामी	48
	वित्तीय बाजार	
26	दैनिक मांग मुद्रा दरें	49
27	जमाराशि प्रमाण-पत्र	50
28	वाणिज्यिक पत्र	50
29	चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर	50
30	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम	51

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
	बाह्य क्षेत्र	
31	विदेशी व्यापार	52
32	विदेशी मुद्रा भंडार	52
33	अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां	52
34	विदेशी निवेश अंतर्वाह	53
35	निवासी भारतीयों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना के अंतर्गत जावक विप्रेषण	53
36	भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर (एनईईआर) सूचकांक	54
37	बाह्य वाणिज्यिक उधार	54
38	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	55
39	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (बिलियन ₹)	56
40	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (मिलियन अमेरिकी डॉलर में)	57
41	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (बिलियन ₹ में)	58
42	अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति	59
भुगतान और निपटान प्रणालियाँ		
43	भुगतान प्रणाली संकेतक	60
अवसरिक श्रृंखलाएं		
44	लघु बचत	61
45	केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप	62
46	केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण	63
47	विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता	64
48	राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश	65
49	राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां	66

टिप्पणियां: .. = उपलब्ध नहीं।
– = शून्य/नगण्य
प्रा/अ = प्रारंभिक/अनंतिम आंसं = आंशिक रूप से संशोधित

सं. 1: चुनिंदा आर्थिक संकेतक

मद	2017-18	2016-17		2017-18	
		ति3	ति4	ति3	ति4
	1	2	3	4	5
1 वस्तु क्षेत्र (% परिवर्तन)					
1.1 आधार मूल्यों पर जीवीए	6.5	6.9	6.0	6.6	7.6
1.1.1 कृषि	3.4	7.5	7.1	3.1	4.5
1.1.2 उद्योग	5.5	8.8	8.1	7.3	8.0
1.1.3 सेवाएं	7.6	6.0	4.9	7.5	8.2
1.1क अंतिम खपत व्यय	7.2	9.7	6.4	6.0	8.1
1.1ख सकल नियत पूंजी निर्माण	7.6	8.7	6.0	9.1	14.4
	2017-18	**2017**		**2018**	
		मार्च	**अप्रैल**	**मार्च**	**अप्रैल**
	1	2	3	4	5
1.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	4.3	4.4	3.2	4.4	-
2 मुद्रा और बैंकिंग (% परिवर्तन)					
2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक					
2.1.1 जमाराशियां	6.2	11.3	10.9	6.2	8.2
2.1.2 ऋण	10.0	4.5	4.8	10.0	12.6
2.1.2.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	10.2	5.2	5.6	10.2	12.7
2.1.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	9.5	17.4	18.2	9.5	5.9
2.2 मुद्रा स्टॉक मात्रा					
2.2.1 आरक्षित मुद्रा (एम0)	27.4	-12.9	-10.6	27.4	27.0
2.2.2 स्थूल मुद्रा (एम3)	9.6	10.6	7.1	9.6	10.6
3 अनुपात (%)					
3.1 आरक्षित नकदी निधि अनुपात	4.00	4.00	4.00	4.00	4.00
3.2 सांविधिक चलनिधि अनुपात	19.50	20.50	20.50	19.50	19.50
3.3 नकदी-जमा अनुपात	5.1	5.3	4.8	5.1	5.1
3.4 ऋण-जमा अनुपात	75.5	72.9	71.8	75.5	74.7
3.5 वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात	117.3	41.4	**	117.3	**
3.6 निवेश-जमा अनुपात	29.0	28.2	30.1	29.0	29.5
3.7 वृद्धिशील निवेश-जमा अनुपात	43.0	28.4	*	43.0	*
4 ब्याज दरें (%)					
4.1 नीति रिपो दर	6.00	6.25	6.25	6.00	6.00
4.2 रिवर्स रिपो दर	5.75	5.75	6.00	5.75	5.75
4.3 सीमांत स्थायी सुविधा दर	6.25	6.75	6.50	6.25	6.25
4.4 बैंक दर	6.25	6.75	6.50	6.25	6.25
4.5 आधार दर	8.65/9.45	9.25/9.60	9.10/9.60	8.65/9.45	8.70/9.45
4.6 एमसीएलआर (एक दिन के लिए)	7.80/7.95	7.75/8.20	7.75/8.20	7.80/7.95	7.80/7.95
4.7 एक वर्ष से अधिक की मीयादी जमा दर	6.25/6.75	6.50/7.00	6.50/7.00	6.25/6.75	6.25/6.75
4.8 बचत जमा दर	3.50/4.00	4.00	4.00	3.50/4.00	3.50/4.00
4.9 मांग मुद्रा दर (भारित औसत)	5.94	5.97	6.00	6.15	5.92
4.10 91-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	6.11	5.82	6.19	6.11	6.19
4.11 182-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	6.33	6.05	6.31	6.33	6.42
4.12 364-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	6.49	6.14	6.45	6.49	6.63
4.13 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों पर आय (एफबीआईएल)	7.42	7.08	7.20	7.42	7.80
5 आरबीआई संदर्भ दर और फारवर्ड प्रीमिआ					
5.1 भा.रु.-अमेरिकी डालर हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	65.04	64.84	64.22	65.04	66.78
5.2 भा.रु.-यूरो हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	80.62	69.25	69.88	80.62	80.74
5.3 फारवर्ड प्रीमिआ अमेरिकी डालर 1-माह (%)	4.61	5.09	5.61	4.61	4.22
3-माह (%)	4.37	4.97	5.23	4.37	3.89
6-माह (%)	4.21	4.90	5.15	4.21	3.97
6 मुद्रास्फीति (%)					
6.1 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	3.6	3.9	3.0	4.3	4.6
6.2 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	3.1	2.6	2.2	4.4	4.0
6.3 थोक मूल्य सूचकांक	2.8	5.1	3.9	2.5	3.2
6.3.1 प्राथमिक वस्तुएं	1.4	3.3	1.4	0.2	1.4
6.3.2 ईंधन और पावर	7.9	22.4	17.8	4.7	7.9
6.3.3 विनिर्मित उत्पाद	2.6	3.2	2.9	3.0	3.1
7 विदेशी व्यापार (% परिवर्तन)					
7.1 आयात	20.2	46.3	47.5	7.1	4.6
7.2 निर्यात	9.4	27.9	18.1	-0.7	5.2

** हर और अंश नकारात्मक है।
* हर नकारात्मक है।

भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 2: भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां*

(बिलियन ₹)

मद	अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति						
	2017-18	2017	2018				
		मई	अप्रैल 27	मई 4	मई 11	मई 28	मई 25
	1	2	3	4	5	6	7
1 निर्गम विभाग							
1.1 देयताएं							
1.1.1 संचलन में नोट	18,044.21	14,627.57	18,779.71	18,892.52	19,069.29	19,098.45	19,050.56
1.1.2 बैंकिंग विभाग में रखे गए नोट	0.15	0.18	0.12	0.12	0.12	0.13	0.13
1.1/1.2 कुल देयताएं (जारी किए गए कुल नोट) या आस्तियां	**18,044.35**	**14,627.75**	**18,779.84**	**18,892.64**	**19,069.41**	**19,098.57**	**19,050.69**
1.2 आस्तियां							
1.2.1 सोने के सिक्के और बुलियन	733.81	687.79	729.00	753.79	753.79	753.79	753.79
1.2.2 विदेशी प्रतिभूतियां	17,303.70	13,933.04	18,044.31	18,132.37	18,309.22	18,335.45	18,287.61
1.2.3 रुपया सिक्का	6.83	6.93	6.52	6.48	6.40	9.33	9.29
1.2.4 भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां	–	–	–	–	–	–	–
2 बैंकिंग विभाग							
2.1 देयताएं							
2.1.1 जमाराशियां	9,854.75	9,312.46	6,496.95	6,233.17	6,045.77	6,253.59	6,106.02
2.1.1.1 केंद्र सरकार	68.08	1.00	1.01	1.01	1.00	1.00	1.00
2.1.1.2 बाजार स्थिरीकरण योजना	–	946.73	–	–	–	–	–
2.1.1.3 राज्य सरकारें	6.51	0.42	0.43	0.42	0.42	0.42	0.43
2.1.1.4 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	5,256.86	4,329.50	4,900.62	4,718.50	4,568.88	4,921.30	4,708.54
2.1.1.5 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	48.28	38.26	42.50	35.78	37.01	36.58	37.30
2.1.1.6 गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	25.49	16.91	20.63	20.05	20.11	20.14	19.44
2.1.1.7 अन्य बैंक	305.66	253.53	281.01	269.73	270.92	270.92	268.19
2.1.1.8 अन्य	4,143.89	3,726.10	1,250.76	1,187.67	1,147.42	1,003.22	1,071.12
2.1.1.9 भारत के बाहर के वित्तीय संस्थान	–	–	–	–	–	–	–
2.1.2 अन्य देयताएं	9,141.27	8,565.84	9,801.78	9,642.13	9,856.78	10,096.33	10,170.51
2.1/2.2 कुल देयताएं या आस्तियां	**18,996.03**	**17,878.30**	**16,298.72**	**15,875.30**	**15,902.55**	**16,349.92**	**16,276.53**
2.2 आस्तियां							
2.2.1 नोट और सिक्के	0.15	0.18	0.12	0.12	0.12	0.13	0.13
2.2.2 विदेश में रखे शेष	8,887.95	9,200.77	8,584.90	8,387.44	8,311.13	8,395.45	8,409.65
2.2.3 ऋण और अग्रिम							
2.2.3.1 केन्द्र सरकार	–	348.55	–	–	–	–	–
2.2.3.2 राज्य सरकारें	7.39	10.16	–	3.70	25.83	41.45	13.11
2.2.3.3 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	2,739.78	22.85	475.76	326.47	402.37	644.52	581.79
2.2.3.4 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	0.35	0.35	–	–	–	–	–
2.2.3.5 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.6 नाबार्ड	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.7 एक्ज़िम बैंक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.8 अन्य	106.75	33.41	58.97	61.71	61.54	61.83	60.98
2.2.3.9 भारत के बाहर की वित्तीय संस्थाएं	–	–	–	–	–	–	–
2.2.4 खरीदे और भुनाए गए बिल							
2.2.4.1 आंतरिक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.4.2 सरकारी खज़ाना बिल	–	–	–	–	–	–	–
2.2.5 निवेश	6,369.76	7,482.73	6,290.30	6,183.70	6,184.44	6,286.62	6,287.22
2.2.6 अन्य आस्तियां	883.90	779.30	888.68	912.16	917.12	919.93	923.66
2.2.6.1 सोना	673.37	624.73	670.18	692.76	694.51	695.39	695.39

*डाटा अनंतिम है।

सं. 3: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन

(बिलियन ₹)

दिनांक	चलनिधि समायोजन सुविधा				एमएसएफ	स्थायी चलनिधि सुविधाएं	बाज़ार स्थिरीकरण योजना	ओएमओ (एकमुश्त)		निवल अंतर्वेशन (+)/ अवशोषण (-) (1+3+5+6+9-2-4-7-8)
	रिपो	रिवर्स रिपो	परिवर्तन-शील रिपो दर	परिवर्तन-शील रिवर्स रिपो दर				विक्रय	क्रय	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
अप्रैल 2, 2018	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
अप्रैल 3, 2018	34.30	568.40	144.50	1,863.66	37.65	–3.19	–	–	–	–2,218.80
अप्रैल 4, 2018	36.10	936.02	–	373.23	8.00	–	–	–	–	–1,265.15
अप्रैल 5, 2018	37.50	510.39	–	400.22	–	–	–	–	–	–873.11
अप्रैल 6, 2018	36.23	344.85	45.75	354.90	13.00	–	–	–	–	–604.77
अप्रैल 7, 2018	2.40	164.36	–	–	11.65	–	–	–	–	–150.31
अप्रैल 9, 2018	35.35	224.67	–	52.12	16.00	–	–	–	–	–225.44
अप्रैल 10, 2018	64.75	157.31	25.50	171.58	6.00	–2.07	–	–	–	–234.71
अप्रैल 11, 2018	38.10	396.04	–	266.18	0.01	–	–	–	–	–624.11
अप्रैल 12, 2018	27.60	518.60	–	318.30	–	–	–	–	–	–809.30
अप्रैल 13, 2018	45.85	325.99	69.18	205.05	13.80	–	–	–	–	–402.21
अप्रैल 16, 2018	86.10	123.69	–	13.33	6.00	–1.95	–	–	–	–46.87
अप्रैल 17, 2018	37.05	88.59	41.00	153.90	3.50	0.15	–	–	–	–160.79
अप्रैल 18, 2018	36.35	54.97	–	382.81	0.35	1.80	–	–	–	–399.28
अप्रैल 19, 2018	103.35	45.91	–	140.00	4.76	–	–	–	–	–77.80
अप्रैल 20, 2018	172.82	32.62	42.50	–	3.00	3.15	–	–	–	188.85
अप्रैल 21, 2018	27.15	51.71	–	–	5.50	–	–	–	–	–19.06
अप्रैल 23, 2018	120.10	95.32	200.02	–	0.90	–	–	–	–	225.70
अप्रैल 24, 2018	110.95	152.73	421.79	–	–	–1.10	–	–	–	378.91
अप्रैल 25, 2018	90.20	170.40	–	–	1.30	1.35	–	–	–	–77.55
अप्रैल 26, 2018	122.90	149.65	–	400.05	–	–	–	–	–	–426.80
अप्रैल 27, 2018	189.26	248.20	85.50	73.90	31.15	–	–	–	–	–16.19
अप्रैल 30, 2018	–	73.25	–	–	38.62	–	–	–	–	–34.63

सं. 4ः भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डालर का क्रय-विक्रय

i) ओटीसी सेगमेन्ट में परिचालन

मद	2017-18	2017	2018	
		अप्रैल	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डालर) (1.1-1.2)	33,689.00	566.00	996.00	–2,483.00
1.1 क्रय (+)	52,068.00	1,751.00	3,328.00	5,536.00
1.2 विक्रय (-)	18,379.00	1,185.00	2,332.00	8,019.00
2 संविदा दर पर ₹ के बराबर (बिलियन ₹)	2,228.28	38.07	71.10	–160.00
3 संचयी (मार्च के अंत से) (मिलियन अमेरिकी डालर)	–	566.00	33,689.00	–2,483.00
(बिलियन ₹)	–	38.07	2,228.27	–160.00
4 माह के अंत में बकाया निवल वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डालर)	20,853.00	13,553.00	20,853.00	17,393.00

ii) मुद्रा फ्यूचर्स सेगमेन्ट में परिचालन

मद	2017-18	2017	2018	
		अप्रैल	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डालर) (1.1-1.2)	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1 क्रय (+)	3,935.00	0.00	1,005.00	1,890.00
1.2 विक्रय (-)	3,935.00	0.00	1,005.00	1,890.00
2 माह के अंत में बकाया निवल मुद्रा वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डालर)	0.00	0.00	0.00	–845.00

सं. 4ए: भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	30 अप्रैल 2018 तक		
	दीर्घ (+)	अल्प (-)	निवल (1-2)
	1	2	3
1. 1 माह तक	4,101	1,616	2,458
2. 1 माह से अधिक और 3 माह तक	8,149	1,877	6,272
3. 3 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	10,369	2,133	8,236
4. 1 वर्ष से अधिक	400	0	400
कुल (1+2+3+4)	**23,019**	**5,626**	**17,393**

सं. 5: भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार की स्थिति							
	2017-18	2017		2018				
		मई 26	दिसं. 22	जन. 19	फर. 16	मार्च 30	अप्रैल 27	मई 25
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 सीमांत स्थायी सुविधा	–	0.4	4.9	–	4.5	–	31.2	–
2 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के लिए निर्यात ऋण पुर्नवित्त								
2.1 सीमा	–	–	–	–	–	–	–	–
2.2 बकाया	–	–	–	–	–	–	–	–
3 प्राथमिक व्यापारियों के लिए चलनिधि सुविधा								
3.1 सीमा	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0
3.2 बकाया	25.4	17.8	20.8	9.8	12.0	25.4	23.5	23.3
4 अन्य								
4.1 सीमा	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 बकाया	–	–	–	–	–	–	–	–
5 कुल बकाया (1+2.2+3.2+4.2)	25.4	18.2	25.6	9.8	16.6	25.4	54.7	23.3

मुद्रा और बैंकिंग

सं. 6: मुद्रा स्टॉक मात्रा

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की बकाया स्थिति				
	2017-18	2017	2018		
		अप्रैल 28	मार्च 30	अप्रैल 13	अप्रैल 27
	1	2	3	4	5
1 जनता के पास मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 - 1.4)	17,593.0	13,621.9	17,600.2	18,087.6	18,244.7
1.1 संचलन में नोट	18,037.0	14,069.5	18,044.2	18,476.0	18,779.7
1.2 रुपये सिक्के का संचलन	249.1	244.2	249.1	249.1	249.1
1.3 छोटे सिक्कों का संचलन	7.4	7.4	7.4	7.4	7.4
1.4 बैंकों के पास नकदी	700.5	699.2	700.5	644.9	791.5
2 जनता की जमाराशियां	15,160.9	12,487.3	15,187.9	13,271.3	13,613.9
2.1 बैंकों के पास मांग जमाराशियां	14,921.8	12,310.7	14,921.8	13,043.9	13,393.8
2.2 रिजर्व बैंक के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	176.6	266.0	227.5	220.1
3 एम$_1$ (1+2)	**32,753.9**	**26,109.3**	**32,788.1**	**31,359.0**	**31,858.6**
4 डाकघर बचत बैंक जमाराशियां	1,028.0	931.3	1,028.0	1,028.0	1,028.0
5 एम$_2$ (3+4)	**33,781.8**	**27,040.5**	**33,816.0**	**32,386.9**	**32,886.6**
6 बैंकों के पास मीयादी जमाराशियां	107,360.2	100,729.5	107,360.2	108,283.1	108,452.8
7 एम$_3$ (3+6)	**140,114.1**	**126,838.8**	**140,148.3**	**139,642.1**	**140,311.4**
8 कुल डाकघर जमाराशियां	2,881.4	2,586.2	2,881.4	2,881.4	2,881.4
9 एम$_4$ (7+8)	**142,995.5**	**129,425.0**	**143,029.7**	**142,523.4**	**143,192.8**

सं. 7: मुद्रा स्टॉक (एम$_3$) का स्रोत

(बिलियन ₹)

स्रोत	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017	2018		
		अप्रैल 28	मार्च 30	अप्रैल 13	अप्रैल 27
	1	2	3	4	5
1 सरकार को निवल बैंक ऋण	**40,147.3**	**41,076.0**	**40,043.1**	**42,209.0**	**41,765.8**
1.1 आरबीआई का सरकार को निवल ऋण (1.1.1-1.1.2)	4,759.6	7,196.3	4,655.5	6,182.3	6,001.3
1.1.1 सरकार पर दावे	6,435.6	7,670.8	6,350.3	6,270.2	6,263.1
1.1.1.1 केन्द्र सरकार	6,418.4	7,662.6	6,342.9	6,262.4	6,263.1
1.1.1.2 राज्य सरकारें	17.2	8.3	7.4	7.8	0.0
1.1.2 आरबीआई के पास सरकार की जमाराशियां	1,676.0	474.5	1,694.8	87.9	261.8
1.1.2.1 केन्द्र सरकार	1,675.6	474.1	1,688.3	87.5	261.4
1.1.2.2 राज्य सरकारें	0.4	0.4	6.5	0.4	0.4
1.2 सरकार को अन्य बैंक ऋण	35,387.6	33,879.7	35,387.6	36,026.7	35,764.4
2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	**92,389.0**	**81,481.6**	**92,389.0**	**90,614.4**	**91,199.1**
2.1 आरबीआई का वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	140.3	53.7	140.3	88.0	92.5
2.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को अन्य बैंकों द्वारा दिया गया ऋण	92,248.8	81,427.8	92,248.8	90,526.4	91,106.6
2.2.1 वाणिज्यिक बैंकों द्वारा बैंक ऋण	86,506.8	75,823.9	86,506.8	84,762.8	85,343.5
2.2.2 सहकारी बैंकों द्वारा बैंक ऋण	5,666.0	5,518.1	5,666.0	5,680.1	5,680.4
2.2.3 वाणिज्यिक और सहकारी बैंकों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश	76.0	85.9	76.0	83.4	82.8
3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1 + 3.2)	**28,946.2**	**25,543.0**	**28,935.1**	**29,118.0**	**29,364.7**
3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1.1-3.1.2)	27,607.8	23,932.7	27,596.8	27,779.6	28,026.3
3.1.1 सकल विदेशी आस्तियां	27,609.9	23,934.6	27,598.8	27,781.7	28,028.4
3.1.2 विदेशी देयताएं	2.1	1.9	2.1	2.1	2.1
3.2 अन्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	1,338.4	1,610.2	1,338.4	1,338.4	1,338.4
4 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	**256.5**	**251.6**	**256.5**	**256.5**	**256.5**
5 बैंकिंग क्षेत्र की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	**21,624.9**	**21,513.4**	**21,475.5**	**22,555.8**	**22,274.7**
5.1 आरबीआई की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	9,069.9	8,228.9	8,982.0	9,243.5	9,629.2
5.2 अन्य बैंकों की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं (अवशिष्ट)	12,555.0	13,284.5	12,493.5	13,312.3	12,645.5
एम$_3$ (1+2+3+4-5)	**140,114.1**	**126,838.8**	**140,148.3**	**139,642.1**	**140,311.4**

सं. 8: मौद्रिक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017	2018		
		अप्रैल 28	मार्च 30	अप्रैल 13	अप्रैल 27
	1	2	3	4	5
मौद्रिक समुच्चय					
एन एम$_1$ (1.1 + 1.2.1+1.3)	32,753.9	26,109.3	32,788.1	31,359.0	31,858.6
एन एम$_2$ (एन एम$_1$ + 1.2.2.1)	80,406.1	70,825.2	80,440.3	79,421.8	79,987.8
एन एम$_3$ (एन एम$_2$ + 1.2.2.2 + 1.4 = 2.1 + 2.2 + 2.3 - 2.4 - 2.5)	142,301.6	128,462.9	142,335.8	141,701.5	142,357.8
1 घटक					
1.1 जनता के पास मुद्रा	17,593.0	13,621.9	17,600.2	18,087.6	18,244.7
1.2. निवासियों की कुल जमाराशियां	120,815.7	111,679.5	120,815.7	119,850.1	120,347.7
1.2.1 मांग जमाराशियां	14,921.8	12,310.7	14,921.8	13,043.9	13,393.8
1.2.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	105,893.9	99,368.8	105,893.9	106,806.2	106,953.9
1.2.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	47,652.3	44,716.0	47,652.3	48,062.8	48,129.2
1.2.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	1,931.1	1,779.8	1,931.1	2,153.1	2,160.4
1.2.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	58,241.6	54,652.8	58,241.6	58,743.4	58,824.6
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	176.6	266.0	227.5	220.1
1.4 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	3,653.8	2,984.8	3,653.8	3,536.4	3,545.3
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	140,326.5	129,351.6	140,222.3	141,111.4	141,366.3
2.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	40,147.3	41,076.0	40,043.1	42,209.0	41,765.8
2.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	4,759.6	7,196.3	4,655.5	6,182.3	6,001.3
2.1.1.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा सरकार को ऋण	35,387.6	33,879.7	35,387.6	36,026.7	35,764.4
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	100,179.2	88,275.6	100,179.2	98,902.4	99,600.5
2.1.2.1 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैंक ऋण	140.3	53.7	140.3	88.0	92.5
2.1.2.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	100,039.0	88,221.9	100,039.0	98,814.3	99,508.1
2.1.2.2.1 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियां)	7,728.5	6,718.9	7,728.5	8,206.9	8,314.5
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	256.5	251.6	256.5	256.5	256.5
2.3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	26,931.6	23,605.0	26,920.6	26,771.7	26,837.2
2.3.1 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	27,607.8	23,932.7	27,596.8	27,779.6	28,026.3
2.3.2 बैंकिंग प्रणाली की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	–676.2	–327.8	–676.2	–1,007.9	–1,189.1
2.4 पूंजी खाता	20,705.2	18,292.0	20,717.1	21,051.5	21,697.9
2.5 अन्य मदें (निवल)	4,507.8	6,453.4	4,346.5	5,386.6	4,404.3

सं. 9: कुल चलनिधि राशियां

(बिलियन ₹)

समुच्चय	2017-18	2017	2018		
		अप्रैल	फर.	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4	5
1 एन एम$_3$	**142,301.6**	**128,462.9**	**137,456.3**	**142,301.6**	**142,357.8**
2 डाकघर जमाराशियां	2,881.4	2,586.2	2,881.4	2,881.4	2,881.4
3 एल$_1$ (1 + 2)	**145,183.0**	**131,049.1**	**140,337.7**	**145,183.0**	**145,239.2**
4 वित्तीय संस्थाओं की देयताएं	29.3	29.3	29.3	29.3	29.3
4.1 सावधि मुद्रा उधार	26.6	26.6	26.6	26.6	26.6
4.2 जमा प्रमाण-पत्र	0.3	0.3	0.3	0.3	0.3
4.3 सावधि जमाराशियां	2.5	2.5	2.5	2.5	2.5
5 एल$_2$ (3 + 4)	**145,212.3**	**131,078.4**	**140,367.1**	**145,212.3**	**145,268.5**
6 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास जनता की जमाराशियां	313.6	..	..	313.6	..
7 एल$_3$ (5 + 6)	**145,525.9**	..	..	**145,525.9**	..

सं. 10: भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹))

मद	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017	2018		
		अप्रैल 28	मार्च 30	अप्रैल 13	अप्रैल 27
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 संचलन में मुद्रा	18,293.5	14,321.1	18,300.7	18,732.5	19,036.2
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,655.3	4,793.6	5,636.3	4,861.0	5,244.8
1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	5,269.1	4,482.1	5,256.9	4,533.6	4,900.6
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	176.6	266.0	227.5	220.1
आरक्षित मुद्रा (1.1+1.2+1.3=2.1+2.2+2.3-2.4-2.5)	24,187.8	19,291.4	24,203.0	23,820.9	24,501.1
2 स्रोत					
2.1 भा.रि.बैं.के देशी ऋण	5,393.4	3,335.9	5,331.7	5,028.3	5,847.4
2.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	4,759.6	7,196.3	4,655.5	6,182.3	6,001.3
2.1.1.1 केन्द्र सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण (2.1.1.1.1+2.1.1.1.2+2.1.1.1.3+2.1.1.1.4-2.1.1.1.5)	4,742.9	7,188.5	4,654.6	6,174.9	6,001.8
2.1.1.1.1 केन्द्र सरकार को ऋण और अग्रिम	–	157.4	–	–	–
2.1.1.1.2 खज़ाना बिलों में निवेश	–	–	–	–	–
2.1.1.1.3 दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	6,411.5	7,497.4	6,336.1	6,255.6	6,256.6
2.1.1.1.3.1 केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	6,411.5	7,497.4	6,336.1	6,255.6	6,256.6
2.1.1.1.4 रुपया सिक्के	6.9	7.7	6.8	6.8	6.5
2.1.1.1.5 केन्द्र सरकार की जमाराशियां	1,675.6	474.1	1,688.3	87.5	261.4
2.1.1.2 राज्य सरकारों को निवल भा.रि.बैं. ऋण	16.8	7.8	0.9	7.4	-0.4
2.1.2 बैंकों पर भा.रि.बैं. के दावे	493.5	-3,914.2	536.0	-1,242.1	-246.4
2.1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को ऋण और अग्रिम	493.5	-3,914.2	535.7	-1,242.1	-246.4
2.1.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैं. के ऋण	140.3	53.7	140.3	88.0	92.5
2.1.3.1 प्राथमिक व्यापारियों को ऋण और अग्रिम	25.4	11.6	25.4	20.1	23.5
2.1.3.2 नाबार्ड को ऋण और अग्रिम	–	–	–	–	–
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	256.5	251.6	256.5	256.5	256.5
2.3 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	27,607.8	23,932.7	27,596.8	27,779.6	28,026.3
2.3.1 सोना	1,397.4	1,288.3	1,407.2	1,397.4	1,399.2
2.3.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	26,210.6	22,644.6	26,189.8	26,382.4	26,627.3
2.4 पूंजी खाता	8,584.3	7,378.5	8,596.1	8,740.7	9,155.6
2.5 अन्य मदें (निवल)	485.6	850.4	385.8	502.8	473.6

सं. 11: आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत

(बिलियन ₹)

मद	2017-18	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया					
		2017	2018				
		अप्रैल 28	मार्च 30	अप्रैल 6	अप्रैल 13	अप्रैल 20	अप्रैल 27
	1	2	3	4	5	6	7
आरक्षित मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 = 2.1 + 2.2 + 2.3 + 2.4 + 2.5 - 2.6)	24,187.8	19,291.4	24,203.0	23,511.4	23,820.9	24,287.1	24,501.3
1 घटक							
1.1 संचलन में मुद्रा	18,293.5	14,321.1	18,300.7	18,425.7	18,732.5	18,896.1	19,036.5
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,655.3	4,793.6	5,636.3	4,868.0	4,861.0	5,175.6	5,244.8
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	176.6	266.0	217.7	227.5	215.4	220.1
2 स्रोत							
2.1 सरकार को निवल रिज़र्व बैंक ऋण	4,759.6	7,196.3	4,655.5	5,352.8	6,182.3	5,771.0	6,001.3
2.2 बैंकों को रिज़र्व बैंक ऋण	493.5	-3,914.2	536.0	-761.9	-1,242.1	-298.9	-246.4
2.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को रिज़र्व बैंक ऋण	140.3	53.7	140.3	123.7	88.0	94.9	92.5
2.4 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	27,607.8	23,932.7	27,596.8	27,606.8	27,779.6	27,934.5	28,026.3
2.5 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	256.5	251.6	256.5	256.4	256.5	256.7	256.8
2.6 भा.रि.बैं. की निवल गैर मौद्रिक देयताएं	9,069.9	8,228.9	8,982.0	9,066.4	9,243.5	9,471.1	9,629.2

सं. 12: वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	माह के नियत अंतिम शुक्रवार / माह के नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017	2018		
		अप्रैल 28	मार्च 30	अप्रैल 13	अप्रैल 27
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 निवासियों की कुल जमाराशियां	113,286.6	104,283.4	113,286.6	112,320.6	112,814.3
1.1.1 मांग जमाराशियां	13,787.5	11,177.2	13,787.5	11,909.6	12,260.3
1.1.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	99,499.0	93,106.2	99,499.0	100,411.0	100,554.0
1.1.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	44,774.6	41,897.8	44,774.6	45,185.0	45,249.3
1.1.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	1,931.1	1,779.8	1,931.1	2,153.1	2,160.4
1.1.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	54,724.5	51,208.4	54,724.5	55,226.1	55,304.7
1.2 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	3,653.8	2,984.8	3,653.8	3,536.4	3,545.3
स्रोत					
2.1 देशी ऋण	127,527.1	114,361.7	127,527.1	126,919.2	127,363.1
2.1.1 सरकार को ऋण	33,307.3	31,812.3	33,307.3	33,944.1	33,694.1
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	94,219.8	82,549.5	94,219.8	92,975.2	93,669.0
2.1.2.1 बैंक ऋण	86,506.8	75,823.9	86,506.8	84,762.8	85,343.5
2.1.2.1.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	86,086.9	75,267.1	86,086.9	84,443.1	84,823.1
2.1.2.2 प्राथमिक व्यापारियों को निवल ऋण	64.3	77.7	64.3	83.7	89.5
2.1.2.3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	9.8	18.5	9.8	11.4	11.1
2.1.2.4 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में)	7,638.9	6,629.3	7,638.9	8,117.3	8,224.9
2.2 वाणिज्यिक बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (2.2.1-2.2.2-2.2.3)	–676.2	–327.8	–676.2	–1,007.9	–1,189.1
2.2.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	2,018.0	1,715.6	2,018.0	1,690.1	1,584.3
2.2.2 अनिवासी विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तनीय मीयादी जमाराशियां	1,466.3	1,360.7	1,466.3	1,476.9	1,499.0
2.2.3 समुद्रपार विदेशी मुद्रा उधार	1,227.9	682.7	1,227.9	1,221.1	1,274.5
2.3 निवल बैंक रिज़र्व (2.3.1+2.3.2-2.3.3)	5,326.0	8,995.7	5,326.0	6,326.4	5,841.1
2.3.1 भा.रि.बैं. के पास शेष	5,256.9	4,482.1	5,256.9	4,533.6	4,900.6
2.3.2 उपलब्ध नकदी	604.8	599.4	604.8	550.7	694.1
2.3.3 भा.रि.बैं. से ऋण और अग्रिम	535.7	–3,914.2	535.7	–1,242.1	–246.4
2.4 पूंजी खाता	11,879.3	10,671.8	11,879.3	12,069.1	12,300.6
2.5 अन्य मदें (निवल) (2.1+2.2+2.3-2.4-1.1-1.2)	3,357.3	5,089.7	3,357.3	4,311.6	3,354.8
2.5.1 अन्य मांग और मीयादी देयताएं (2.2.3 का निवल)	4,377.3	3,943.6	4,377.3	3,594.6	3,727.0
2.5.2 निवल अंतर-बैंक देयताएं (प्राथमिक व्यापारियों से इतर)	–419.5	–31.8	–419.5	–448.2	–435.5

सं. 13ः अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश

(बिलियन ₹)

मद	30 मार्च, 2018 की स्थिति	2017	2018		
		अप्रैल 28	मार्च 30	अप्रैल 13	अप्रैल 27
	1	2	3	4	5
1 एसएलआर प्रतिभूतियां	33,184.5	31,830.8	33,184.5	33,955.5	33,705.2
2 वाणिज्यिक पत्र	1,159.4	1,117.3	1,159.4	1,163.0	1,304.1
3 निम्नलिखित द्वारा जारी शेयर					
3.1 सरकारी उद्यम	118.7	95.4	118.7	118.7	118.9
3.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	745.3	591.2	745.3	749.4	743.3
3.3 अन्य	42.1	48.2	42.1	54.5	41.9
4 निम्नलिखित द्वारा जारी बांड / डिबेंचर					
4.1 सरकारी उद्यम	1,399.7	1,100.3	1,399.7	1,319.5	1,269.3
4.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	2,222.3	1,564.4	2,222.3	2,181.8	2,185.8
4.3 अन्य	994.6	755.7	994.6	1,048.8	1,123.8
5 निम्नलिखित द्वारा जारी लिखत					
5.1 म्यूचुअल फंड	177.3	642.1	177.3	623.8	602.1
5.2 वित्तीय संस्थाएं	895.8	827.4	895.8	857.7	835.6

सं. 14: भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में) /नियत शुक्रवार की स्थिति							
	सभी अनुसूचित बैंक				सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक			
	2017-18	2017	2018		2017-18	2017	2018	
		अप्रैल	मार्च	अप्रैल		अप्रैल	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4	5	6	7	8
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	223	215	223	223	149	144	149	149
1 बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएं	**2,344.9**	**2,454.1**	**2,344.9**	**2,547.5**	**2,282.0**	**2,389.8**	**2,282.0**	**2,488.6**
1.1 बैंकों से मांग और मीयादी जमाराशियां	1,667.5	1,726.8	1,667.5	1,572.5	1,615.6	1,664.0	1,615.6	1,522.8
1.2 बैंकों से उधार राशि	611.7	688.3	611.7	792.9	601.2	687.7	601.2	785.1
1.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	65.7	39.0	65.7	182.1	65.2	38.2	65.2	180.7
2 अन्य के प्रति देयताएं	**126,658.9**	**116,243.9**	**126,658.9**	**126,025.9**	**123,506.3**	**113,255.2**	**123,506.3**	**122,859.9**
2.1 कुल जमाराशियां	117,285.4	108,505.8	117,285.4	117,340.0	114,260.5	105,644.1	114,260.5	114,313.2
2.1.1 मांग	13,994.8	11,437.6	13,994.8	12,540.6	13,702.8	11,177.2	13,702.8	12,260.3
2.1.2 मीयादी	103,290.6	97,068.2	103,290.6	104,799.5	100,557.7	94,466.9	100,557.7	102,052.9
2.2 उधार	3,693.9	3,019.0	3,693.9	3,594.0	3,657.1	2,984.8	3,657.1	3,545.3
2.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	5,679.7	4,719.2	5,679.7	5,091.9	5,588.7	4,626.2	5,588.7	5,001.4
3 रिज़र्व बैंक से उधार	**2,740.1**	**18.3**	**2,740.1**	**475.8**	**2,739.8**	**18.3**	**2,739.8**	**475.8**
3.1 मीयादी बिल / वचन पत्रों की जमानत पर	–	–	–	–	–	–	–	–
3.2 अन्य	2,740.1	18.3	2,740.1	475.8	2,739.8	18.3	2,739.8	475.8
4 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	6,029.2	5,225.7	6,029.2	5,747.3	5,857.5	5,081.6	5,857.5	5,594.7
4.1 उपलब्ध नकदी	616.3	618.6	616.3	711.5	600.65	599.4	600.6	694.1
4.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	5,412.9	4,607.1	5,412.9	5,035.8	5,256.9	4,482.1	5,256.9	4,900.6
5 बैंकिंग प्रणाली के पास आस्तियां	**3,011.8**	**2,965.1**	**3,011.8**	**3,405.7**	**2,614.6**	**2,499.3**	**2,614.6**	**3,013.7**
5.1 अन्य बैंकों के पास शेष	2,041.9	1,935.2	2,041.9	2,205.6	1,860.5	1,756.0	1,860.5	2,032.7
5.1.1 चालू खाते में	156.0	151.7	156.0	114.9	123.1	131.9	123.1	96.4
5.1.2 अन्य खातों में	1,885.9	1,783.5	1,885.9	2,090.6	1,737.4	1,624.1	1,737.4	1,936.3
5.2 मांग और अल्पसूचना पर मुद्रा	360.5	372.3	360.5	602.2	182.4	170.7	182.4	431.9
5.3 बैंकों को अग्रिम	284.1	356.2	284.1	300.6	282.0	355.3	282.0	288.9
5.4 अन्य आस्तियां	325.3	301.3	325.3	297.4	289.6	217.4	289.6	260.2
6 निवेश	**34,124.7**	**32,691.5**	**34,124.7**	**34,640.9**	**33,184.5**	**31,830.8**	**33,184.5**	**33,705.2**
6.1 सरकारी प्रतिभूतियां	34,067.4	32,666.2	34,067.4	34,577.5	33,174.1	31,812.3	33,174.1	33,694.1
6.2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	57.3	25.3	57.3	63.4	10.5	18.5	10.5	11.1
7 बैंक ऋण	**88,785.3**	**78,172.1**	**88,785.3**	**87,921.8**	**86,254.2**	**75,823.9**	**86,254.2**	**85,343.5**
7क खाद्यान्न ऋण	611.4	749.2	611.4	750.6	419.9	556.8	419.9	520.4
7.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	86,451.5	76,069.5	86,451.5	85,734.4	83,984.8	73,783.6	83,984.8	83,216.8
7.2 देशी बिल - खरीदे गए	230.3	233.6	230.3	223.3	203.9	216.6	203.9	198.1
7.3 देशी बिल- भुनाए गए	1,417.3	1,289.9	1,417.3	1,358.1	1,387.5	1,251.2	1,387.5	1,330.1
7.4 विदेशी बिल - खरीदे गए	266.0	212.2	266.0	224.8	263.0	210.1	263.0	222.2
7.5 विदेशी बिल - भुनाए गए	420.3	366.9	420.3	381.1	415.0	362.5	415.0	376.4

सं. 15: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन

(बिलियन ₹)

मद	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 30, 2017	2017	2018		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		अप्रैल 28	मार्च 30	अप्रैल 27	2018-19	2018
	1	2	3	4	5	6
1 सकल बैंक ऋण	**77,223**	**68,981**	**77,223**	**76,130**	**-1.4**	**10.4**
1.1 खाद्यान्न ऋण	**338**	**492**	**338**	**326**	**–3.6**	**-33.7**
1.2 गैर-खाद्यान्न ऋण	**76,884**	**68,489**	**76,884**	**75,804**	**–1.4**	**10.7**
1.2.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	**10,302**	**9,700**	**10,302**	**10,269**	**–0.3**	**5.9**
1.2.2 उद्योग	**26,993**	**26,245**	**26,993**	**26,511**	**–1.8**	**1.0**
1.2.2.1 सूक्ष्म और लघु	3,730	3,618	3,730	3,629	–2.7	0.3
1.2.2.2 मझौले	1,037	991	1,037	1,027	–0.9	3.6
1.2.2.3 बड़े	22,226	21,636	22,226	21,854	–1.7	1.0
1.2.3 सेवाएं	**20,505**	**16,412**	**20,505**	**19,813**	**–3.4**	**20.7**
1.2.3.1 परिवहन परिचालक	1,213	1,088	1,213	1,214	0.1	11.6
1.2.3.2 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	186	175	186	179	–3.7	2.5
1.2.3.3 पर्यटन, होटल और रेस्तरां	365	360	365	371	1.7	3.1
1.2.3.4 नौवहन	63	75	63	65	2.8	-13.7
1.2.3.5 पेशेवर सेवाएं	1,554	1,343	1,554	1,532	–1.4	14.1
1.2.3.6 व्यापार	4,669	4,052	4,669	4,605	–1.4	13.6
1.2.3.6.1 थोक व्यापार	2,052	1,777	2,052	1,985	–3.3	11.7
1.2.3.6.2 खुदरा व्यापार	2,618	2,275	2,618	2,621	0.1	15.2
1.2.3.7 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	1,858	1,821	1,858	1,849	–0.5	1.6
1.2.3.8 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	4,964	3,493	4,964	4,524	–8.9	29.5
1.2.3.9 अन्य सेवाएं	5,633	4,003	5,633	5,472	–2.8	36.7
1.2.4 व्यक्तिगत ऋण	**19,085**	**16,132**	**19,085**	**19,211**	**0.7**	**19.1**
1.2.4.1 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	197	210	197	201	2.0	-4.3
1.2.4.2 आवास	9,746	8,578	9,746	9,855	1.1	14.9
1.2.4.3 मीयादी जमाराशि की जमानत पर अग्रिम	725	582	725	710	–2.0	22.0
1.2.4.4 शेयरों और बाडों की जमानत पर व्यक्तियों को अग्रिम	56	51	56	54	–3.5	4.9
1.2.4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	686	541	686	732	6.6	35.2
1.2.4.6 शिक्षा	697	700	697	691	–0.9	-1.4
1.2.4.7 वाहन ऋण	1,898	1,732	1,898	1,904	0.3	9.9
1.2.4.8 अन्य व्यक्तिगत ऋण	5,080	3,737	5,080	5,065	–0.3	35.5
1.2अ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	**25,532**	**23,734**	**25,532**	**24,928**	**–2.4**	**5.0**
1.2अ.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	10,216	9,680	10,216	10,240	0.2	5.8
1.2अ.2 सूक्ष्म और लघु उद्यम	9,964	8,749	9,964	9,526	–4.4	8.9
1.2अ.2.1 विनिर्माण	3,730	3,618	3,730	3,629	–2.7	0.3
1.2अ.2.2 सेवाएं	6,234	5,131	6,234	5,897	–5.4	14.9
1.2अ.3 आवास	3,756	3,623	3,756	3,667	–2.4	1.2
1.2अ.4 माइक्रो क्रेडिट	264	182	264	255	–3.3	40.0
1.2अ.5 शिक्षा ऋण	607	605	607	593	–2.3	-1.9
1.2अ.6 अजा/अजजा के लिए राज्य प्रायोजित संस्थाएं	3	6	3	3	1.7	-51.0
1.2अ.7 कमजोर वर्ग	5,690	5,291	5,690	5,781	1.6	9.3
1.2अ.8 निर्यात ऋण	283	421	283	201	–28.9	-52.2

सं. 16: सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन

(बिलियन ₹)

उद्योग	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 30, 2017	2017	2018		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		अप्रैल 28	मार्च 30	अप्रैल 27	2018-19	2018
	1	2	3	4	5	6
1 उद्योग	**26,993**	**26,245**	**26,993**	**26,511**	**–1.8**	**1.0**
1.1 खनन और उत्खनन (कोयला सहित)	**413**	**353**	**413**	**375**	**–9.2**	**6.4**
1.2 खाद्य प्रसंस्करण	**1,554**	**1,429**	**1,554**	**1,509**	**–2.8**	**5.6**
1.2.1 चीनी	290	320	290	278	–4.0	–13.3
1.2.2 खाद्य तेल और वनस्पति	211	185	211	210	–0.3	13.9
1.2.3 चाय	45	35	45	49	9.8	39.3
1.2.4 अन्य	1,008	889	1,008	972	–3.6	9.4
1.3 पेय पदार्थ और तंबाकू	**156**	**168**	**156**	**147**	**–5.8**	**–12.5**
1.4 वस्त्र	**2,099**	**1,952**	**2,099**	**2,051**	**–2.3**	**5.1**
1.4.1 सूती वस्त्र	1,057	966	1,057	1,031	–2.5	6.7
1.4.2 जूट से बने वस्त्र	22	23	22	23	4.4	–0.3
1.4.3 मानव - निर्मित वस्त्र	243	200	243	237	–2.5	18.5
1.4.4 अन्य वस्त्र	776	763	776	760	–2.1	–0.4
1.5 चमड़ा और चमड़े से बने उत्पाद	**113**	**103**	**113**	**111**	**–1.6**	**8.3**
1.6 लकड़ी और लकड़ी से बने उत्पाद	**109**	**102**	**109**	**110**	**0.9**	**7.3**
1.7 काग़ज़ और काग़ज़ से बने उत्पाद	**306**	**323**	**306**	**300**	**–2.2**	**–7.1**
1.8 पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और आण्विक इंधन	**651**	**555**	**651**	**644**	**–1.2**	**16.0**
1.9 रसायन और रासायनिक उत्पाद	**1,630**	**1,580**	**1,630**	**1,552**	**–4.8**	**–1.8**
1.9.1 उर्वरक	306	227	306	265	–13.3	16.9
1.9.2 औषधि और दवाइयां	484	446	484	480	–0.8	7.6
1.9.3 पेट्रो केमिकल्स	387	492	387	357	–7.7	–27.4
1.9.4 अन्य	453	414	453	450	–0.8	8.5
1.10 रबड़, प्लास्टिक और उनके उत्पाद	**424**	**375**	**424**	**415**	**–2.2**	**10.6**
1.11 कांच और कांच के सामान	**85**	**79**	**85**	**86**	**1.6**	**9.2**
1.12 सीमेन्ट और सीमेन्ट से बने उत्पाद	**526**	**539**	**526**	**526**	**0.0**	**–2.3**
1.13 मूल धातु और धातु उत्पाद	**4,160**	**4,145**	**4,160**	**4,109**	**–1.2**	**–0.9**
1.13.1 लोहा और स्टील	3,262	3,189	3,262	3,222	–1.2	1.0
1.13.2 अन्य धातु और धातु से बने उत्पाद	898	956	898	887	–1.3	–7.3
1.14 सभी अभियांत्रिकी	**1,553**	**1,448**	**1,553**	**1,512**	**–2.6**	**4.4**
1.14.1 इलेक्ट्रानिक्स	344	326	344	338	–1.5	3.9
1.14.2 अन्य	1,210	1,123	1,210	1,174	–3.0	4.5
1.15 वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपस्कर	**787**	**718**	**787**	**745**	**–5.4**	**3.8**
1.16 रत्न और आभूषण	**727**	**704**	**727**	**694**	**–4.5**	**–1.4**
1.17 निर्माण	**901**	**811**	**901**	**897**	**–0.4**	**10.6**
1.18 इन्फ्रास्ट्रक्चर	**8,909**	**8,992**	**8,909**	**8,878**	**–0.4**	**–1.3**
1.18.1 पावर	5,196	5,227	5,196	5,188	–0.2	–0.8
1.18.2 दूरसंचार	846	829	846	864	2.1	4.2
1.18.3 सड़क	1,665	1,774	1,665	1,632	–2.0	–8.0
1.18.4 अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर	1,202	1,162	1,202	1,195	–0.6	2.8
1.19 अन्य उद्योग	**1,890**	**1,871**	**1,890**	**1,850**	**–2.1**	**–1.1**

सं. 17: भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते

(बिलियन ₹)

मद	नियत अतिंम शुक्रवार (मार्च के संबधं में)/अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति								
	2016-17	2017	2018						
		मार्च, 31	जन, 26	फर, 02	फर, 16	फर, 23	मार्च, 02	मार्च, 16	मार्च, 30
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	32	32	31	31	30	30	31	31	31
1 कुल जमाराशियां (2.1.1.2+2.2.1.2)	**527.8**	**527.8**	**545.6**	**561.1**	**537.1**	**538.3**	**560.7**	**561.0**	**571.7**
2 मांग और मीयादी देयताएं									
2.1 मांग देयताएं	**183.2**	**183.2**	**157.4**	**155.0**	**146.3**	**147.7**	**150.4**	**151.5**	**169.0**
2.1.1 जमाराशियां									
2.1.1.1 अंतर-बैंक	45.0	45.0	42.4	42.7	40.9	41.8	43.5	42.4	50.7
2.1.1.2 अन्य	106.3	106.3	90.8	88.7	83.3	83.0	84.0	83.7	90.5
2.1.2 बैंकों से उधार	2.0	2.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	1.2
2.1.3 अन्य मांग देयताएं	30.0	30.0	24.2	23.7	22.1	23.0	22.9	25.3	26.5
2.2 मीयादी देयताएं	**947.6**	**947.6**	**879.4**	**899.4**	**874.6**	**879.1**	**903.8**	**898.0**	**917.1**
2.2.1 जमाराशियां									
2.2.1.1 अंतर-बैंक	512.6	512.6	417.7	411.5	413.6	417.0	413.2	407.7	418.2
2.2.1.2 अन्य	421.5	421.5	454.7	472.5	453.8	455.3	476.7	477.3	481.2
2.2.2 बैंकों से उधार	4.4	4.4	0.0	8.5	0.5	0.0	7.0	6.3	10.9
2.2.3 अन्य मीयादी देयताएं	9.2	9.2	6.9	6.9	6.7	6.7	6.8	6.7	6.8
3 रिज़र्व बैंक से उधार	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.7	0.0	0.0	0.4
4 अधिसूचित बैंक/राज्य सरकार से उधार	517.2	517.2	482.0	453.5	443.6	446.2	451.7	441.2	456.3
4.1 मांग	180.4	180.4	154.3	140.0	134.9	136.7	139.8	142.2	146.7
4.2 मीयादी	336.8	336.8	327.6	313.4	308.6	309.6	312.0	299.0	309.6
5 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	**66.6**	**66.6**	**48.7**	**48.7**	**45.5**	**44.9**	**49.6**	**46.9**	**61.6**
5.1 उपलब्ध नकदी	3.7	3.7	2.7	2.7	2.7	3.0	2.8	2.8	2.9
5.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	62.9	62.9	46.1	46.0	42.7	41.9	46.8	44.1	58.7
6 चालू खाते में अन्य बैंकों के पास शेष	**17.5**	**17.5**	**8.5**	**12.5**	**7.7**	**7.2**	**8.5**	**10.1**	**14.7**
7 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	**329.8**	**329.8**	**311.6**	**317.6**	**303.3**	**285.9**	**317.7**	**319.8**	**325.4**
8 मांग और अल्प सूचना पर मुद्रा	**254.4**	**254.4**	**211.7**	**192.8**	**183.2**	**186.2**	**193.6**	**187.7**	**210.6**
9 बैंक ऋण (10.1+11)	**458.7**	**458.7**	**496.7**	**493.6**	**497.1**	**499.4**	**503.0**	**513.4**	**516.3**
10 अग्रिम									
10.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	**458.6**	**458.6**	**496.6**	**493.6**	**497.1**	**499.4**	**503.0**	**513.4**	**516.2**
10.2 बैंकों से प्राप्य राशि	777.0	777.0	728.2	727.4	722.8	731.0	736.1	729.1	743.0
11 खरीदे और भुनाए गए बिल	0.1	0.1	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0

मूल्य और उत्पादन

सं. 18: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधारः 2012=100)

समूह/उप समूह	2017-18			ग्रामीण			शहरी			मिश्रित		
	ग्रामीण	शहरी	मिश्रित	अप्रैल 17	मार्च 18	अप्रैल 18	अप्रैल 17	मार्च 18	अप्रैल 18	अप्रैल 17	मार्च 18	अप्रैल 18
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1 खाद्य और पेय पदार्थ	**138.6**	**137.4**	**138.1**	**133.5**	**138.6**	**138.5**	**133.4**	**134.8**	**135.7**	**133.5**	**137.2**	**137.5**
1.1 अनाज और उत्पाद	135.2	133.7	134.7	133.2	136.8	137.1	132.7	135.0	135.0	133.0	136.2	136.4
1.2 मांस और मछली	142.7	143.8	143.1	138.7	143.8	144.4	140.6	143.1	144.3	139.4	143.6	144.4
1.3 अंडा	134.4	134.1	134.3	127.1	140.0	136.0	124.5	135.5	130.8	126.1	138.3	134.0
1.4 दूध और उत्पाद	140.3	138.6	139.6	137.7	142.0	142.4	136.3	139.9	140.2	137.2	141.2	141.6
1.5 तेल और चर्बी	121.7	114.8	119.2	121.3	123.2	123.4	113.5	116.5	116.6	118.4	120.7	120.9
1.6 फल	146.2	137.0	141.9	141.8	152.9	156.2	137.7	138.5	150.1	139.9	146.2	153.4
1.7 सब्जी	146.8	154.3	149.3	121.5	138.0	134.9	127.1	128.0	127.6	123.4	134.6	132.4
1.8 दाल और उत्पाद	136.4	123.6	132.1	144.5	129.3	128.3	133.8	115.5	114.0	140.9	124.6	123.5
1.9 चीनी और उत्पाद	119.8	120.2	119.9	117.4	117.1	115.3	120.8	114.2	110.6	118.5	116.1	113.7
1.10 मसाले	135.0	139.2	136.4	134.1	136.3	137.2	141.3	140.7	140.2	136.5	137.8	138.2
1.11 गैर नशीले पेय पदार्थ	131.1	125.0	128.5	130.0	131.2	131.9	123.8	126.2	126.5	127.4	129.1	129.6
1.12 तैयार भोजन, नाश्ता, मिठाई	149.4	145.1	147.4	145.5	152.8	153.8	142.6	147.6	148.3	144.2	150.4	151.2
2 पान, तंबाकू और मादक पदार्थ	**150.0**	**153.8**	**151.0**	**144.4**	**155.1**	**156.1**	**148.0**	**159.7**	**159.2**	**145.4**	**156.3**	**156.9**
3 कपड़ा और जूते	**145.3**	**132.4**	**140.2**	**141.6**	**148.3**	**149.2**	**130.0**	**135.2**	**136.2**	**137.0**	**143.1**	**144.0**
3.1 कपड़ा	146.1	133.8	141.3	142.4	149.2	150.1	131.2	136.7	137.8	138.0	144.3	145.3
3.2 जूते	140.0	124.7	133.7	136.8	143.0	143.3	123.0	126.7	127.5	131.1	136.2	136.7
4 आवास	**--**	**136.4**	**136.4**	**--**	**--**	**--**	**131.7**	**142.0**	**142.9**	**131.7**	**142.0**	**142.9**
5 ईंधन और लाइट	**138.6**	**123.0**	**132.7**	**135.0**	**142.6**	**143.9**	**121.4**	**126.4**	**124.6**	**129.8**	**136.5**	**136.6**
6 विविध	**130.4**	**124.4**	**127.5**	**127.5**	**133.3**	**134.2**	**122.5**	**127.1**	**128.2**	**125.1**	**130.3**	**131.3**
6.1 घरेलू सामान और सेवा	137.7	128.2	133.2	134.3	139.9	140.9	126.0	130.8	131.8	130.4	135.6	136.6
6.2 स्वास्थ्य	133.9	126.6	131.1	131.0	136.7	137.6	123.4	130.5	131.3	128.1	134.3	135.2
6.3 परिवहन और संचार	121.2	115.3	118.0	119.2	124.6	125.3	114.3	117.8	118.9	116.6	121.0	121.9
6.4 मनोरंजन	132.1	124.6	127.9	128.3	135.1	136.0	122.6	126.8	127.6	125.1	130.4	131.3
6.5 शिक्षा	139.7	135.9	137.4	135.7	142.7	143.6	133.6	137.8	139.7	134.5	139.8	141.3
6.6 व्यक्तिगत देखभाल और प्रभाव	126.5	124.1	125.5	123.7	129.3	130.4	122.2	126.7	127.6	123.1	128.2	129.2
सामान्य सूचकांक (सभी समूह)	**137.2**	**132.5**	**135.0**	**132.9**	**138.7**	**139.1**	**129.1**	**134.0**	**134.8**	**131.1**	**136.5**	**137.1**

स्रोत: केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 19: अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

मद	आधार वर्ष	योजक कारक	2017-18	2017	2018	
				अप्रैल	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4	5	6
1 औद्योगिक कामगार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2001	4.63	284	277	287	288
2 कृषि श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	5.89	889	870	887	888
3 ग्रामीण श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	–	895	876	894	896

स्रोत: श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 20: मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य

मद	2017-18	2017	2018	
		अप्रैल	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4
1 मानक स्वर्ण (₹ प्रति 10 ग्राम)	29,300	29,010	30,420	30,986
2 चांदी (₹ प्रति किलोग्राम)	39,072	42,142	38,332	38,913

स्रोत: मुंबई में सोने और चांदी के मूल्य के लिए इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लि. मुंबई।

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक

(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2017-18	2017	2018		
			अप्रैल	फर.	मार्च(अ)	अप्रैल(अ)
	1	2	3	4	5	6
1 सभी पण्य	**100.000**	**114.9**	**113.2**	**116.1**	**116.0**	**116.8**
1.1 प्राथमिक वस्तुएं	**22.618**	**130.6**	**127.4**	**128.0**	**127.4**	**129.2**
1.1.1 खाद्य वस्तुएं	**15.256**	**143.2**	**138.6**	**137.9**	**137.2**	**139.8**
1.1.1.1 खाद्यान्न (अनाज+दाल)	3.462	142.6	146.6	139.9	140.3	140.4
1.1.1.2 फल और सब्जियाँ	3.475	155.9	130.8	134.1	132.3	142.6
1.1.1.3 दूध	4.440	139.7	137.7	140.6	140.7	141.2
1.1.1.4 अंडा, मांस और मछली	2.402	135.7	135.2	134.7	133.1	132.5
1.1.1.5 मसाले	0.529	125.2	126.6	131.7	128.0	127.4
1.1.1.6 अन्य खाद्य वस्तुएं	0.948	144.0	157.0	144.0	143.4	145.8
1.1.2 खाद्येतर वस्तुएं	**4.119**	**119.6**	**121.3**	**120.7**	**120.2**	**119.1**
1.1.2.1 फाइबर	0.839	119.0	122.1	121.4	119.6	117.5
1.1.2.2 तिलहन	1.115	129.9	129.9	138.2	138.7	138.4
1.1.2.3 अन्य खाद्येतर वस्तुएं	1.960	110.9	114.7	107.3	107.6	107.3
1.1.2.4 फूल	0.204	148.7	134.4	151.3	143.7	134.0
1.1.3 खनिज	**0.833**	**120.9**	**116.3**	**121.6**	**119.7**	**121.6**
1.1.3.1 धात्विक खनिज	0.648	107.3	103.2	106.7	105.0	106.7
1.1.3.2 अन्य खनिज	0.185	168.5	162.4	173.6	171.1	173.6
1.1.4 कच्चा तेल और नैसर्गिक गैस	**2.410**	**72.9**	**71.1**	**80.1**	**80.2**	**82.1**
1.2 ईंधन और बिजली	**13.152**	**93.3**	**91.7**	**98.8**	**98.0**	**98.9**
1.2.1 कोल	**2.138**	**118.7**	**117.5**	**122.6**	**122.6**	**123.0**
1.2.1.1 कुकिंग कोल	0.647	134.1	135.5	131.7	131.7	131.7
1.2.1.2 नॉन-कुकिंग कोल	1.401	112.5	110.7	119.0	119.0	119.0
1.2.1.3 लिग्नाइट	0.090	104.2	95.0	113.5	113.5	122.4
1.2.2 खनिज तेल	**7.950**	**82.5**	**80.3**	**89.8**	**88.5**	**89.9**
1.2.3 बिजली	**3.064**	**103.7**	**103.3**	**105.4**	**105.4**	**105.4**
1.3 विनिर्मित उत्पाद	**64.231**	**113.7**	**112.6**	**115.5**	**115.7**	**116.1**
1.3.1 खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	**9.122**	**127.4**	**127.2**	**126.6**	**127.7**	**127.6**
1.3.1.1 मांस का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.134	134.4	136.6	136.4	136.4	137.4
1.3.1.2 मछली, क्रस्टेशियस, मोलस्क और उनके उत्पादों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण	0.204	128.0	128.4	124.6	122.4	126.7
1.3.1.3 फल और सब्जियों का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.138	119.1	120.0	117.2	117.6	118.7
1.3.1.4 सब्जियां और पशु तेल एवं चर्बी	2.643	109.4	107.2	113.5	116.8	118.8
1.3.1.5 डेयरी उत्पाद	1.165	142.0	141.0	139.7	139.5	138.8
1.3.1.6 अनाज मिल के उत्पाद	2.010	137.4	136.9	138.7	138.0	138.1
1.3.1.7 स्टार्च और स्टार्च के उत्पाद	0.110	112.6	113.8	112.8	113.1	111.7
1.3.1.8 बेकरी उत्पाद	0.215	128.9	129.2	128.5	128.3	127.1
1.3.1.9 चीनी, गुड़ और शहद	1.163	128.0	132.5	116.6	115.6	108.4
1.3.1.10 कोक, चॉकलेट और चीनी कन्फेक्शनरी	0.175	126.1	123.3	126.9	127.2	124.8
1.3.1.11 मैक्रोनी, नूडल्स, और कूसकूस और उसके जैसे मैदे से बने उत्पाद	0.026	131.6	140.8	127.2	131.0	131.1
1.3.1.12 चाय और कॉफी उत्पाद	0.371	128.7	125.6	119.0	128.1	137.1
1.3.1.13 प्रसंस्कृत मसाले और नमक	0.163	118.2	115.0	121.6	122.4	122.4
1.3.1.14 प्रसंस्कृत तैयार खाद्य पदार्थ	0.024	127.2	126.3	127.1	127.4	126.5
1.3.1.15 स्वास्थ्य पूरक	0.225	141.1	143.1	136.9	140.0	138.4
1.3.1.16 पशु के लिए तैयार खाद्य	0.356	153.0	158.4	152.5	152.9	152.5
1.3.2 पेय पदार्थों का विनिर्माण	**0.909**	**118.9**	**117.8**	**119.9**	**119.8**	**119.2**
1.3.2.1 शराब और स्पिरीट	0.408	113.8	114.7	113.3	112.9	111.8
1.3.2.2 माल्ट लिकर और माल्ट	0.225	117.9	116.6	119.6	119.2	118.3
1.3.2.3 शीतल पेय, मिनरल वॉटर और बोतलबन्द पानी के अन्य उत्पाद	0.275	127.4	123.5	129.9	130.5	130.9
1.3.3 विनिर्मित तंबाकू उत्पाद	**0.514**	**148.5**	**143.1**	**152.0**	**152.1**	**146.0**
1.3.3.1 तंबाकू के उत्पाद	0.514	148.5	143.1	152.0	152.1	146.0
1.3.4 वस्त्र विनिर्माण	**4.881**	**113.4**	**113.8**	**113.8**	**114.1**	**114.4**
1.3.4.1 धागों की कताई और वस्त्र तैयार करना	2.582	106.2	107.7	106.3	106.6	107.0
1.3.4.2 बुनाई और तैयार वस्त्र	1.509	122.0	120.6	122.5	123.0	123.6
1.3.4.3 बुने हुए और क्रॉचिडेट फेब्रिक्स	0.193	108.6	108.4	109.2	110.5	110.6
1.3.4.4 कपड़ों को छोड़कर निर्मित वस्त्र सामग्री	0.299	124.6	124.1	125.4	125.4	124.7
1.3.4.5 डोरियाँ, रस्सी, सुतली और नेटिंग	0.098	141.7	145.1	138.6	137.7	136.7
1.3.4.6 अन्य वस्त्र	0.201	117.5	116.2	118.9	118.5	118.4
1.3.5 विनिर्मित तैयार वस्त्र	**0.814**	**136.9**	**134.1**	**138.6**	**137.8**	**139.3**
1.3.5.1 फर से बने वस्त्रों को छोड़कर वुलन के तैयार वस्त्र	0.593	137.8	137.5	138.7	137.7	139.6
1.3.5.2 बुने हुए क्रॉस्चिटेड वस्त्र	0.221	134.5	125.2	138.1	137.8	138.3

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (जारी)

(आधारः 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2017-18	2017	2018		
			अप्रैल	फर.	मार्च (अ)	अप्रैल (अ)
	1	2	3	4	5	6
1.3.6 चमड़ा और उससे बने हुए उत्पाद का विनिर्माण	**0.535**	**120.1**	**119.1**	**120.9**	**120.5**	**122.0**
1.3.6.1 चमड़े की टैनिंग और ड्रेसिगं; ड्रेसिगं और फर की रंगायी	0.142	111.0	112.9	109.4	109.7	111.6
1.3.6.2 सामान, हैंडबैग, काठी और दोहन	0.075	131.2	129.8	133.1	131.1	132.9
1.3.6.3 जूते चप्पल	0.318	121.6	119.4	123.2	122.8	124.0
1.3.7 लकड़ी के विनिर्माण और लकड़ी और कॉर्क के उत्पाद	**0.772**	**131.5**	**130.7**	**131.6**	**131.7**	**131.6**
1.3.7.1 आरा मिलिगं और लकड़ी के उत्पाद	0.124	120.5	120.7	120.1	120.5	120.9
1.3.7.2 विनियर शीट, प्लायवुड का विनिर्माण, लॅमिन बोर्ड, पार्टिकल बोर्ड और अन्य पॅनल और बोर्ड	0.493	131.5	128.9	133.3	133.5	133.3
1.3.7.3 बिल्डरों की बढ़ईगीरी	0.036	159.8	160.5	157.5	158.3	158.3
1.3.7.4 लकड़ी के डिब्बे	0.119	134.5	139.3	128.8	128.1	127.6
1.3.8 कागज़ और कागज़ के उत्पाद का विनिर्माण	**1.113**	**118.9**	**116.4**	**120.8**	**120.9**	**120.8**
1.3.8.1 लुगदी, कागज़ और कागज़ बोर्ड	0.493	122.4	121.4	125.1	124.8	125.2
1.3.8.2 लहरदार कागज़ और पेपर बोर्ड और कागज़ के पात्र और पेपर बोर्ड	0.314	116.1	115.4	115.9	116.0	115.7
1.3.8.3 कागज़ की अन्य सामग्री और पेपर बोर्ड	0.306	116.2	109.6	119.1	119.5	118.8
1.3.9 मुद्रण और रिकार्डेड मीडिया का पुनरुत्पादन	**0.676**	**143.7**	**142.7**	**144.5**	**144.6**	**144.9**
1.3.9.1 मुद्रण	0.676	143.7	142.7	144.5	144.6	144.9
1.3.10 रसायन और रासायनिक उत्पाद का विनिर्माण	**6.465**	**112.5**	**111.6**	**115.1**	**115.2**	**116.4**
1.3.10.1 मूल रसायन	1.433	111.1	107.1	117.7	117.4	119.5
1.3.10.2 उर्वरक और नाइट्रोजन यौगिक	1.485	117.1	117.1	118.6	118.7	118.4
1.3.10.3 प्लास्टिक और सिथेंटिक रबड़ प्राथमिक रूप में	1.001	113.0	113.3	115.7	114.6	115.7
1.3.10.4 कीटनाशक और अन्य एग्रोकेमिकल उत्पाद	0.454	115.3	116.8	114.8	116.9	118.0
1.3.10.5 पेन्ट, वार्निश और समान कोटिंग, मुद्रण स्याही और मैस्टिक्स	0.491	108.6	110.3	108.4	107.6	113.9
1.3.10.6 साबुन और डिटर्जेंट, सफाई और चमकाने की सामग्री, इत्र और शौचालय सफाई की सामग्री	0.612	115.2	115.0	115.0	115.0	115.4
1.3.10.7 अन्य रासायनिक उत्पाद	0.692	110.1	107.9	113.4	114.3	114.1
1.3.10.8 मानव निर्मित फाइबर	0.296	97.5	95.8	99.9	101.4	101.8
1.3.11 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद का विनिर्माण	**1.993**	**121.2**	**120.4**	**121.0**	**121.0**	**120.4**
1.3.11.1 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद	1.993	121.2	120.4	121.0	121.0	120.4
1.3.12 रबड़ और प्लास्टिक उत्पाद का विनिर्माण	**2.299**	**107.6**	**108.6**	**107.3**	**107.8**	**108.2**
1.3.12.1 रबड़ टायर और ट्यूब, रबड़ टायर की रीट्रीडिगं और पुनर्निर्माण	0.609	100.3	103.9	98.1	97.4	98.0
1.3.12.2 रबड़ के अन्य उत्पाद	0.272	91.0	91.1	89.9	91.0	92.3
1.3.12.3 प्लास्टिक उत्पाद	1.418	113.9	114.0	114.6	115.5	115.6
1.3.13 अन्य अधात्विक खनिज उत्पादों का विनिर्माण	**3.202**	**112.7**	**111.2**	**114.1**	**113.8**	**115.2**
1.3.13.1 कांच और कांच उत्पाद	0.295	117.2	117.2	117.2	118.0	118.3
1.3.13.2 आग रोधक उत्पाद	0.223	113.2	119.7	107.2	109.8	110.5
1.3.13.3 मिट्टी से बनी भवन निर्माण सामग्री	0.121	93.8	91.7	95.7	95.7	98.1
1.3.13.4 चीनी मिट्टी के बर्तन और चीनी मिट्टी	0.222	112.5	112.8	112.3	112.0	112.0
1.3.13.5 सीमेन्ट, चूना और प्लास्टर	1.645	113.9	112.6	115.3	114.0	114.4
1.3.13.6 कंक्रीट, सीमेन्ट और प्लास्टर से बनी वस्तुएं	0.292	118.9	116.5	119.2	120.5	119.6
1.3.13.7 पत्थरों को काटना, आकार देना और संवारना	0.234	117.3	118.2	117.7	117.3	117.6
1.3.13.8 अन्य अधात्विक खनिज उत्पाद	0.169	89.2	69.1	108.2	108.4	129.6
1.3.14 मूल धातुओं का विनिर्माण	**9.646**	**101.4**	**97.4**	**108.8**	**109.5**	**110.1**
1.3.14.1 स्टील तैयार करने में प्रयुक्त सामग्री	1.411	98.2	92.8	109.0	109.8	109.8
1.3.14.2 मेटेलिक आयरन	0.653	99.2	94.3	112.6	113.8	117.3
1.3.14.3 नरम इस्पात - अर्ध निर्मित इस्पात	1.274	93.2	90.1	97.8	98.1	98.6
1.3.14.4 नरम इस्पात - लंबे उत्पाद	1.081	95.7	90.8	105.9	106.5	106.9
1.3.14.5 नरम इस्पात - चपटे उत्पाद	1.144	104.9	99.8	115.2	117.7	118.9
1.3.14.6 स्टेनलेस स्टील के अतिरिक्त एलॉय स्टील-आकार	0.067	97.3	96.3	105.9	108.9	109.7
1.3.14.7 स्टेनलेस स्टील अर्ध निर्मित	0.924	98.2	92.9	107.4	109.8	110.2
1.3.14.8 पाइप और ट्यूब	0.205	116.1	109.8	123.5	124.8	124.1
1.3.14.9 कीमती धातु सहित अलौह धातु	1.693	107.9	105.0	111.6	110.9	111.3
1.3.14.10 कास्टिंग	0.925	104.8	102.8	106.7	106.8	107.1
1.3.14.11 स्टील से गढ़ी वस्तुएं	0.271	118.5	118.0	119.4	118.0	116.2
1.3.15 मशीनरी और उपकरणों को छोड़कर गढ़े हुए धातु उत्पादों का विनिर्माण	**3.155**	**109.5**	**108.4**	**112.1**	**112.2**	**111.7**
1.3.15.1 इमारती धातु उत्पाद	1.031	105.9	104.3	109.6	109.9	109.8
1.3.15.2 धातु से बने टैंक, जलाशय और डिब्बे	0.660	122.7	120.2	126.8	126.7	124.6
1.3.15.3 बाष्प चालित जनरेटर, सेंट्रल हीटिंग हॉट वाटर बॉयलरर्स को छोड़कर	0.145	109.0	107.7	109.2	109.1	108.5
1.3.15.4 धातु की फोर्जिंग, दबाना, स्टैपिगं और रोल फॉरमिंग, पाउडर धातुकर्म	0.383	90.7	91.3	90.7	89.8	89.2
1.3.15.5 कटलरी, हस्त चालित उपकरण और सामान्य हार्डवेयर	0.208	102.3	114.6	98.9	99.0	99.3
1.3.15.6 अन्य गढ़े हुए धातु उत्पाद	0.728	114.8	110.9	118.0	118.7	118.9
1.3.16 कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादों का विनिर्माण	**2.009**	**110.1**	**109.2**	**110.7**	**110.4**	**111.6**
1.3.16.1 इलेक्ट्रॉनिक पुरजे	0.402	103.7	105.4	102.1	102.0	102.7
1.3.16.2 कंप्यूटर और संबंधित उपकरण	0.336	127.4	127.3	127.4	127.4	127.3

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (समाप्त)

(आधारः 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2017-18	2017	2018		
			अप्रैल	फर.	मार्च (अ)	अप्रैल (अ)
	1	2	3	4	5	6
1.3.16.3 संचार उपकरण	0.310	110.6	104.1	114.3	114.0	117.1
1.3.16.4 उपभोक्ता इलेक्ट्रानिक्स	0.641	103.1	102.8	104.1	103.3	103.9
1.3.16.5 मापने, जांचने, नेविगेशन और नियंत्रण उपकरण	0.181	106.8	103.7	107.3	107.3	112.6
1.3.16.6 हाथ घडी और दीवार घडी	0.076	137.8	141.9	136.8	136.8	137.4
1.3.16.7 विभासन, विद्युत चिकित्सकीय एवं विद्युत उपचारात्मक उपकरण	0.055	103.2	105.1	102.9	103.2	100.3
1.3.16.8 ऑप्टिकल उपकरण और फोटोग्राफिक उपकरण	0.008	108.0	98.5	111.8	112.6	109.8
1.3.17 इलेक्ट्रिकल उपकरण का विनिर्माण	**2.930**	**109.6**	**108.4**	**109.4**	**109.5**	**110.8**
1.3.17.1 विद्युत मोटर्स, जनरेटर, ट्रांसफार्मर और बिजली वितरण और नियंत्रण संबंधी उपकरण	1.298	105.7	104.6	104.9	105.0	107.5
1.3.17.2 बैटरी और एक्युम्युलेटर	0.236	117.4	121.7	117.0	117.2	117.0
1.3.17.3 डेटा संचरण या छवियों के सजीव प्रसारण के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल	0.133	116.3	116.3	110.3	110.1	113.2
1.3.17.4 अन्य इलेक्ट्रानिक और बिज़ली के वायर और केबल	0.428	105.7	102.3	108.6	109.1	109.8
1.3.17.5 वायरिंग संबंधी चीजें और बिजली के प्रकाश और सजावट के उपकरण	0.263	109.9	107.4	109.5	109.7	109.4
1.3.17.6 घरेलू उपकरण	0.366	121.3	119.8	121.7	121.6	121.7
1.3.17.7 अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	0.206	107.1	105.3	107.8	107.9	107.4
1.3.18 मशीनरी और उपकरणों का विनिर्माण	**4.789**	**108.9**	**108.3**	**109.7**	**110.0**	**110.4**
1.3.18.1 इंजन और टर्बाइन, एयरक्राफ्ट, वाहन और दुपहिया वाहनों के इंजन को छोड़कर	0.638	102.3	103.3	102.2	102.6	103.9
1.3.18.2 तरल बिजली उपकरण	0.162	115.3	114.1	115.9	116.1	116.7
1.3.18.3 अन्य पंप, कंप्रेसर, नल और वाल्व	0.552	108.6	107.5	109.7	110.2	109.5
1.3.18.4 बेयरिगं, गियर्स, गेयरिगं और ड्राइविगं उपकरण	0.340	108.9	105.8	109.7	110.8	111.3
1.3.18.5 ओवन, फर्नेस और फर्नेस बर्नर भट्टियां	0.008	78.5	74.9	79.1	79.3	79.3
1.3.18.6 माल उठाने एवं चढ़ाने - उतारने वाले उपकरण	0.285	105.9	104.5	107.1	108.5	109.8
1.3.18.7 कार्यालय मशीनरी और उपकरण	0.006	130.2	130.2	130.2	130.2	130.2
1.3.18.8 सामान्य प्रयोजन के अन्य उपकरण	0.437	127.4	124.8	129.0	130.0	129.2
1.3.18.9 कृषि और वानिकी मशीनरी	0.833	112.8	112.0	113.8	113.8	114.6
1.3.18.10 धातु निर्माण करनेवाली मशीनरी और मशीन टूल्स	0.224	99.6	101.2	100.2	96.7	97.2
1.3.18.11 खनन, उत्खनन और निर्माण के लिए मशीनरी	0.371	75.0	76.3	73.8	73.9	74.4
1.3.18.12 खाद्य, पेय और तंबाकू प्रसंस्करण के लिए मशीनरी	0.228	121.1	124.5	122.1	122.5	122.8
1.3.18.13 कपड़ा, परिधान और चमड़े के उत्पादन से जुड़ी मशीनरी	0.192	117.5	117.4	117.9	121.9	122.9
1.3.18.14 अन्य विशेष प्रयोजनों के लिए मशीनरी	0.468	119.5	117.3	121.4	121.3	121.3
1.3.18.15 अक्षय ऊर्जा उत्पादन मशीनरी	0.046	70.4	72.0	68.5	68.8	68.8
1.3.19 मोटर वाहन, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों का विनिर्माण	**4.969**	**110.7**	**110.9**	**110.9**	**111.0**	**111.2**
1.3.19.1 मोटर वाहन	2.600	112.6	113.6	111.5	111.5	111.8
1.3.19.2 मोटर वाहन पुरजे और सहायक उपकरण	2.368	108.6	107.9	110.2	110.5	110.6
1.3.20 अन्य परिवहन उपकरणों का विनिर्माण	**1.648**	**110.2**	**108.0**	**112.4**	**110.6**	**110.2**
1.3.20.1 जहाजों और तैरने वाली - वस्तुओं का निर्माण	0.117	158.8	158.7	158.8	158.8	158.8
1.3.20.2 रेलवे इंजन और रोलिगं स्टाक	0.110	104.0	102.3	105.2	105.2	105.2
1.3.20.3 मोटर साइकल	1.302	105.3	102.8	107.8	105.5	104.9
1.3.20.4 साइकल और अवैध गाडी	0.117	121.2	120.5	123.7	123.9	125.1
1.3.20.5 अन्य परिवहन उपकरण	0.002	119.9	119.8	121.2	121.2	121.2
1.3.21 फर्नीचर का विनिर्माण	**0.727**	**120.2**	**114.0**	**122.7**	**123.9**	**123.3**
1.3.21.1 फर्नीचर	0.727	120.2	114.0	122.7	123.9	123.3
1.3.22 अन्य विनिर्माण	**1.064**	**109.2**	**115.0**	**108.6**	**104.1**	**105.3**
1.3.22.1 आभूषण और संबंधित सामग्री	0.996	106.7	113.5	105.9	101.0	102.3
1.3.22.2 संगीत उपकरण	0.001	171.0	148.9	180.9	180.0	182.7
1.3.22.3 खेल के सामान	0.012	126.0	126.9	125.5	125.5	126.2
1.3.22.4 खेल और खिलौने	0.005	128.2	127.4	130.0	129.3	129.9
1.3.22.5 चिकित्सा और दंत चिकित्सा उपकरण और सामग्री	0.049	151.9	139.1	155.6	155.9	155.6
2 खाद्य सूचकांक	**24.378**	**137.3**	**134.3**	**133.7**	**133.6**	**135.2**

स्रोत: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्यिक और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 22: औदयोगिक उत्पादन का सूचकांक (आधारः 2011-12=100)

उद्योग	भारांक	2016-17	2017-18	अप्रैल-मार्च		मार्च	
				2016-17	2017-18	2017	2018
	1	2	3	4	5	6	7
सामान्य सूचकांक	100.00	120.0	125.2	120.0	125.2	133.2	139.0
1 क्षेत्रवार वर्गीकरण							
1.1 खनन	14.37	102.5	104.9	102.5	104.9	127.7	131.3
1.2 विनिर्माण	77.63	121.0	126.5	121.0	126.5	132.7	138.6
1.3 बिजली	7.99	141.6	149.2	141.6	149.2	147.9	156.7
2 उपयोग आधारित वर्गीकरण							
2.1 मूल वस्तुएं	34.05	117.5	121.8	117.5	121.8	132.5	136.3
2.2 पूंजीगत माल	8.22	101.5	106.0	101.5	106.0	134.7	132.3
2.3 मध्यवर्ती माल	17.22	122.3	125.0	122.3	125.0	134.1	136.9
2.4 बुनियादी/निर्माण वस्तुएं	12.34	125.0	131.9	125.0	131.9	135.6	147.5
2.5 उपभोक्ता टिकाऊ माल	12.84	122.6	123.3	122.6	123.3	128.2	131.9
2.6 उपभोक्ता गैर-टिकाऊ माल	15.33	126.5	139.5	126.5	139.5	135.4	150.2

स्रोत : केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

सं. 23: केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में

(राशि बिलियन ₹ में)

मद	2018-19			2017-18		
	बज़ट अनुमान	अप्रैल-2018		अनंतिम लेखा	संशोधित अनुमान	संशोधित अनुमानों का प्रतिशत के रूप में अनंतिम लेखा
		(वास्तविक)	बज़ट अनुमान का प्रतिशत			
	1	2	3	4	5	6
1 राजस्व प्राप्तियां	**17,257.4**	**706.6**	**4.1**	**14351.9**	**15,054.3**	**95.3**
1.1 कर राजस्व (निवल)	14,806.5	575.3	3.9	12426.6	12,694.5	97.9
1.2 करेतर राजस्व	2,450.9	131.2	5.4	1925.2	2,359.7	81.6
2 पूंजीगत प्राप्तियां	**7,164.8**	**1,527.6**	**21.3**	**7074.8**	**7,123.2**	**99.3**
2.1 ऋण की वसूली	122.0	3.6	2.9	156.2	174.7	89.4
2.2 अन्य प्राप्तियां	800.0	4.3	0.5	1002.0	1,000.0	100.2
2.3 उधारियां और अन्य देयताएं	6,242.8	1,519.7	24.3	5916.6	5,948.5	99.5
3 कुल प्राप्तियां (1+2)	**24,422.1**	**2,234.2**	**9.1**	**21426.7**	**22,177.5**	**96.6**
4 राजस्व व्यय	21,417.7	1,767.1	8.3	18789.6	19,443.1	96.6
4.1 ब्याज भुगतान	5,758.0	156.2	2.7	5292.4	5,308.4	99.7
5 पूंजी व्यय	3,004.4	467.0	15.5	2637.0	2,734.5	96.4
6 कुल व्यय (4+5)	**24,422.1**	**2,234.2**	**9.1**	**21426.7**	**22,177.5**	**96.6**
7 राजस्व घाटा (4-1)	**4,160.3**	**1,060.6**	**25.5**	**4437.8**	**4,388.8**	**101.1**
8 राजकोषीय घाटा {6-(1+2.1+2.2)}	**6,242.8**	**1,519.7**	**24.3**	**5916.6**	**5,948.5**	**99.5**
9 सकल प्राथमिक घाटा [8-4.1]	**484.8**	**1,363.5**	**281.2**	**624.2**	**640.1**	**97.5**

स्रोत: महालेखानियंत्रक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 24: खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप

(बिलियन ₹)

मद	2016-17	2017	2018					
		अप्रैल 28	मार्च 23	मार्च 30	अप्रैल 6	अप्रैल 13	अप्रैल 20	अप्रैल 27
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 91-दिवसीय								
1.1 बैंक	323.7	354.9	586.1	680.0	667.6	662.0	630.8	524.1
1.2 प्राथमिक व्यापारी	243.5	167.0	157.2	134.3	134.4	123.0	146.8	191.2
1.3 राज्य सरकारें	146.2	331.2	368.2	335.2	410.9	451.4	460.6	521.0
1.4 अन्य	343.4	460.5	289.8	221.3	232.7	259.1	268.0	329.8
2 182-दिवसीय								
2.1 बैंक	216.2	303.2	298.3	313.7	310.9	287.8	306.2	334.6
2.2 प्राथमिक व्यापारी	316.5	181.6	271.6	273.2	304.8	303.9	349.3	333.2
2.3 राज्य सरकारें	193.6	220.9	158.6	158.6	208.8	218.3	218.3	218.3
2.4 अन्य	120.9	165.3	103.3	116.9	108.5	142.6	98.6	106.1
3 364-दिवसीय								
3.1 बैंक	512.3	551.8	350.6	330.8	358.4	334.4	355.9	333.9
3.2 प्राथमिक व्यापारी	551.8	481.0	699.4	700.4	717.5	715.0	756.9	751.8
3.3 राज्य सरकारें	26.3	25.2	127.3	127.3	127.4	127.4	128.2	127.7
3.4 अन्य	326.4	353.9	404.0	407.0	395.6	404.8	380.2	389.5
4 14-दिवसीय मध्यवर्ती								
4.1 बैंक	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 प्राथमिक व्यापारी	–	–	–	–	–	–	–	–
4.3 राज्य सरकारें	1,560.6	1,520.5	2,153.9	2,124.1	1,099.6	1,106.2	1,617.8	1,578.0
4.4 अन्य	5.1	13.2	4.4	1.7	7.1	7.2	7.2	5.2
कुल खज़ाना बिल (14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल को छोड़कर)#	3,320.8	3,596.5	3,814.5	3,798.8	3,977.5	4,029.7	4,099.9	4,161.4

14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल बिक्री योग्य नहीं है, ये बिल 91 दिवसीय, 182 दिवसीय और 364 दिवसीय खज़ाना बिलों जैसे नहीं है। यह बिल स्वरूप के अनुसार मध्यवर्ती हैं क्योंकि राज्य सरकारों के दैनिक न्यूनतम नकदी शेष में कमी को पूरा करने के लिए परिसमाप्त किए जाते हैं।

सं. 25: खज़ाना बिलों की नीलामी

(राशि बिलियन ₹ में)

नीलामी की तारीख	अधिसूचित राशि	प्राप्त बोलियां			स्वीकृत बोलियां			कुल निर्गम (6+7)	कट-ऑफ मूल्य	कट-ऑफ मूल्य पर निहित प्रतिफल (प्रतिशत)
		संख्या	कुल अंकित मूल्य		संख्या	कुल अंकित मूल्य				
			प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी		प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी			
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
91-दिवसीय खज़ाना बिल										
2017-18										
मार्च 27	70	49	197.71	39.96	20	70.00	39.96	109.96	98.50	6.1081
2018-19										
अप्रैल 4	70	57	491.40	215.67	31	70.00	215.67	285.67	98.50	6.1081
अप्रैल 11	70	50	405.91	58.00	30	70.00	58.00	128.00	98.50	6.1081
अप्रैल 18	70	50	317.97	20.01	34	70.00	20.01	90.01	98.50	6.1081
अप्रैल 25	70	48	204.38	68.53	37	70.00	68.53	138.53	98.48	6.1908
182-दिवसीय खज़ाना बिल										
2017-18										
मार्च 27	30	44	142.04	0.48	18	30.00	0.48	30.48	96.94	6.3305
2018-19										
अप्रैल 4	40	50	125.62	52.49	21	40.00	52.49	92.49	96.95	6.3092
अप्रैल 11	40	50	158.08	10.00	21	40.00	10.00	50.00	96.95	6.3092
अप्रैल 18	40	40	152.50	–	17	40.00	–	40.00	96.95	6.3092
अप्रैल 25	40	43	101.49	–	19	40.00	–	40.00	96.90	6.4159
364-दिवसीय खज़ाना बिल										
2017-18										
मार्च 27	20	46	111.26	–	6	20.00	–	20.00	93.92	6.4914
2018-19										
अप्रैल 4	40	50	109.33	–	32	40.00	–	40.00	93.92	6.4914
अप्रैल 11	40	54	142.81	–	21	40.00	–	40.00	93.92	6.4914
अप्रैल 18	40	57	153.31	–	27	40.00	–	40.00	93.90	6.5141
अप्रैल 25	40	58	122.74	–	13	40.00	–	40.00	93.80	6.6280

वित्तीय बाजार

सं. 26: दैनिक मांग मुद्रा दरें

(वार्षिक प्रतिशत)

स्थिति के अनुसार		दरों का दायरा	भारित औसत दरें
		उधार लेना/उधार देना	उधार लेना/उधार देना
		1	2
अप्रैल	3, 2018	4.90-6.00	5.89
अप्रैल	4, 2018	4.75-6.01	5.90
अप्रैल	5, 2018	4.90-6.00	5.91
अप्रैल	6, 2018	4.85-6.10	5.89
अप्रैल	7, 2018	4.60-5.85	5.59
अप्रैल	9, 2018	4.90-6.05	5.91
अप्रैल	10, 2018	4.85-6.05	5.89
अप्रैल	11, 2018	4.85-6.00	5.87
अप्रैल	12, 2018	4.85-6.00	5.84
अप्रैल	13, 2018	4.85-6.00	5.86
अप्रैल	16, 2018	4.85-6.08	5.93
अप्रैल	17, 2018	4.85-6.01	5.85
अप्रैल	18, 2018	4.85-6.10	5.88
अप्रैल	19, 2018	4.85-6.10	5.93
अप्रैल	20, 2018	4.85-6.15	5.93
अप्रैल	21, 2018	4.90-6.05	5.82
अप्रैल	23, 2018	4.80-6.20	5.90
अप्रैल	24, 2018	4.85-6.20	5.82
अप्रैल	25, 2018	4.80-6.15	5.88
अप्रैल	26, 2018	4.80-6.15	5.89
अप्रैल	27, 2018	4.80-6.20	6.02
मई	2, 2018	4.85-6.15	5.89
मई	3, 2018	4.85-6.10	5.91
मई	4, 2018	4.85-6.10	5.90
मई	5, 2018	4.55-6.00	5.38
मई	7, 2018	4.85-6.20	5.94
मई	8, 2018	4.85-6.25	5.86
मई	9, 2018	4.85-6.85	5.91
मई	10, 2018	4.85-6.30	5.90
मई	11, 2018	4.50-6.05	5.92
मई	14, 2018	4.85-6.25	5.91
मई	15, 2018	4.85-6.30	5.88

टिप्पणीः नोटिस मुद्रा सहित

सं. 27: जमा प्रमाणपत्र

मद	2017	2018			
	अप्रैल 28	मार्च 16	मार्च 30	अप्रैल 13	अप्रैल 27
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	1,723.1	1,887.8	1,857.3	2,035.6	2,068.1
1.1 पखवाड़े के दौरान जारी (बिलियन ₹)	48.9	301.1	331.3	226.5	83.5
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.10-6.72	6.90-7.85	6.65-8.50	6.36-7.99	6.55-7.99

सं. 28: वाणिज्यिक पत्र

मद	2017	2018			
	अप्रैल 30	मार्च 15	मार्च 31	अप्रैल 15	अप्रैल 30
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	4,399.8	4,605.0	3,725.8	4,331.8	4,476.9
1.1 पखवाड़े के दौरान रिपोर्ट किए गए (बिलियन ₹)	655.2	1,154.5	999.2	729.9	567.7
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	5.99-11.97	6.32-11.88	6.49-14.00	6.04-11.88	6.35-12.31

सं. 29: चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर

(बिलियन ₹)

मद	2017-18	2017	2018					
		अप्रैल 28	मार्च 23	मार्च 30	अप्रैल 6	अप्रैल 13	अप्रैल 20	अप्रैल 27
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 मांग मुद्रा	245.5	222.6	324.9	395.8	258.3	273.9	214.7	361.3
2 नोटिस मुद्रा	36.6	64.8	4.3	45.3	73.3	1.8	72.0	3.0
3 मीयादी मुद्रा	9	6.7	3.7	18.4	21.6	6.8	9.8	13.4
4 सीबीएलओ	2,130.1	2,194.9	1,996.0	2,226.0	1,798.4	1,757.8	2,190.1	1,796.2
5 बाजार रिपो	1,921.8	2,030.9	1,502.8	1,587.9	1,089.7	1,734.0	1,716.8	2,230.9
6 कार्पोरेट बांड में रिपो	3.8	4.5	4.8	3.8	4.0	5.1	3.8	1.5
7 फोरेक्स (यूएस मिलियन डॉलर)	55,345	64,279	72,733	105,617	59,430	69,454	66,532	81,771
8 भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां	808.7	714.3	700.7	790.6	871.4	955.0	618.9	711.0
9 राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	45.3	47.8	45.6	60.3	31.0	57.8	42.2	55.3
10 खज़ाना बिल								
10.1 91-दिवसीय	35.5	24.2	24.9	34.1	28.9	17.9	25.9	31.6
10.2 182-दिवसीय	10.2	4.4	3.4	2.5	4.2	11.5	17.2	10.7
10.3 364-दिवसीय	10.3	8.6	11.7	16.9	31.4	18.0	13.1	17.5
10.4 नकदी प्रबंधन बिल	13	21.4	–	–	–	–	–	–
11 कुल सरकारी प्रतिभूतियां (8+9+10)	923.0	820.8	786.3	904.2	966.9	1,060.2	717.3	826.2
11.1 भारतीय रिज़र्व बैंक	–	2.5	62.6	2.0	2.7	7.4	0.9	24.2

सं. 30: गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम

(राशि बिलियन ₹ में)

प्रतिभूति और निर्गम का प्रकार	2017-18		2017-18 (अप्रै.-अप्रै.)		2018-19 (अप्रै.-अप्रै.)*		अप्रै. 2017		अप्रै. 2018 *	
	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1 इक्विटी शेयर	**214**	**679.9**	**11**	**12.3**	**14**	**3.4**	**11**	**12.3**	**14**	**3.4**
1ए प्रीमियम	211	657.8	11	11.8	13	3.1	11	11.8	13	3.1
1.1 पब्लिक	193	466.0	9	8.6	12	1.9	9	8.6	12	1.9
1.1.1 प्रीमियम	190	448.7	9	8.4	11	1.6	9	8.4	11	1.6
1.2 राइट्स	21	213.9	2	3.7	2	1.5	2	3.7	2	1.5
1.2.1 प्रीमियम	21	209.1	2	3.4	2	1.5	2	3.4	2	1.5
2 अधिमान शेयर	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**
2.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3 डिबेंचर	**7**	**49.6**	**1**	**19.7**	**2**	**32.1**	**1**	**19.7**	**2**	**32.1**
3.1 परिवर्तनीय	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.2 अपरिवर्तनीय	7	49.6	1	19.7	2	32.1	1	19.7	2	32.1
3.1.1 पब्लिक	7	49.6	1	19.7	2	32.1	1	19.7	2	32.1
3.1.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4 बांड	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**
4.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
5 कुल (1+2+3+4)	**221**	**729.5**	**12**	**32.0**	**16**	**35.6**	**12**	**32.0**	**16**	**35.6**
5.1 पब्लिक	200	515.6	10	28.3	14	34.1	10	28.3	14	34.1
5.2 राइट्स	21	213.9	2	3.7	2	1.5	2	3.7	2	1.5

*: आंकड़े अनंतिम है।

टिप्पणी: अप्रैल 2018 से मासिक डाटा का समेकन निर्गम की समाप्ति की तारीख के आधार पर की जाती है जबकि पूर्व में समेकन का कार्य निर्गम चालू होने की तारीख के आधार पर किया जाता था।

स्रोत: भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी)

बाह्य क्षेत्र

सं. 31: विदेशी व्यापार

मद	इकाई	2017-18	2017	2017	2018	2018	2018	2018
			अप्रैल	दिसं.	जन.	फर.	मार्च	अप्रैल
		1	2	3	4	5	6	7
1 निर्यात	बिलियन ₹	19,521.7	1,584.9	1,778.0	1,588.1	1,663.1	1,892.7	1,700.5
	अमेरिकी मिलियन डालर	302,840.0	24,635.1	27,676.9	24,956.0	25,834.4	29,109.1	25,908.4
1.1 तेल	बिलियन ₹	2,505.9	190.0	234.5	237.5	208.3	211.9	184.6
	अमेरिकी मिलियन डालर	38,885.9	2,954.1	3,650.6	3,732.9	3,236.5	3,258.2	2,813.0
1.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	17,015.8	1,394.9	1,543.5	1,350.6	1,454.7	1,680.9	1,515.9
	अमेरिकी मिलियन डालर	263,954.2	21,681.0	24,026.3	21,223.1	22,597.9	25,850.9	23,095.4
2 आयात	बिलियन ₹	29,629.0	2,443.8	2,692.3	2,587.6	2,434.2	2,783.0	2,600.8
	अमेरिकी मिलियन डालर	459,666.6	37,884.3	41,909.3	40,661.7	37,813.6	42,800.9	39,625.1
2.1 तेल	बिलियन ₹	7,032.3	474.7	664.8	741.9	656.2	722.2	683.4
	अमेरिकी मिलियन डालर	109,110.0	7,359.3	10,347.6	11,658.9	10,194.3	11,107.7	10,412.6
2.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	22,596.7	1,969.1	2,027.6	1,845.6	1,778.0	2,060.7	1,917.4
	अमेरिकी मिलियन डालर	350,556.6	30,525.0	31,561.7	29,002.7	27,619.3	31,693.2	29,212.6
3 व्यापार शेष	बिलियन ₹	–10,107.3	–858.9	–914.3	–999.5	–771.1	–890.3	–900.3
	अमेरिकी मिलियन डालर	–156,826.5	–13,249.2	–14,232.4	–15,705.7	–11,979.2	–13,691.8	–13,716.8
3.1 तेल	बिलियन ₹	–4,526.4	–284.7	–430.2	–504.4	–447.9	–510.4	–498.8
	अमेरिकी मिलियन डालर	–70,224.1	–4,405.2	–6,697.0	–7,926.1	–6,957.9	–7,849.5	–7,599.6
3.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	–5,580.9	–574.1	–484.1	–495.1	–323.2	–379.9	–401.5
	अमेरिकी मिलियन डालर	–86,602.4	–8,844.0	–7,535.5	–7,779.6	–5,021.3	–5,842.3	–6,117.2

स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय तथा वाणिज्यिक और उद्योग मंत्रालय।

सं. 32: विदेशी मुद्रा भंडार

मद	इकाई	2017	2018	2018	2018	2018	2018	2018
		मई 19	अप्रैल 13	अप्रैल 20	अप्रैल 27	मई 4	मई 11	मई 18
		1	2	3	4	5	6	7
1 कुल भंडार	**बिलियन ₹**	**24,630**	**27,780**	**27,935**	**28,026**	**27,963**	**28,058**	**28,169**
	अमेरिकी मिलियन डालर	**379,311**	**426,082**	**423,583**	**420,366**	**418,940**	**417,703**	**415,054**
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	बिलियन ₹	23,072	26,147	26,299	26,387	26,278	26,371	26,479
	अमेरिकी मिलियन डालर	355,097	400,978	398,486	395,277	393,717	392,454	389,820
1.2 स्वर्ण	बिलियन ₹	1,313	1,397	1,397	1,399	1,447	1,448	1,449
	अमेरिकी मिलियन डालर	20,439	21,484	21,484	21,511	21,662	21,688	21,701
1.3 एसडीआर	एसडीआरएस मिलियन	1,064	1,059	1,059	1,059	1,059	1,059	1,057
	बिलियन ₹	96	101	102	102	101	102	102
	अमेरिकी मिलियन डालर	1,469	1,541	1,538	1,523	1,516	1,516	1,501
1.4 आईएमएफ में आरक्षित भाग की स्थिति	बिलियन ₹	150	136	137	137	137	138	138
	अमेरिकी मिलियन डालर	2,305	2,079	2,075	2,056	2,046	2,046	2,032

सं. 33: अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां

(अमेरिकी मिलियन डालर)

योजना	बकाया				प्रवाह	
	2017-18	2017	2018	2018	2017-18	2018-19
		अप्रैल	मार्च	अप्रैल	अप्रैल	अप्रैल
	1	2	3	4	5	6
1 एनआरआई जमाराशियां	**126,182**	**117,328**	**126,182**	**124,423**	**–465**	**966**
1.1 एफसीएनआर (बी)	22,026	21,054	22,026	21,990	52	–36
1.2 एनआर (ई) आरए	90,035	83,765	90,035	88,570	–253	890
1.3 एनआरओ	14,121	12,509	14,121	13,863	–264	111

सं. 34: विदेशी निवेश अंतर्वाह

(अमेरिकी मिलियन डालर)

मद	2017-18	2017-18	2018-19	2017	2018	
		अप्रैल	अप्रैल	अप्रैल	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4	5	6
1.1 निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1-1.1.2)	**31,111**	**1,610**	**4,859**	**1,610**	**1,795**	**4,859**
1.1.1 भारत में प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1.1-1. 1.1.2)	**40,444**	**3,140**	**6,061**	**3,140**	**2,977**	**6,061**
1.1.1.1 सकल अंतर्वाह/सकल निवेश	**61,963**	**4,623**	**6,677**	**4,623**	**5,403**	**6,677**
1.1.1.1.1 ईक्विटी	45,673	3,280	5,400	3,280	3,428	5,400
1.1.1.1.1.1 सरकारी (एसआईए/एफआईपीबी)	7,797	36	413	36	56	413
1.1.1.1.1.2 भारतीय रिज़र्व बैंक	29,569	2,521	4,685	2,521	3,053	4,685
1.1.1.1.1.3 शेयरों की अधिप्राप्ति	7,491	671	251	671	208	251
1.1.1.1.1.4 अनिगमित निकायों की ईक्विटी पूंजी	816	52	52	52	111	52
1.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	12,370	973	973	973	1,080	973
1.1.1.1.3 अन्य पूंजी	3,920	370	304	370	895	304
1.1.1.2 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	**21,519**	**1,483**	**615**	**1,483**	**2,426**	**615**
1.1.1.2.1 ईक्विटी	21,301	1,442	610	1,442	2,418	610
1.1.1.2.2 अन्य पूंजी	219	41	5	41	8	5
1.1.2 भारत द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.2.1+1.1.2.2+ 1.1.2.3-1.1.2.4)	**9,333**	**1,530**	**1,202**	**1,530**	**1,183**	**1,202**
1.1.2.1 ईक्विटी पूंजी	5,145	766	823	766	590	823
1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	3,088	262	262	262	244	262
1.1.2.3 अन्य पूंजी	4,586	738	186	738	583	186
1.1.2.4 प्रत्यावर्तन/विनिवेश	3,485	236	69	236	234	69
1.2 निवल संविभागीय निवेश (1.2.1+1.2.2+1.2.3-1.2.4)	**22,129**	**2,121**	**–3,133**	**2,121**	**1,159**	**–3,133**
1.2.1 जीडीआर/एडीआर	–	–	–	–	–	–
1.2.2 एफआईआई	22,165	1,945	–3,047	1,945	1,224	–3,047
1.2.3 अपतटीय निधियां और अन्य	–	–	–	–	–	–
1.2.4 भारत द्वारा संविभागीय निवेश	36	–177	86	–177	64	86
1 विदेशी निवेश अंतर्वाह	**53,239**	**3,732**	**1,726**	**3,732**	**2,954**	**1,726**

सं. 35: वैयक्तिक निवासियों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	2017-18	2017	2018		
		अप्रैल	फर.	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4	5
1 एलआरएस के अंतर्गत जावक विप्रेषण	**11,333.6**	**761.3**	**837.6**	**1,120.8**	**929.3**
1.1 जमाराशियां	414.9	49.0	32.0	81.0	49.9
1.2 अचल संपत्ति की खरीद	89.6	6.7	5.8	13.9	7.6
1.3 इक्विटी / डेट में निवेश	441.8	43.1	22.5	69.4	34.1
1.4 उपहार	1,169.7	105.3	95.2	139.1	142.8
1.5 दान	8.5	2.5	0.5	0.6	0.9
1.6 यात्रा	4,022.1	200.4	291.9	334.7	274.8
1.7 निकट संबंधियों का रखरखाव	2,937.4	244.8	234.2	318.6	281.5
1.8 चिकित्सा उपचार	27.5	2.2	1.8	2.4	3.2
1.9 विदेश में शिक्षा	2,021.4	90.3	139.7	134.1	115.7
1.10 अन्य	200.6	17.0	14.0	26.9	18.8

सं. 36ः भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (रीर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (नीर)

मद	2016-17	2017-18	2017	2018	
			मई	अप्रैल	मई
	1	2	3	4	5
36-मुद्रा निर्यात और व्यापार आधारित भारांक (आधार: 2004-05=100)					
1 व्यापार आधारित भारांक					
1.1 नीर	74.65	76.94	78.19	74.57	73.70
1.2 रीर	114.51	119.71	119.48	116.02	114.67
2 निर्यात आधारित भारांक					
2.1 नीर	76.38	78.89	79.96	76.64	75.74
2.2 रीर	116.44	121.93	121.45	118.16	116.77
6-मुद्रा व्यापार आधारित भारांक					
1 आधार : 2004-05 (अप्रैल-मार्च) =100					
1.1 नीर	66.86	68.13	70.12	64.72	64.06
1.2 रीर	125.17	129.87	131.69	124.08	123.34
2 आधार : 2016-17 (अप्रैल-मार्च) =100					
2.1 नीर	100.00	101.90	104.88	96.80	95.81
2.2 रीर	100.00	103.75	105.21	99.13	98.53

सं. 37ः बाह्य वाणिज्यिक उधार – पंजीकरण

(राशि अमेरिकी मिलियन डालर में)

मद	2017-18	2017	2018	
		अप्रैल	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4
1 स्वचालित मार्ग				
1.1 संख्या	769	55	91	71
1.2 राशि	20,397	1,660	3,575	2,254
2 अनुमोदन मार्ग				
2.1 संख्या	38	1	6	3
2.2 राशि	8,471	39	1,500	1,663
3 कुल (1+2)				
3.1 संख्या	807	56	97	74
3.2 राशि	28,868	1,699	5,075	3,917
4 भारित औसत परिपक्वता (वर्षों में)	6.10	6.20	5.70	5.60
5 ब्याज दर (प्रतिशत)				
5.1 6 महीने के लिबॉर पर भारित औसत मार्जिन या अस्थिर दर के ऋणों के लिए संदर्भ दर	1.34	2.53	1.08	1.02
5.2 सावधि दर के ऋणों के लिए ब्याज दर की सीमा	0.00-12.25	0.00-12.00	0.00-12.05	0.00-11.30

सं. 38: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	अक्तू.-दिसं. 2016 (आं.सं)			अक्तू.-दिसं. 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**268,270**	**269,511**	**–1,242**	**319,724**	**310,290**	**9,434**
1 चालू खाता (1.1+1.2)	**130,191**	**138,167**	**–7,976**	**150,108**	**163,585**	**–13,478**
1.1 पण्य	**68,755**	**102,028**	**–33,273**	**77,541**	**121,638**	**–44,097**
1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**61,436**	**36,139**	**25,297**	**72,566**	**41,947**	**30,619**
1.2.1 सेवाएं	42,145	24,365	17,780	49,961	29,021	20,940
1.2.1.1 यात्रा	6,187	3,710	2,477	7,441	4,621	2,820
1.2.1.2 परिवहन	3,797	3,268	529	4,388	4,419	–31
1.2.1.3 बीमा	522	413	109	611	435	176
1.2.1.4 जीएनआईई	176	135	40	203	193	11
1.2.1.5 विविध	31,464	16,839	14,625	37,318	19,354	17,964
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	18,947	945	18,002	19,974	1,333	18,641
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	8,319	8,065	255	9,859	9,400	459
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	1,210	1,624	–414	983	1,574	–591
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	559	231	327	414	239	175
1.2.2 अंतरण	15,276	1,382	13,894	17,685	1,623	16,062
1.2.2.1 आधिकारिक	110	212	–102	96	202	–105
1.2.2.2 निजी	15,166	1,170	13,996	17,589	1,422	16,167
1.2.3 आय	4,015	10,392	–6,377	4,920	11,303	–6,382
1.2.3.1 निवेश आय	3,008	9,761	–6,753	3,765	10,724	–6,959
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षति पूर्ति	1,007	631	376	1,155	578	577
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**137,418**	**131,344**	**6,073**	**168,778**	**146,705**	**22,074**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	**66,952**	**68,559**	**–1,607**	**93,990**	**84,371**	**9,619**
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	18,547	8,813	9,734	15,287	10,989	4,297
2.1.1.1 भारत में	18,066	4,871	13,196	14,317	8,315	6,002
2.1.1.1.1 इक्विटी	14,532	4,812	9,720	10,755	8,287	2,468
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	3,060	–	3,060	3,173	–	3,173
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	475	59	416	389	29	360
2.1.1.2 विदेश में	480	3,942	–3,462	969	2,674	–1,704
2.1.1.2.1 इक्विटी	480	2,283	–1,802	969	1,111	–141
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	731	–731	0	785	–785
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	928	–928	0	778	–778
2.1.2 संविभाग निवेश	48,405	59,746	–11,341	78,703	73,382	5,322
2.1.2.1 भारत में	48,250	59,564	–11,314	78,576	73,145	5,430
2.1.2.1.1 एफआईआई	48,250	59,564	–11,314	78,576	73,145	5,430
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	37,637	42,371	–4,733	63,467	61,246	2,221
2.1.2.1.1.2 ऋण	10,613	17,194	–6,581	15,109	11,900	3,209
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	–	0
2.1.2.2 विदेश में	154	181	–27	127	236	–109
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**31,150**	**29,469**	**1,682**	**38,186**	**32,096**	**6,090**
2.2.1 बाहय सहायता	1,601	1,058	543	1,947	1,201	746
2.2.1.1 भारत द्वारा	14	57	–43	14	31	–17
2.2.1.2 भारत को	1,587	1,001	586	1,934	1,170	764
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	6,092	7,917	–1,825	10,789	10,227	562
2.2.2.1 भारत द्वारा	963	280	683	2,755	2,623	132
2.2.2.2 भारत को	5,129	7,637	–2,508	8,034	7,604	430
2.2.3 भारत को अल्पावधि	23,457	20,493	2,964	25,449	20,667	4,782
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	22,700	20,493	2,207	24,456	20,667	3,789
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	757	0	757	993	0	993
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**30,610**	**27,430**	**3,180**	**25,355**	**20,775**	**4,580**
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	30,610	27,427	3,182	25,107	20,775	4,332
2.3.1.1 आस्तियां	19,123	107	19,016	8,245	8,721	–475
2.3.1.2 देयताएं	11,487	27,321	–15,834	16,861	12,054	4,807
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	7,450	25,980	–18,530	14,489	11,398	3,091
2.3.2 अन्य	0	2	–2	248	0	248
2.4 रुपया ऋण चुकौती	0	0	0	–	0	0
2.5 अन्य पूंजी	8,706	5,887	2,819	11,248	9,463	1,784
3 भूल-चूक	**660**	**–**	**660**	**838**	**–**	**838**
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	**1,242**	**0**	**1,242**	**0**	**9,434**	**–9,434**
4.1 आईएमएफ	0	0	0	–	–	–
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	1,242	0	1,242	0	9,434	–9,434

सं. 39: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(बिलियन ₹)

मद	अक्तू.-दिसं. 2016 (आं.सं)			अक्तू.-दिसं. 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**18,088**	**18,172**	**–84**	**20,695**	**20,085**	**611**
1 चालू खाता (1.1+1.2)	**8,778**	**9,316**	**–538**	**9,716**	**10,589**	**–872**
1.1 पण्य	**4,636**	**6,879**	**–2,243**	**5,019**	**7,873**	**–2,854**
1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**4,142**	**2,437**	**1,706**	**4,697**	**2,715**	**1,982**
1.2.1 सेवाएं	2,842	1,643	1,199	3,234	1,879	1,355
1.2.1.1 यात्रा	417	250	167	482	299	183
1.2.1.2 परिवहन	256	220	36	284	286	–2
1.2.1.3 बीमा	35	28	7	40	28	11
1.2.1.4 जीएनआईई	12	9	3	13	12	1
1.2.1.5 विविध	2,121	1,135	986	2,416	1,253	1,163
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	1,278	64	1,214	1,293	86	1,207
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	561	544	17	638	608	30
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	82	110	–28	64	102	–38
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	38	16	22	27	15	11
1.2.2 अंतरण	1,030	93	937	1,145	105	1,040
1.2.2.1 आधिकारिक	7	14	–7	6	13	–7
1.2.2.2 निजी	1,023	79	944	1,138	92	1,046
1.2.3 आय	271	701	–430	318	732	–413
1.2.3.1 निवेश आय	203	658	–455	244	694	–450
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	68	43	25	75	37	37
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**9,265**	**8,856**	**409**	**10,925**	**9,496**	**1,429**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	4,514	4,623	–108	6,084	5,461	623
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	1,251	594	656	989	711	278
2.1.1.1 भारत में	1,218	328	890	927	538	388
2.1.1.1.1 इक्विटी	980	324	655	696	536	160
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	206	0	206	205	0	205
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	32	4	28	25	2	23
2.1.1.2 विदेश में	32	266	–233	63	173	–110
2.1.1.2.1 इक्विटी	32	154	–122	63	72	–9
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	49	–49	0	51	–51
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	63	–63	0	50	–50
2.1.2 संविभाग निवेश	3,264	4,028	–765	5,094	4,750	344
2.1.2.1 भारत में	3,253	4,016	–763	5,086	4,735	351
2.1.2.1.1 एफआईआई	3,253	4,016	–763	5,086	4,735	351
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	2,538	2,857	–319	4,108	3,964	144
2.1.2.1.1.2 ऋण	716	1,159	–444	978	770	208
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	10	12	–2	8	15	–7
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**2,100**	**1,987**	**113**	**2,472**	**2,078**	**394**
2.2.1 बाह्य सहायता	108	71	37	126	78	48
2.2.1.1 भारत द्वारा	1	4	–3	1	2	–1
2.2.1.2 भारत को	107	67	40	125	76	49
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	411	534	–123	698	662	36
2.2.2.1 भारत द्वारा	65	19	46	178	170	9
2.2.2.2 भारत को	346	515	–169	520	492	28
2.2.3 भारत को अल्पावधि	1,582	1,382	200	1,647	1,338	310
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	1,531	1,382	149	1,583	1,338	245
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	51	0	51	64	0	64
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**2,064**	**1,849**	**214**	**1,641**	**1,345**	**296**
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	2,064	1,849	215	1,625	1,345	280
2.3.1.1 आस्तियां	1,289	7	1,282	534	564	–31
2.3.1.2 देयताएं	774	1,842	–1,068	1,091	780	311
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	502	1,752	–1,249	938	738	200
2.3.2 अन्य	0	0	–	16	0	16
2.4 रुपया ऋण चुकौती	0	0	0	0	0	0
2.5 अन्य पूंजी	587	397	190	728	613	116
3 भूल-चूक	**45**	**–**	**45**	**54**	**–**	**54**
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	**84**	0	**84**	0	**611**	**–611**
4.1 आईएमएफ	0	0	0	–	–	–
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	84	0	84	0	611	–611

सं. 40: बीपीएम6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	अक्तू.-दिसं. 2016 (आं.सं)			अक्तू.-दिसं. 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)	**130,183**	**138,147**	**–7,964**	**150,101**	**163,566**	**–13,465**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**110,900**	**126,394**	**–15,493**	**127,502**	**150,659**	**–23,157**
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**68,755**	**102,028**	**–33,273**	**77,541**	**121,638**	**–44,097**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	69,539	92,137	–22,597	77,848	112,038	–34,190
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	–784	0	–784	–307	0	–307
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	–	9,892	–9,892	–	9,600	–9,600
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**42,145**	**24,365**	**17,780**	**49,961**	**29,021**	**20,940**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्ववाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	22	6	16	34	13	21
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	47	72	–25	43	129	–87
1.अ.ख.3 परिवहन	3,797	3,268	529	4,388	4,419	–31
1.अ.ख.4 यात्रा	6,187	3,710	2,477	7,441	4,621	2,820
1.अ.ख.5 निर्माण	591	224	367	529	327	201
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	522	413	109	611	435	176
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	1,210	1,624	–414	983	1,574	–591
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	144	1,509	–1,366	215	1,929	–1,714
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	19,595	1,247	18,348	20,513	1,662	18,850
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	8,319	8,065	255	9,859	9,400	459
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	328	439	–111	366	501	–135
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	176	135	40	203	193	11
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	1,209	3,652	–2,444	4,777	3,819	958
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**4,015**	**10,392**	**–6,377**	**4,920**	**11,303**	**–6,382**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	1,007	631	376	1,155	578	577
1.आ.2 निवेश आय	2,367	9,610	–7,243	3,141	10,606	–7,465
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	1,218	4,864	–3,647	1,580	4,735	–3,155
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	20	1,656	–1,636	19	2,618	–2,599
1.आ.2.3 अन्य निवेश	265	3,090	–2,826	332	3,245	–2,913
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	865	0	865	1,209	8	1,201
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	641	151	490	625	119	506
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**15,268**	**1,362**	**13,906**	**17,678**	**1,604**	**16,074**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	15,166	1,170	13,996	17,589	1,422	16,167
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	14,579	959	13,620	17,011	1,083	15,928
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	587	211	376	578	339	239
1.इ.2 सामान्य सरकार	101	192	–90	89	182	–93
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**59**	**78**	**–19**	**131**	**97**	**33**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	15	28	–12	47	19	28
2.2 पूँजी अंतरण	44	51	–7	84	78	5
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**138,608**	**131,286**	**7,323**	**168,655**	**156,061**	**12,593**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**18,547**	**8,813**	**9,734**	**15,287**	**10,989**	**4,297**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	18,066	4,871	13,196	14,317	8,315	6,002
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	17,591	4,812	12,780	13,928	8,287	5,641
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	14,532	4,812	9,720	10,755	8,287	2,468
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	3,060	–	3,060	3,173	–	3,173
3.1.अ.2 ऋण लिखत	475	59	416	389	29	360
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	475	59	416	389	29	360
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	480	3,942	–3,462	969	2,674	–1,704
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	480	3,014	–2,534	969	1,896	–927
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	480	2,283	–1,802	969	1,111	–141
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	–	731	–731	–	785	–785
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	928	–928	0	778	–778
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	–	928	–928	–	778	–778
3.2 संविभाग निवेश	**48,405**	**59,746**	**–11,341**	**78,703**	**73,382**	**5,322**
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	48,250	59,564	–11,314	78,576	73,145	5,430
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	37,637	42,371	–4,733	63,467	61,246	2,221
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	10,613	17,194	–6,581	15,109	11,900	3,209
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	154	181	–27	127	236	–109
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**5,931**	**2,811**	**3,120**	**5,402**	**5,905**	**–503**
3.4 अन्य निवेश	**64,484**	**59,917**	**4,568**	**69,263**	**56,351**	**12,912**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	7,450	25,982	–18,532	14,738	11,398	3,340
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	0	2	–2	248	0	248
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	7,450	25,980	–18,530	14,489	11,398	3,091
3.4.2.3 सामान्य सरकार	–	–	–	–	–	0
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	–	–	–	–	–	0
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	30,853	10,423	20,430	23,354	20,805	2,549
3.4.3अ भारत को ऋण	29,876	10,086	19,790	20,585	18,150	2,434
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	978	338	640	2,769	2,654	114
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	229	223	5	21	58	–37
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	23,457	20,493	2,964	25,449	20,667	4,782
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य /देय-अन्य	2,495	2,795	–299	5,701	3,422	2,279
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	–	–	–	–	–	0
3.5 आरक्षित आस्तियां	**1,242**	0	**1,242**	0	**9,434**	**–9,434**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	–	–	–	–	–	0
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	–	–	–	–	–	0
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए	–	–	–	–	–	0
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	1,242	0	1,242	0	9,434	–9,434
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**138,608**	**131,286**	**7,323**	**168,655**	**156,061**	**12,593**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	62,023	53,412	8,611	83,915	77,629	6,286
4.2 ऋण लिखत	72,848	75,079	–2,231	79,038	65,576	13,462
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	3,737	2,795	942	5,701	12,856	–7,155
5. निवल भूल-चूक	**660**	–	**660**	**838**	–	**838**

सं. 41: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(बिलियन ₹)

मद	अक्तू.-दिसं. 2016 (आं.सं)			अक्तू.-दिसं. 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1. चालू खाता (1.अ+1.आ+1.इ)	**8,778**	**9,315**	**–537**	**9,716**	**10,587**	**–872**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**7,477**	**8,522**	**–1,045**	**8,253**	**9,752**	**–1,499**
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**4,636**	**6,879**	**–2,243**	**5,019**	**7,873**	**–2,854**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	4,689	6,212	–1,524	5,039	7,252	–2,213
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	–53	0	–53	–20	0	–20
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	–	667	–667	0	621	–621
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**2,842**	**1,643**	**1,199**	**3,234**	**1,879**	**1,355**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्ववाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	1	0	1	2	1	1
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	3	5	–2	3	8	–6
1.अ.ख.3 परिवहन	256	220	36	284	286	–2
1.अ.ख.4 यात्रा	417	250	167	482	299	183
1.अ.ख.5 निर्माण	40	15	25	34	21	13
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	35	28	7	40	28	11
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	82	110	–28	64	102	–38
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	10	102	–92	14	125	–111
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	1,321	84	1,237	1,328	108	1,220
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	561	544	17	638	608	30
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	22	30	–7	24	32	–9
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	12	9	3	13	12	1
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	81	246	–165	309	247	62
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**271**	**701**	**–430**	**318**	**732**	**–413**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	68	43	25	75	37	37
1.आ.2 निवेश आय	160	648	–488	203	687	–483
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	82	328	–246	102	306	–204
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	1	112	–110	1	169	–168
1.आ.2.3 अन्य निवेश	18	208	–191	22	210	–189
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	58	0	58	78	1	78
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	43	10	33	40	8	33
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**1,029**	**92**	**938**	**1,144**	**104**	**1,040**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	1,023	79	944	1,138	92	1,046
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	983	65	918	1,101	70	1,031
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	40	14	25	37	22	15
1.इ.2 सामान्य सरकार	7	13	–6	6	12	–6
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**4**	**5**	**–1**	**8**	**6**	**2**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	1	2	–1	3	1	2
2.2 पूँजी अतंरण	3	3	0	5	5	0
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**9,346**	**8,852**	**494**	**10,917**	**10,102**	**815**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**1,251**	**594**	**656**	**989**	**711**	**278**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	1,218	328	890	927	538	388
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	1,186	324	862	902	536	365
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	980	324	655	696	536	160
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	206	0	206	205	0	205
3.1.अ.2 ऋण लिखत	32	4	28	25	2	23
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	32	4	28	25	2	23
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	32	266	–233	63	173	–110
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	32	203	–171	63	123	–60
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	32	154	–122	63	72	–9
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	49	–49	0	51	–51
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	63	–63	0	50	–50
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	63	–63	0	50	–50
3.2 संविभाग निवेश	**3,264**	**4,028**	**–765**	**5,094**	**4,750**	**344**
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	3,253	4,016	–763	5,086	4,735	351
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	2,538	2,857	–319	4,108	3,964	144
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	716	1,159	–444	978	770	208
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	10	12	–2	8	15	–7
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**400**	**190**	**210**	**350**	**382**	**–33**
3.4 अन्य निवेश	**4,348**	**4,040**	**308**	**4,483**	**3,648**	**836**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	502	1,752	–1,250	954	738	216
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	0	0	0	16	0	16
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	502	1,752	–1,249	938	738	200
3.4.2.3 सामान्य सरकार	–	–	–	–	–	–
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	–	–	–	–	–	–
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	2,080	703	1,377	1,512	1,347	165
3.4.3अ भारत को ऋण	2,014	680	1,334	1,332	1,175	158
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	66	23	43	179	172	7
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	15	15	0	1	4	–2
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	1,582	1,382	200	1,647	1,338	310
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	168	188	–20	369	221	148
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	–	–	–	0	0	0
3.5 आरक्षित आस्तियां	**84**	0	**84**	0	**611**	**–611**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	–	–	–	–	–	–
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	84	0	84	0	611	–611
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**9,346**	**8,852**	**494**	**10,917**	**10,102**	**815**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	4,182	3,601	581	5,432	5,025	407
4.2 ऋण लिखत	4,912	5,062	–150	5,116	4,245	871
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	252	188	64	369	832	–463
5. निवल भूल-चूक	**45**	–	**45**	**54**	–	**54**

सं. 42: अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	वित्तीय वर्ष / समाप्त तिमाही की स्थिति							
	2016-17		2016		2017			
			दिसं.		सितं		दिसं.	
	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 विदेश/भारत में प्रत्यक्ष निवेश	148,229	342,607	144,086	318,487	153,637	364,126	155,341	377,683
1.1 इक्विटी पूंजी और पुनर्निवेशित अर्जन	99,114	327,845	96,569	304,538	101,681	347,947	102,608	361,431
1.2 अन्य पूंजी	49,115	14,762	47,516	13,949	51,956	16,180	52,734	16,253
2 संविभाग निवेश	2,615	238,598	2,283	221,101	2,456	253,975	2,565	267,717
2.1 इक्विटी	1,593	153,978	2,280	140,567	2,408	150,062	2,281	155,663
2.2 ऋण	1,022	84,621	4	80,534	48	103,912	284	112,054
3 अन्य निवेश	43,433	377,136	38,129	365,355	39,040	380,574	40,643	391,861
3.1 व्यापार ऋण	1,793	88,896	1,949	84,782	1,263	93,589	1,572	98,440
3.2 ऋण	7,305	159,572	4,236	160,092	5,882	156,857	5,507	156,079
3.3 मुद्रा और जमाराशियां	20,073	117,110	14,873	110,019	17,208	118,266	18,802	123,546
3.4 अन्य आस्तियां/देयताएं	14,261	11,557	17,072	10,462	14,687	11,862	14,763	13,796
4 रिज़र्व्स	369,955	–	358,898	–	400,205	–	409,072	–
5 कुल आस्तियां/देयताएं	564,231	958,341	543,396	904,943	595,338	998,675	607,621	1,037,262
6 आईआईपी (आस्तियां - देयताएं)		–394,110		–361,546		–403,337		–429,641

भुगतान और निपटान प्रणाली

सं. 43: भुगतान प्रणाली संकेतक

प्रणाली	मात्रा (मिलियन)				मूल्य (बिलियन ₹)			
	2017-18	2018			2017-18	2018		
		फर	मार्च	अप्रैल		फर	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 आरटीजीएस	**124.46**	**10.63**	**12.69**	**10.66**	**1,467,431.99**	**114,123.57**	**158,779.65**	**120,758.20**
1.1 ग्राहक लेनदेन	120.71	10.34	12.36	10.37	1,036,698.74	82,134.80	112,498.68	82,457.44
1.2 अंतरबैंक लेनदेन	3.72	0.29	0.32	0.29	130,426.03	9,630.83	13,841.62	11,588.31
1.3 अंतरबैंक समाशोधन	0.024	0.002	0.002	0.002	300,307.22	22,357.94	32,439.35	26,712.46
2 सीसीआईएल परिचालित प्रणाली	**3.50**	**0.28**	**0.27**	**0.32**	**1,074,802.02**	**85,016.52**	**86,985.00**	**88,118.72**
2.1 सीबीएलओ	0.20	0.02	0.02	0.01	283,307.58	23,264.19	22,614.48	20,391.16
2.2 सरकारी प्रतिभूतियों का समाशोधन	1.12	0.07	0.08	0.10	370,363.78	27,459.78	25,131.15	27,275.05
2.2.1 एकमुश्त	0.92	0.06	0.06	0.08	113,998.80	6,273.99	6,716.21	8,828.96
2.2.2 रिपो	0.199	0.016	0.015	0.015	256,364.98	21,185.79	18,414.94	18,446.09
2.3 विदेशी समाशोधन	2.17	0.19	0.18	0.20	421,130.66	34,292.56	39,239.37	40,452.51
3 पेपर समाशोधन	**1,170.68**	**93.35**	**105.29**	**92.47**	**81,893.29**	**6,553.58**	**7,811.97**	**7,271.80**
3.1 चेक ट्रंकेशन प्रणाली	1,138.05	91.82	103.62	90.93	79,451.24	6,453.56	7,682.16	7,155.21
3.2 एमआईसीआर समाशोधन	–	-	-	-	–	–	–	–
3.2.1 आरबीआई के केन्द्र	–	-	-	-	–	–	–	–
3.2.2 अन्य केन्द्र	–	-	-	-	–	–	–	–
3.3 गैर-एमआईसीआर समाशोधन	32.63	1.53	1.67	1.53	2,442.05	100.02	129.81	116.59
4 खुदरा इलेक्ट्रानिक समाशोधन	**5,467.29**	**475.51**	**539.85**	**541.12**	**192,016.84**	**16,678.30**	**24,901.84**	**18,589.84**
4.1 ईसीएस नामे	1.55	0.09	0.07	0.05	9.74	0.40	0.27	0.24
4.2 ईसीएस जमा (एनईसीएस शामिल है)	6.13	0.49	0.31	0.65	117.48	9.34	9.05	12.34
4.3 ईएफटी/एनईएफटी	1,946.36	165.59	212.01	167.35	172,228.52	14,843.90	22,540.77	16,326.64
4.4 तुरंत भुगतान सेवाएं (आईएमपीएस)	1,009.80	99.25	110.15	109.55	8,924.98	882.70	1,038.04	1,022.40
4.5 राष्ट्रीय स्वचलित समाशोधन गृह (एनएसीएच)	2,503.46	210.10	217.31	263.52	10,736.12	941.95	1,313.70	1,228.22
5 कार्ड	**13,358.62**	**1,115.73**	**1,221.92**	**1,225.75**	**38,214.64**	**3,225.05**	**3,528.84**	**3,554.28**
5.1 क्रेडिट कार्ड	1,412.97	115.44	128.08	133.05	4,626.33	379.81	446.77	451.74
5.1.1 एटीएम का प्रयोग	7.81	0.69	0.79	0.73	36.68	3.22	3.69	3.40
5.1.2 पीओएस का प्रयोग	1,405.16	114.75	127.29	132.32	4,589.65	376.60	443.08	448.34
5.2 डेबिट कार्ड	11,945.65	1,000.28	1,093.84	1,092.70	33,588.31	2,845.24	3,082.07	3,102.54
5.2.1 एटीएम का प्रयोग	8,602.26	718.28	774.94	758.94	28,987.61	2,474.87	2,663.50	2,647.97
5.2.2 पीओएस का प्रयोग	3,343.39	282.01	318.90	333.77	4,600.70	370.37	418.57	454.57
6 प्रीपेड भुगतान लिखत (पीपीआई)	**3,459.05**	**345.37**	**293.66**	**326.17**	**1,416.34**	**149.59**	**118.82**	**133.80**
6.1 एम-वॉलेट	3,025.98	310.01	268.79	279.29	1,086.75	131.04	100.97	116.95
6.2 पीपीआई कार्ड	432.63	35.32	24.84	46.87	310.41	17.65	17.29	16.63
6.3 पेपर वाउचर	0.44	0.03	0.03	0.02	19.19	0.90	0.55	0.22
7 मोबाइल बैंकिंग	**1,871.03**	**223.25**	**238.67**	**247.36**	**14,692.51**	**1,136.60**	**1,358.87**	**1,309.27**
8 कार्ड बकाया	**898.56**	**892.38**	**898.56**	**944.14**	–	–	–	–
8.1 क्रेडिट कार्ड	37.48	36.94	37.48	37.78	–	–	–	–
8.2 डेबिट कार्ड	861.08	855.45	861.08	906.36	–	–	–	–
9 एटीएम की संख्या (वास्तव में)	**222247**	**221687**	**222247**	**223359**	–	–	–	–
10 पीओएस की संख्या (वास्तव में)	**3137204**	**3079487**	**3137204**	**3162988**	–	–	–	–
11 कुल जोड़ (1.1+1.2+2+3+4+5+6)	**23,583.56**	**2,040.86**	**2,173.68**	**2,196.49**	**2,555,467.91**	**203,388.67**	**249,686.76**	**211,714.18**

टिप्पणी: पिछले 12 माह अवधि का डाटा अनंतिम है।

अवसरिक श्रृंखलाएं

सं. 44: लघु बचत

(बिलियन ₹)

योजना		2016-17	2016	2017		
			नवं.	सितं.	अक्तू.	नवं.
		1	2	3	4	5
1. लघु बचत	**प्राप्तियां**	**4,341.75**	**498.25**	**57.85**	**48.27**	**51.20**
	बकाया	**7,312.73**	**7,191.30**	**7,616.73**	**7,664.67**	**7,715.69**
1.1 कुल जमाराशियां	**प्राप्तियां**	**3,879.55**	**471.74**	**45.81**	**43.37**	**46.06**
	बकाया	**4,689.77**	**4,640.64**	**4,938.29**	**4,981.66**	**5,027.72**
1.1.1 डाक घर बचत बैंक जमाराशियां	प्राप्तियां	2,474.46	368.23	12.27	14.34	10.59
	बकाया	920.64	925.56	981.11	995.45	1,006.04
1.1.2 एमजीएनआरईजी	प्राप्तियां	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	बकाया	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1.3 राष्ट्रीय बचत योजना, 1987	प्राप्तियां	0.56	–0.03	–0.18	–0.15	–0.24
	बकाया	33.01	33.37	31.39	31.24	31.00
1.1.4 राष्ट्रीय बचत योजना, 1992	प्राप्तियां	0.01	–0.01	–0.01	–0.02	–0.06
	बकाया	–0.48	–0.28	0.39	0.37	0.31
1.1.5 मासिक आय योजना	प्राप्तियां	353.34	20.65	0.42	–1.59	–1.91
	बकाया	1,800.66	1,823.48	1,795.25	1,793.66	1,791.75
1.1.6 वरिष्ठ नागरिक योजना	प्राप्तियां	100.02	5.44	10.37	6.93	10.36
	बकाया	294.53	262.14	358.82	365.75	376.11
1.1.7 डाक घर मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	476.65	30.28	16.07	15.13	18.59
	बकाया	796.58	761.04	884.92	900.05	918.64
1.1.7.1 1 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	518.38	512.97	554.44	560.57	568.91
1.1.7.2 2 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	36.58	33.82	42.12	42.84	43.55
1.1.7.3 3 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	51.77	50.11	55.49	56.31	57.28
1.1.7.4 5 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	189.85	164.14	232.87	240.33	248.90
1.1.8 डाक घर आवर्ती जमाराशियां	प्राप्तियां	474.51	47.18	7.07	8.73	8.73
	बकाया	844.53	834.93	886.31	895.04	903.77
1.1.9 डाक घर सावधि मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	0.00	0.00	-0.20	0.00	0.00
	बकाया	0.08	0.18	–0.12	–0.12	–0.12
1.1.10 अन्य जमाराशियां	प्राप्तियां	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	बकाया	0.22	0.22	0.22	0.22	0.22
1.2 बचत प्रमाणपत्र	**प्राप्तियां**	**289.85**	**17.79**	**8.58**	**3.10**	**2.88**
	बकाया	**1,989.35**	**1,957.79**	**2,031.79**	**2,034.56**	**2,037.26**
1.2.1 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VIII निर्गम	प्राप्तियां	120.63	6.76	–2.36	–0.10	0.01
	बकाया	872.39	870.23	846.35	846.25	846.26
1.2.2 इंदिरा विकास पत्र	प्राप्तियां	0.00	0.00	–0.01	–0.10	0.00
	बकाया	8.86	8.89	8.80	8.70	8.70
1.2.3 किसान विकास पत्र	प्राप्तियां	–0.01	0.01	–12.09	–13.20	–15.57
	बकाया	535.72	572.70	465.29	452.09	436.52
1.2.4 किसान विकास पत्र-2014	प्राप्तियां	169.23	11.02	23.08	16.54	18.48
	बकाया	460.23	393.31	600.25	616.79	635.27
1.2.5 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VI निर्गम	प्राप्तियां	0.00	0.00	–0.04	–0.03	–0.04
	बकाया	–1.12	–1.02	–1.30	–1.33	–1.37
1.2.6 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VII निर्गम	बकाया	0.00	0.00	0.00	–0.01	0.00
	बकाया	–0.62	–0.60	–0.62	–0.63	–0.63
1.2.7 अन्य प्रमाणपत्र	बकाया	113.89	114.28	113.02	112.69	112.51
1.3 लोक भविष्य निधि	**प्राप्तियां**	**172.35**	**8.72**	**3.46**	**1.80**	**2.26**
	बकाया	**633.61**	**592.87**	**646.65**	**648.45**	**650.71**

स्रोतः महालेखाकार, डाक और तार।

टिप्पणी: अप्रैल 2017 से प्राप्तियों पर प्राप्त डाटा निवल प्राप्तियां अर्थात् सकल भुगतानों और सकल प्राप्तियों का अंतर हैं।

सं. 45: केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप

(प्रतिशत)

केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2017				2018
	मार्च	जून	सितं.	दिसं.	मार्च
	1	2	3	4	5
(क) कुल (₹ बिलियन में)	**49109.75**	**50430.94**	**51451.83**	**52813.50**	**53967.78**
1. वाणिज्यिक बैंक	40.46	39.68	40.37	41.40	42.68
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.16	0.31	0.33	0.33	0.29
3. बीमाकृत कंपनियां	22.90	23.13	23.49	23.63	23.49
4. म्यूच्युअल फंड	1.49	1.44	1.86	1.33	1.00
5. सहकारी बैंक	2.70	2.65	2.62	2.69	2.57
6. वित्तीय संस्थाएं	0.81	0.73	0.78	0.82	0.90
7. कॉरपोरेट	1.05	1.29	1.04	1.09	0.91
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	3.53	4.29	4.58	4.53	4.35
9. भविष्य निधियां	6.27	6.13	5.99	5.32	5.88
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	14.65	14.29	12.84	11.94	11.62
11. अन्य	5.98	6.07	6.11	6.92	6.30
11.1 राज्य सरकार	1.92	1.91	1.92	1.91	1.91

राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2017				2018
	मार्च	जून	सितं.	दिसं.	मार्च
	1	2	3	4	5
(ख) कुल (₹ बिलियन में)	**20893.41**	**21467.07**	**22488.35**	**23329.53**	**24288.29**
1. वाणिज्यिक बैंक	39.01	37.94	37.64	38.13	35.79
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.45	0.45	0.38	0.51	0.51
3. बीमाकृत कंपनियां	32.50	33.53	34.00	33.35	34.13
4. म्यूच्युअल फंड	2.42	1.89	1.92	1.68	1.64
5. सहकारी बैंक	4.75	4.82	4.82	4.78	4.78
6. वित्तीय संस्थाएं	0.30	0.27	0.22	0.22	0.35
7. कॉरपोरेट	0.17	0.11	0.11	0.13	0.15
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.07	0.08	0.16	0.21	0.23
9. भविष्य निधियां	17.27	18.10	18.37	17.05	19.67
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. अन्य	3.05	2.81	2.37	3.94	2.76
11.1 राज्य सरकार	-	-	-	-	-

खज़ाना बिल					
श्रेणी	2017				2018
	मार्च	जून	सितं.	दिसं.	मार्च
	1	2	3	4	5
(ग) कुल (₹ बिलियन में)	**3320.80**	**6135.01**	**5704.50**	**5102.82**	**3798.76**
1. वाणिज्यिक बैंक	57.85	53.96	52.15	48.40	60.74
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	1.27	1.14	1.38	1.67	2.17
3. बीमाकृत कंपनियां	4.58	3.20	4.32	5.22	4.17
4. म्यूच्युअल फंड	7.85	15.31	12.44	10.40	2.27
5. सहकारी बैंक	5.62	2.48	2.33	2.05	2.42
6. वित्तीय संस्थाएं	4.57	2.60	3.54	3.97	3.55
7. कॉरपोरेट	1.83	1.54	1.64	2.12	2.45
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9. भविष्य निधियां	0.35	0.06	0.20	0.02	0.11
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. अन्य	16.09	19.72	22.01	26.17	22.12
11.1 राज्य सरकार	11.02	16.71	18.73	21.81	16.35

सं. 46: केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण

(बिलियन ₹)

मद	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (सं.अ.)	2017-18 (ब.अ.)
	1	2	3	4	5	6
1. कुल वितरण	**26,949.34**	**30,002.99**	**32,852.10**	**37,606.11**	**45,262.22**	**48,790.15**
1.1 गतिविधियां	15,741.62	17,142.21	18,720.62	22,012.87	27,428.88	29,232.49
1.1.1 राजस्व	12,807.14	13,944.26	14,830.18	16,682.50	20,355.66	22,094.05
1.1.2 पूंजी	2,446.11	2,785.08	3,322.62	4,120.69	5,225.50	6,113.50
1.1.3 ऋण	488.38	412.88	567.82	1,209.68	1,847.72	1,024.94
1.2 गैर गतिविधियां	10,850.47	12,427.83	13,667.69	15,108.10	17,238.78	18,894.52
1.2.1 राजस्व	9,991.40	11,413.65	12,695.20	13,797.27	16,327.22	18,012.07
1.2.1.1 ब्याज भुगतान	4,543.06	5,342.30	5,845.42	6,480.91	7,309.44	8,062.19
1.2.2 पूंजी	837.14	990.37	946.87	1,273.06	889.24	858.00
1.2.3 ऋण	21.93	23.81	25.63	37.77	22.31	24.45
1.3 अन्य	357.24	432.95	463.79	485.14	594.56	663.14
2. कुल प्राप्तियां	**27,690.29**	**30,013.72**	**31,897.37**	**37,780.49**	**44,406.35**	**48,534.44**
2.1 राजस्व प्राप्तियां	19,716.19	22,114.75	23,876.93	27,483.74	33,816.92	37,622.09
2.1.1 कर प्राप्तियां	16,879.59	18,465.45	20,207.28	22,971.01	26,417.46	30,106.46
2.1.1.1 पण्य और सेवाओं पर कर	10,385.91	11,257.81	12,123.48	14,409.52	16,828.49	18,964.48
2.1.1.2 आय और संपत्ति पर कर	6,462.73	7,176.34	8,051.76	8,522.71	9,546.20	11,095.19
2.1.1.3 संघशासित क्षेत्र (बिना विधान मंडल के) के कर	30.94	31.30	32.04	38.78	42.77	46.79
2.1.2 गैर-कर प्राप्तियां	2,836.60	3,649.30	3,669.65	4,512.72	7,399.47	7,515.62
2.1.2.1 ब्याज प्राप्तियां	355.43	401.62	396.22	357.79	344.14	297.17
2.2 गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां	389.20	391.13	609.55	598.27	607.58	1,249.63
2.2.1 ऋण और अग्रिम की वसूली	129.29	93.85	220.72	165.61	148.28	522.79
2.2.2 विनिवेश से प्राप्त राशि	259.91	297.28	388.83	432.66	459.30	726.84
3. सकल वित्तीय घाटा [1-(2.1+2.2)]	**6,843.95**	**7,497.11**	**8,365.63**	**9,524.10**	**10,837.71**	**9,918.43**
3 क वित्तपोषण के स्रोत : संस्था-वार						
3क.1 घरेलू वित्तपोषण	6,771.94	7,424.19	8,236.30	9,396.62	10,688.98	9,760.54
3क.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	3,352.80	3,358.58	–374.76	2,310.90	6,181.23	1,581.19
3क.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि. बैंक का ऋण	548.40	1,081.30	–3,341.85	604.72	1,958.16	–1,448.47
3क.1.2 सरकार को गैर-बैंक ऋण	3,419.14	4,065.61	8,611.06	7,085.72	4,507.75	8,179.35
3क.2 बाह्य वित्तपोषण	72.01	72.92	129.33	127.48	148.73	157.89
3ख. वित्तपोषण के स्रोत : लिखत-वार						
3ख.1 घरेलू वित्तपोषण	6,771.94	7,424.19	8,236.30	9,396.62	10,688.98	9,760.54
3ख.1.1 बाज़ार उधार (निवल)	6,536.94	6,391.99	6,640.58	6,732.98	7,004.11	7,535.86
3ख.1.2 लघु बचत (निवल)	–85.70	–142.81	–565.80	–785.15	–1,091.76	–941.16
3ख.1.3 राज्य भविष्य निधियां (निवल)	329.94	312.90	343.39	352.61	374.53	383.39
3ख.1.4 आरक्षित निधियां	–4.12	34.63	51.09	–33.22	–82.42	–10.45
3ख.1.5 जमाराशियां और अग्रिम	27.22	255.45	275.45	134.70	386.99	502.14
3ख.1.6 नकद शेष	–740.96	–10.72	954.74	–174.38	855.86	255.70
3ख.1.7 अन्य	708.62	582.75	536.84	3,169.08	3,241.68	2,035.04
3ख.2 बाह्य वित्तपोषण	72.01	72.92	129.33	127.48	148.73	157.89
4. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल वितरण	*27.1*	*26.7*	*26.3*	*27.3*	*30.0*	*29.0*
5. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल प्राप्तियां	*27.8*	*26.7*	*25.6*	*27.4*	*29.5*	*28.8*
6. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर राजस्व प्राप्तियां	*19.8*	*19.7*	*19.2*	*20.0*	*22.4*	*22.3*
7. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कर प्राप्तियां	*17.0*	*16.4*	*16.2*	*16.7*	*17.5*	*17.9*
8. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर सकल वित्तीय घाटा	*6.9*	*6.7*	*6.7*	*6.9*	*7.2*	*5.9*

स्रोत: केन्द्रीय और राज्य सरकारों का बजट दस्तावेज
उपलब्ध नहीं। आरईः संशोधित अनुमान; बीईः बजट अनुमान

सं.47: विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	अप्रैल 2018 के दौरान					
		विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ)		अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए)		ओव्हरड्राफ्ट (ओडी)	
		प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या
	1	2	3	4	5	6	7
1	आंध्र प्रदेश	6.29	10	14.18	7	3.42	5
2	अरुणाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
3	असम	-	-	-	-	-	-
4	बिहार	-	-	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-
6	गोवा	0.58	14	-	-	-	-
7	गुजरात	-	-	-	-	-	-
8	हरियाणा	-	-	-	-	-	-
9	हिमाचल प्रदेश	-	-	2.20	15	-	-
10	जम्मू और कश्मीर	-	-	5.31	19	-	-
11	झारखंड	-	-	-	-	-	-
12	कर्नाटक	-	-	-	-	-	-
13	केरल	0.78	4	3.14	4	-	-
14	मध्य प्रदेश	-	-	-	-	-	-
15	महाराष्ट्र	-	-	-	-	-	-
16	मणिपुर	0.38	10	1.95	10	2.32	10
17	मेघालय	-	-	-	-	-	-
18	मिज़ोरम	-	-	-	-	-	-
19	नगालैंड	0.55	3	-	-	-	-
20	उड़ीसा	-	-	-	-	-	-
21	पुदुचेरी	-	-	-	-	-	-
22	पंजाब	0.07	10	8.24	10	0.84	2
23	राजस्थान	-	-	-	-	-	-
24	तमिलनाडु	-	-	-	-	-	-
25	तेलंगाना	-	-	-	-	-	-
26	त्रिपुरा	-	-	-	-	-	-
27	उत्तरप्रदेश	-	-	-	-	-	-
28	उत्तराखंड	-	-	-	-	-	-
29	पश्चिम बंगाल	-	-	-	-	-	-

स्रोत: भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 48: राज्य सरकारों द्वारा किए गये निवेश

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	मार्च 2018 के दौरान			
		समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ)	गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ)	सरकारी प्रतिभूतियाँ	निलामी खज़ाना बिल (एटीबी)
	1	2	3	4	5
1	आंध्र प्रदेश	69.05	6.81	0.10	0
2	अरुणाचल प्रदेश	7.24	0.00	--	0
3	असम	41.82	0.40	0	0
4	बिहार	51.47	--	0	0
5	छत्तीसगढ़	33.69	--	0.01	0
6	गोवा	4.75	2.36	--	0
7	गुजरात	114.18	3.99	0	0
8	हरियाणा	17.36	9.91	0	0
9	हिमाचल प्रदेश	--	--	--	0
10	जम्मू और कश्मीर	--	--	--	0
11	झारखंड	0	--	0	0
12	कर्नाटक	25.78	--	0	0
13	केरल	17.96	--	0	0
14	मध्य प्रदेश	--	7.74	0.00	0
15	महाराष्ट्र	272.13	--	--	390.00
16	मणिपुर	3.14	0.83	0	0
17	मेघालय	4.62	0.21	0.09	0
18	मिज़ोरम	4.25	0.21	--	0
19	नगालैंड	12.37	0.27	--	0
20	उड़ीसा	111.46	12.05	0.71	130.50
21	पुदुचेरी	2.66	--	--	8.01
22	पंजाब	0	0	0.08	0
23	राजस्थान	--	--	1.29	49.74
24	तमिलनाडु	52.20	--	0.46	288.85
25	तेलंगाना	39.99	5.85	0.07	0
26	त्रिपुरा	3.74	0.03	--	0
27	उत्तरप्रदेश	--	--	1.87	0
28	उत्तराखंड	25.05	0.66	0.01	0
29	पश्चिम बंगाल	88.57	3.52	2.14	0
	कुल	**1003.47**	**54.83**	**6.82**	**867.10**

सं. 49: राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य	2016-17		2017-18		2018-19			
						अप्रैल		2018-19 में अब तक कुल राशि उठाई गई है	
		सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल	निवल
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	आंध्र प्रदेश	195.00	177.06	228.00	189.22	15.53	15.53	15.53	15.53
2	अरुणाचल प्रदेश	4.53	2.87	8.88	7.03	4.00	4.00	4.00	4.00
3	असम	30.90	19.94	77.60	67.97	15.00	15.00	15.00	15.00
4	बिहार	177.00	168.15	100.00	89.08	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	42.00	38.98	81.00	81.00	-	-	-	-
6	गोवा	13.20	11.71	18.00	14.00	1.50	1.50	1.50	1.50
7	गुजरात	247.20	209.44	240.00	157.85	40.00	36.15	40.00	36.15
8	हरियाणा	158.00	153.59	166.40	158.40	5.25	5.25	5.25	5.25
9	हिमाचल प्रदेश	34.00	21.63	46.00	25.51	-	-2.50	-	-2.50
10	जम्मू और कश्मीर	27.90	18.99	62.00	39.74	6.00	6.00	6.00	6.00
11	झारखंड	51.54	47.25	60.00	48.07	-	-	-	-
12	कर्नाटक	280.07	240.26	220.98	173.48	-	-20.13	-	-20.13
13	केरल	173.00	146.86	205.00	162.03	45.00	45.00	45.00	45.00
14	मध्य प्रदेश	161.00	145.51	150.00	131.25	20.00	20.00	20.00	20.00
15	महाराष्ट्र	400.00	364.72	450.00	364.80	15.00	15.00	15.00	15.00
16	मणिपुर	6.30	4.78	5.25	2.78	3.50	3.50	3.50	3.50
17	मेघालय	10.01	7.18	11.16	9.20	-	-	-	-
18	मिज़ोरम	1.70	-0.35	4.24	2.77	-	-	-	-
19	नगालैंड	10.70	7.33	11.35	7.66	2.00	2.00	2.00	2.00
20	उड़ीसा	76.20	69.90	84.38	84.38	5.00	5.00	5.00	5.00
21	पुदुचेरी	5.25	5.25	8.25	4.88	-	-	-	-
22	पंजाब	136.00	121.44	174.70	133.49	24.50	24.50	24.50	24.50
23	राजस्थान	160.54	143.25	249.14	167.77	15.00	15.00	15.00	15.00
24	सिक्कीम	7.44	5.74	9.95	7.45	-	-	-	-
25	तमिलनाडु	372.50	349.94	409.65	360.23	25.00	25.00	25.00	25.00
26	तेलंगाना	218.61	205.79	246.00	218.28	40.00	40.00	40.00	40.00
27	त्रिपुरा	9.90	7.53	11.37	11.37	5.00	5.00	5.00	5.00
28	उत्तरप्रदेश	410.50	369.05	416.00	371.78	25.00	25.00	25.00	25.00
29	उत्तराखंड	54.50	50.81	66.60	58.30	5.00	5.00	5.00	5.00
30	पश्चिम बंगाल	344.31	312.30	369.11	253.04	-	-	-	-
	कुल	**3819.79**	**3426.92**	**4191.00**	**3402.81**	**317.28**	**290.80**	**317.28**	**290.80**

- : शून्य

स्रोत: भारतीय रिज़र्व बैंक

वर्तमान सांख्यिकी की व्याख्यात्मक टिप्पणियां

सारणी सं. 1

1.2 और 6: वार्षिक आंकड़े महीनों के औसत हैं।
3.5 और 3.7: वित्त वर्ष में अब तक वृद्धि के अनुपात से संबंधित है।
4.1 से 4.4, 4.8, 4.12 और 5 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम दिन से संबंधित है।
4.5, 4.6 और 4.7 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार को पांच प्रमुख बैंकों से संबंधित है।
4.9 से 4.11 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम निलामी दिन से संबंधित है।
4.13 आरबीआई के 31 मार्च 2018 के परिपत्र एफएमआरडी.डीआईआरडी.7/14.03.025/2017-18 के अनुसार फाइनैशियल बेंचमार्क इंडिया प्रा.लि. (एफबीआईएल) ने 31 मार्च 2018 से जी-सेक बेंचमार्क का प्रकाशन करना शुरु किया है।

सारणी सं. 2

2.1.2 : चुकता पूंजी, आरक्षित निधि और दीर्घावधि परिचालनगत निधि शामिल है।
2.2.2 : नकदी, सावधि जमाराशियों और अल्पावधि प्रतिभूतियों/बांडों सहित *जैसे* - आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी।

सारणी सं. 4

http://nsdp.rbi.org.in के 'रिज़र्व टैम्पलेट' के अंतर्गत परिपक्वतावार बकाया फॉर्वर्ड संविदा की स्थिति दर्शायी गयी है।

सारणी सं. 5

अन्य को विशेष पुर्नवित्त सुविधा, अर्थात् एक्ज़िम बैंक को 31 मार्च 2013 से बंद है।

सारणी सं. 6

अनुसूचित बैंकों के लिए, मार्च की समाप्ति के आंकडे सूचना देने के लिए नियत अंतिम शुक्रवार से संबंधित हैं।
2.2 : आईएमएफ खाता सं.1 की शेष राशि, आरबीआई कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन निधि, उपदान और अधिवर्षिता निधि शामिल नहीं हैं।

सारणी सं. 7 और 11

सारणी 7 में 3.1 और सारणी 11 में 2.4: आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांड शामिल हैं।

सारणी सं. 8

एनएम2 और एनएम3 में एफसीएनआर (बी) जमाराशियां शामिल नहीं हैं।
2.4: चुकता पूंजी और आरक्षित राशि शामिल हैं।
2.5 : बैंकिंग प्रणाली की अन्य मांग और मीयादी देयताएं शामिल हैं।

सारणी सं. 9

वित्तीय संस्थाओं में एक्जिम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएचबी शामिल हैं।
एल1 और एल2 मासिक आधार पर और एल3 तिमाही आधार पर संकलित किए जाते हैं।
जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं वहां अंतिम उपलब्ध आंकड़े पुनः दिए गए हैं।

सारणी सं. 13

कालम सं (1), (4) और (5) में दर्शाए गए आंकड़े अनंतिम हैं।

सारणी सं. 14
कालम सं. (1), (4), (5) और (8) में दर्शाए गए आंकडें अनंतिम हैं।

सारणी सं. 15 और 16
डाटा अनंतिम है और चुनिंदा 41 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से संबंधित है जिसमें सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (आईएनजी वैश्य को छोड़ कर जिसे अप्रैल 2015 को कोटक महिंद्रा के साथ विलय किया गया है) द्वारा कुल दिये गये कुल खाद्येतर ऋण के 90 प्रतिशत शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत निर्यात ऋण केवल विदेशी बैंक से संबंधित है।

मद 2.1 के अंतर्गत माइक्रो और लघु में विनिर्माण क्षेत्र में माइक्रो और लघु उद्योग को ऋण शामिल है।

मद 5.2 के अंतर्गत माइक्रो और लघु उद्यमों में विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में माइक्रो तथा लघु उद्यमों को ऋण शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र पुरानी परिभाषा के अनुसार है और दि . 23 अप्रैल 2015 के एफआईडीडी परिपत्र एफआईडीडी. केका. प्लान .बीसी.54/ 04.09.01/2014-15 के अनुरूप नहीं है।

सारणी सं. 17
2.1.1: राज्य सहकारी बैंकों में सहकारी सोसाइटियों द्वारा अनुरक्षित आरक्षित निधि शामिल नहीं है।
2.1.2 : आरबीआई, एसबीआई, आईडीबीआई, नाबार्ड, अधिसूचित बैंकों और राज्य सरकारों से लिए गए ऋण शामिल नहीं है।
4. : आईडीबीआई और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं।

सारणी सं. 24
प्राथमिक व्यापारियों में, प्राथमिक व्यापारी का कारोबार करने वाले बैंक शामिल हैं।

सारणी सं. 30
प्राइवेट प्लेसमेंट और बिक्री के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं।
1: बोनस शेयर शामिल नहीं हैं।
2: संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर और इक्वी - अधिमान शेयर शामिल हैं।

सारणी सं. 32
आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांडों में निवेश तथा सार्क स्वैप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा और भारत सरकार द्वारा रिज़र्व बैंक को अतंरित एसडीआर शामिल नहीं हैं। अमेरिकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा आस्तियों में रिज़र्व में रखी गैर यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यह्रास को शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रूपी-अमेरिकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों में परिवर्तित किया गया है।

सारणी सं. 34
1.1.1.1.2 और 1.1.1.1.1.4 : अनुमान
1.1.1.2 : नवीनतम माह के लिए अनुमान
'अन्य पूंजी' एफडीआई उद्यम की मूल और अनुषंगी संस्थाओं/शाखाओं के बीच के ऋण संबंधी लेनदेन से संबंधित है। हो सकता है कि सूचना देने में हुए समय-अंतराल के कारण ये आँकड़े भुगतान-संतुलन के आंकड़ो से मेल न खाएं।

सारणी सं. 35
1.10 : जर्नलों के लिए अभिदान, विदेश में किए गए निवेशों का अनुरक्षण, छात्र ऋण चुकौती और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसी मदें शामिल हैं।

सारणी सं. 36

सूचकांकों में वृद्धि रुपये की मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का संकेतक । 6-मुद्राओं वाले सूचकांक के लिए, आधार वर्ष 2016-17 अस्थिर है जिसे प्रत्येक वर्ष अद्यतन किया जाता है। रीर के आंकड़े उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित है। इससे संबंधित कार्यपद्धति का विवरण बुलेटिन के दिसंबर 2005 और अप्रैल 2014 अंक में दिया गया है।

सारणी सं. 37

ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांडों के लिए आवेदनों पर आधारित जिन्हें उस अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या दी गई है।

सारणी सं. 38, 39, 40 और 41

इन सारणियों के संबंध में व्याख्यात्मक टिप्पणियां आरबीआई बुलेटिन 2012 के दिसंबर अंक में उपलब्ध हैं।

सारणी सं. 43

1.3: बहुपक्षीय निवल निपटान समूहों से संबंधित है।

3.1: मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नै - तीन केन्द्रों से संबंधित है।

3.3: 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन गृहों से संबंधित है।

6: दिसंबर 2010 से उपलब्ध ।

7: आईएमपीएस लेनदेन शामिल हैं।

9: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा खोले गए एटीएम और व्हाइट लेबल एटीएम शामिल है। अप्रैल 2014 से व्हाइट लेबल एटीएम शामिल किए गए है।

मोबाइल बैंकिंग - जुलाई 2017 के आंकड़ों में मोबाइल उपकरण का प्रयोग करते हुए प्रारंभ, संसाधित और अधिकृत किए गए वैयक्तिक और कारपोरेट भुगतानों को ही शामिल किया गया है। अन्य कारपोरेट भुगतान जो मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए प्रारंभ, संसाधित और प्राधिकृत नहीं किए गए हैं उन्हें इसमें शामिल नहीं किया गया है।

सारणी सं. 45

(-): नगण्य को दर्शाता है।

जून 2016 से टेबल फार्मेट संशोधित किया है, जिसमें केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों सहित राज्य सरकारों की स्वामित्ववाली प्रतिभूतियाँ और खज़ाना बिलों सहित शामिल है।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (य़ूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बान्ड शामिल हैं।

वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में इसका हिस्सा बहुत कम है।

"अन्य" श्रेणी में राज्य सरकारों, पेंशन निधियां न्यास, संस्थाएं, हिंदू अविभक्त परिवार / वैयक्तिक आदि. शामिल है।

सारणी सं. 46

2011-12 से जीडीपी डाटा 2011-12 के आधार पर हैं। वर्ष 2015-16 का डाटा 29 राज्यों से संबंधित हैं।

2015-16 से जीडीपी डाटा 28 फरवरी 2018 को केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी राष्ट्रीय आय के दूसरे अग्रिम से संबंधित है।

जीडीपी के लिए 2016-17 (आरई) और 2017-18 के लिए केंद्रीय बजट 2017-18 से लिए गए है।

राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि व्यय को छोड़कर कुल प्राप्तियां और कुल व्यय।

1 और 2: आंकड़े केंद्र सरकार (एनएसएसएफ की पुन:चुकौती सहित) और राज्य सरकार के निवल चुकौती से संबंधित है।

1.3: राज्य द्वारा स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थानों को दिये गये मुआवजे और कार्य से संबंधित है।

2: यह डाटा केंद्र और राज्य सरकारों को दिये गये उधार प्राप्तियों सहित केंद्र और राज्य सरकारों के नकदी शेष में हुए घटबढ़ से संबंधित निवल को दर्शाते है।

3ए.1.1: आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक के अभिलेख के अनुसार है।

3बी.1.1: दिनांकित प्रतिभूतियों और 364 दिन के खज़ाना बिलों के माध्यम से प्राप्त उधारियों सहित।

3बी.1.2: राष्ट्रीय लघु बचत निधि (एनएसएसएफ) द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विशेष प्रतिभूतियों में किये गये निवल निवेश को दर्शाते है।

3बी.1.6: केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को दिये गये अर्थोपाय अग्रिमों सहित।

3बी.1.7: वित्तीय संस्थानों, बीमा और पेंशन निधि, प्रेषण, नकदी शेष निवेश लेखा से लिये गये ऋण, खज़ाना बिलों (364-दिन के खज़ना बिलों को छोड़कर) सहित।

सारणी सं. 47

राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और निलामी खज़ाना बिल (एटीबी) के शेषों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपाश्विक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्प कालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।

राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।

प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ/डब्ल्यूएमए/ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है।

-: नगण्य

सारणी सं. 48

समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) वे आरक्षित निधियाँ हैं जो कुछ राज्य सरकारों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी जाती हैं।

नीलामी खज़ाना बिलों (एटीबी) में राज्य सरकारों द्वारा प्राथमिक बाज़ारो में निवेश किए गए 91 दिवसीय,182 दिवसीय तथा 364 दिनों की खज़ाना बिल शामिल हैं।

--: लागू नहीं (इस योजना का सदस्य नहीं है)।

वर्तमान सांख्यिकी संबंधी अवधारणाएं एवं कार्यप्रणालियां भारतीय रिज़र्व बैंक मासिक बुलेटिन के वर्तमान सांख्यिकी संबंधी व्यापक मार्गदर्शिका (https://rbi.org.in/scripts/publicationsview.aspx?id=17618) में उपलब्ध हैं।

विस्तृत टिप्पणियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी संबंधित प्रेस विज्ञप्तियों और बैंक के अन्य प्रकाशनों (जैसे **भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंडबुक)** में उपलब्ध हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के प्रकाशन

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
1. भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन 2018	₹ 300 एक प्रति (कांउटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹4,200 (डाक प्रभार सहित एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) ₹3,150 (एक वर्ष का रियायती दर*) ₹3,360 (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क - डाक प्रभार सहित@) ₹2,520 (एक वर्ष का रियायती दर@)	15 अमरीकी डॉलर एक प्रति (डाक प्रभार सहित) 180 अमरीकी डॉलर (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
2. भारतीय राज्यों से संबंधित सांख्यिकीय हैंड बुक 2017-18	₹550 (सामान्य) ₹600 (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
3. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंड बुक 2016-17	₹550 (सामान्य) ₹600 (डाक प्रभार सहित) ₹400 (रियायती) ₹450 (रियायती डाक प्रभार सहित)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
4. राज्य वित्त: 2016-17 के बजटों का अध्ययन	₹500 एक प्रति (काउंटर पर) ₹550 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 23 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
5. मिंट रोड माइलस्टोन्स: आरबीआई ऐट 75	₹1,650 एक प्रति (काउंटर पर)	अमरीकी डॉलर 50 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
6. रिपोर्ट ऑफ दि कमिटी ऑन फुलर कैपिटल अकांउट कन्वर्टिबिलिटी (तारापोर समिति की रिपोर्ट II)	₹140 एक प्रति (काउंटर पर) ₹170 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 25 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
7. बैंकिंग शब्दावली (2012)	₹80 एक प्रति (कांउटर पर) ₹120 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
8. अनुवाद के विविध आयाम (हिंदी)	₹165 एक प्रति (कांउटर पर) ₹205 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
9. बैंक में राजभाषा नीति का कार्यान्वयन: दशा और दिशा (हिंदी)	₹150 एक प्रति (कांउटर पर) ₹200 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
10. प्रशासनिक शब्दावली (अंग्रेजी - हिंदी)	₹110 एक प्रति (कांउटर पर)	
11. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर	₹200 एक प्रति (कांउटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 18 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)

टिप्पणियाः

1. उपर्युक्त प्रकाशनों में से कई प्रकाशन आरबीआई की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर उपलबध हैं।
2. टाइम सीरीज़ डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस में उपलब्ध हैं (http://dbie.rbi.org.in)।
3. भारतीय रिज़र्व बैंक का इतिहास 1935-1997 (4 खंड), वित्तीय संकट के संदर्भ में केन्द्रीय बैंकिंग की चुनौतियां और भारत की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था: वृद्धि और वित्त भारत के प्रमुख पुस्तक भंडारों में उपलब्ध हैं।

* भारत में छात्रों, अध्यापकों / व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत रियायत दी जाएगी बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

@ इलेक्ट्रानिक भुगतान को बढ़ावा देने हेतु, घरेलू ग्राहक जो एनईएफटी के माध्यम से भुगतान करना चाहते है, उन्हें 20 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

सामान्य अनुदेशः

1. बिकी हुई प्रतियां वापस नहीं ली जाएंगी।
2. प्रकाशन कन्साइनमेंट वीपीपी आधार पर नहीं भेजा जाएगा।
3. जहां कहीं रियायती मूल्य का उल्लेख नहीं है, वहां भारत में छात्रों, अध्यापकों/व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी, बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। सामान्यतः प्रकाशन के पिछले अंक उपलब्ध नहीं है।
4. प्रकाशनों की (सोमवार से शुक्रवार) तक बिक्री तथा वितरण प्रभाग, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं, अमर बिल्डिंग, तल मंज़िल, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स संख्या 1036, मुंबई - 400 001 पर उपलब्ध हैं। बिक्री अनुभाग का संपर्क नं. 022-2260 3000, विस्तार 4002, ई-मेलः spsdcs@rbi.org.in है।
5. सदस्यता शुल्क मुख्यतः एनईएफटी द्वारा किया जाना चाहिए और अग्रेषणपत्र, जिसके साथ एनईएफटी विवरण संलग्न हो, मुख्य महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक, दूसरी मंज़िल, मुख्य भवन, मुम्बई - 400 001 को संबोधित होना चाहिए।
   एनईएफटी फार्म में निम्नलिखित जानकारी भरना अपेक्षित हैः

लाभार्थी का नाम	कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं
बैंक का नाम	भारतीय रिज़र्व बैंक
शाखा तथा पता	फोर्ट, मुंबई
बैंक शाखा का आईएफएससी	RBIS0MBPA04
खाते का प्रकार	चालू खाता
खाता संख्या	41-8691632-86
प्रेषक से प्राप्तकर्ता की जानकारी	अभिदाता का नाम.......... अभिदाता सं.........

6. प्रकाशनों को शीघ्रातिशीघ्र भेजने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। तथापि मांग अधिक होने पर 'पहले आओ, पहले पाओ' आधार पर प्रकाशनों की आपूर्ति की जाएगी। औपचारिकताएं पूरा करने और उसके बाद उपलब्ध प्रकाशनों को भेजने में न्यूनतम एक महीने का समय लगेगा। 'प्रकाशन प्राप्त न होने की शिकायत' 2 महीने के अंदर भेजी जाए।
7. **कृपया अपनी अंशदान संख्या, नाम, पता तथा ई-मेल आईडी spsdcs@rbi.org.in पर मेल करें ताकि हम आपसे संपर्क कर सकें।**